केशव प्रसाद मौर्य के 12 हेलीकॉप्टर...

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रतिभा रांटा ने बताया 11 'एक्यूज्ड' के किरदार...

वर्ष - 01, अंक - 334 | गाजियाबाद / रविवार 08 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

टी 20 वर्ल्डकप का फाइनल मैच आज

- खिताबी भिड़ंत में भारत और न्यूजीलैंड की होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 अपने आखिरी पड़ाव पर है। कल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी जंग होगी। फाइनल से पहले ही आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए 8 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। आईसीसी के नोमिनेशन में भारत के संजू सैमसन का भी नाम है। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास में रिकॉर्ड 15वीं बार फाइनल खेलने उतरेगी। 1983 में कपिल देव की कप्तानी में मिली पहली वर्ल्ड कप जीत से शुरू हुआ यह सफर भारत को अब तक 7 ट्रॉफियां दिला चुका है। आईसीसी टूर्नामेंट्स (वनडे वर्ल्ड कप + चैंपियंस ट्रॉफी + टी-20 वर्ल्ड कप + वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप) में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 फाइनल में से 10 ट्रॉफियां जीती हैं। 2002 चैंपियंस ट्रॉफी का भारत-श्रीलंका फाइनल बारिश के कारण दो दिन में भी पूरा नहीं हो सका था। इसलिए दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। टीम इंडिया ने अपना पिछला खिताब रोहित शर्मा की कप्तानी में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर जीता था।

गुरुमीत राम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी

- हाईकोर्ट ने दिया फैसला, 7 साल पहले उम्रकैद हुई थी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जिस वजह से राम रहीम को बरी कर दिया गया। राम रहीम इससे पहले डेरा मैनेजर रणजीत हत्याकांड में पहले ही हाईकोर्ट से बरी हो चुका है। हालांकि सीबीआई ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण केस में 10 साल कैद की सजा हुई है। इस वजह से राम रहीम को अभी जेल में ही रहना होगा।

दुर्भाग्य है कि धर्मयुद्ध के लिए निकलना पड़ रहा

- बोले शंकराचार्य-जिंदा हिंदू लखनऊ चलें लिखे पोस्टर बांटे

वाराणसी (एजेंसी)। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गौ-माता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कही। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे।

यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें। वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य काशी से जौनपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर होते हुए 5 दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे। यात्रा में 20 से अधिक गाड़ियां हैं। 500 से अधिक श्रद्धालु साथ हैं। इस दौरान लोगों को पोस्टर बांटे गए। इनमें लिखा है- जिंदा हिंदू लखनऊ चलें।

अब भारत बनेगा राफेल का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब

फ्रांस के बाहर बड़ी उपलब्धि, डसॉल्ट ने बताया प्लान

पेरिस (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने पुष्टि कर दी है कि फ्रांस के बाहर प्रोडक्शन लाइन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा डसॉल्ट ने कहा है कि राफेल फाइटर की प्रोडक्शन क्षमता को भी साल 2029 तक हर महीने बढ़ाकर 4 करने का लक्ष्य रखा गया है। डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर ने 4 मार्च को कहा है कि वह धीरे-धीरे राफेल फाइटर का प्रोडक्शन रेट बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि 2029 तक हर महीने चार

राफेल बनाने का लक्ष्य है लेकिन उसे बढ़ाकर पांच करने पर भी विचार चल रहा है। पिछले कुछ सालों में यह बढ़ोतरी एक्सपोर्ट सेल्स को सपोर्ट कर रही है, और कंपनी को और ऑर्डर पूरे करने के लिए तैयार कर रही है। इस बीच, डसॉल्ट देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत में फाइटर की बड़ी सब-असेंबली बनाने के लिए तैयार हो रहा है। चूंकि एयरफ्रेमर एशियाई देश के साथ एक और बड़े कॉन्ट्रैक्ट की प्लानिंग कर रहा है, इसलिए वह और भी ज्यादा जरूरी है।

भारत से मिले ऑर्डर के आधार पर प्रोडक्शन बढ़ाने पर फैसला

राफेल के प्रोडक्शन रफ्तार को रेट 5 पर ले जाने में भारत में प्रोडक्शन को ध्यान में रखा जा सकता है। डसॉल्ट ने पिछले साल टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ पार्टनरशिप की थी ताकि हर महीने दो राफेल फ्यूजलेज सेक्शन का लोकल प्रोडक्शन शुरू किया जा सके, जिसकी पहली डिलीवरी 2028 में होनी है। अगर भारत सरकार 114 और राफेल के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करती है तो हैदराबाद में फाइटर के लिए दूसरी फाइनल असेंबली लाइन बनाई जा सकती है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने 114 राफेल खरीदने के लिए मंजूरी दे दी है। ट्रैपियर ने कहा कि टारगेट प्रोडक्शन रेट अभी तय नहीं किया गया है।

लोग केरल स्टोरी-2 नहीं देख रहे, ये अच्छी खबर

राहुल बोले-फिल्मों और मीडिया का इस्तेमाल प्रोपेगैंडा के लिए हो रहा

इडुक्की (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि फिल्म केरल स्टोरी-2 गोज बियॉन्ड को ज्यादा लोग नहीं देख रहे हैं और यह अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि फिल्मों, टीवी और मीडिया का इस्तेमाल तेजी से प्रोपेगैंडा के रूप में किया जा रहा है। केरल में इडुक्की के कुट्टिकनम स्थित मैरियन कॉलेज में शुक्रवार को छात्रों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की। एक छात्र ने फिल्मों के प्रोपेगैंडा के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर सवाल पूछा था। इस पर गांधी ने कहा- अच्छी खबर यह है कि केरल स्टोरी खोखली लगती है और लोग इसे देखने नहीं जा रहे हैं। इससे यह भी पता चलता है कि बहुत से लोग केरल और उसकी परंपराओं व संस्कृति को ठीक से नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने कहा कि आज फिल्मों और मीडिया को तेजी से नफरत फैलाने का हथियार बनाया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी में आरएसएस से जुड़े लोग

देश की शिक्षा व्यवस्था पर एक खास विचारधारा का दबाव बढ़ रहा है। अगर आप यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर देखें तो उनमें से कई की नियुक्ति इसलिए हुई है क्योंकि वे आरएसएस या किसी खास विचारधारा से जुड़े हैं। शिक्षा को किसी एक सोच तक सीमित नहीं होना चाहिए। भारत अभी अमेरिका और चीन के स्तर तक नहीं पहुंचा है। यदि भारत एआई के क्षेत्र में मजबूत बनना चाहता है, तो उसे अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा। अमेरिका को वैश्विक डेटा तक व्यापक पहुंच है, जबकि चीन अपना डेटा खुद नियंत्रित करता है, जिससे एआई में उसकी स्थिति मजबूत होती है।

संकट में फंसा ईरान तो भारत ने की मदद

युद्ध के बीच ईरानी युद्धपोत को कोच्चि में दी शरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब भारत के समुद्री पड़ोस तक पहुंच गया है। श्रीलंका के तट के

पास एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के ठीक दो दिन बाद, भारत ने ईरान के एक दूसरे युद्धपोत 'आईरिस लावन' को कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी है। इस कदम को भारत द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच एक बेहद जटिल बैलेंसिंग एक्ट के रूप में देखा जा रहा है। तनाव की शुरुआत बुधवार को हुई, जब श्रीलंका के तट से लगभग 19 समुद्री मील दूर एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी फ्रिगेट आईरिस डेना पर टॉरपीडो से हमला कर उसे डुबो दिया। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है।

पड़ोसी देशों पर अब हमले नहीं करेगा ईरान

- राष्ट्रपति पेजेशकियन ने किया वादा, मांगी माफी

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि सैन्य बलों को एक आदेश दिया गया है। अब से, पड़ोसी देशों पर तब तक हमला न करें जब तक कि उन पर पहले हमला न हो। जो लोग इस मौके का फायदा उठाकर ईरान पर हमला करने की सोच रहे हैं, उन्हें साम्राज्यवाद की कठपुतली नहीं बनना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पड़ोसी देशों से माफी मांगते हुए कहा है कि अब ईरान उन देशों पर हमला नहीं करेगा। पेजेशकियान ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में कहा, मुझे लगता है कि उन पड़ोसी देशों से माफी मांगना जरूरी है जिन पर हमला हुआ है। हमारा पड़ोसी देशों पर हमले का कोई इरादा नहीं है।

सऊदी अरब ने दी थी ईरान को चेतावनी

इससे पहले, सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने देश के सैन्य ठिकानों और तेल केंद्रों पर हुए सिलसिलेवार मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद ईरान को गलतफहमी और गलत आंकलन से बचने की कड़ी चेतावनी दी थी। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सैन्य कर्मियों की मौजूदगी वाले एक एयर बेस और एक प्रमुख तेल क्षेत्र को निशाना बनाकर किये गये हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजधानी रियाद के दक्षिण-पूर्व स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गयी एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया। सऊदी प्रेस एजेंसी ने मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से पुष्टि की है कि इसी एयर बेस पर एक और मिसाइल हमला हुआ, जिसे भी विफल कर दिया गया।

'यात्रा' से पॉलिटिकल करियर की शुरुआत करेंगे निशांत

- पिता नीतिश की तरह ही बनाया प्लान, ब्लू प्रिंट भी तैयार

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतिश कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को जेडीयू विधानमंडल दल की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद थे। सूत्र ने बताया कि निशांत कुमार को जदयू में लाने की बात पर सीएम नीतिश ने एकदम चुप्पी नहीं साधी। इसके बाद ललन सिंह और संजय झा ने मोर्चा संभाला और जो कहा वो आपको हम ज्यों का त्यों बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि निशांत से हमारी बात हो गई है। उन्होंने पार्टी में शामिल होने को लेकर अपनी सहमति दे दी है। निशांत बिहार की यात्रा पर निकलेंगे। वह अपने पिता की तरह यात्रा शुरू करेंगे।

राज्यसभा चुनाव में विपक्ष का समीकरण बिगाड़ेगी भाजपा

बनाया बड़ा प्लान, कांग्रेस को फिर लग सकता है तगड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा की दस राज्यों की 37 सीटों में केवल तीन राज्यों की 11 सीटों के लिए ही मतदान होगा। इनमें बिहार की पांच, ओडिशा की चार एवं हरियाणा की दो सीट शामिल हैं। अन्य राज्यों में निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय है। इस बीच भाजपा ने ओडिशा में बीजू जनता दल और हरियाणा में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वहीं, बिहार में राजद और एनडीए में एक सीट के लिए कड़ा मुकाबला हो सकता है। ओडिशा में भाजपा दो और बीजद एक सीट जीत सकती है, लेकिन चौथी सीट पर भाजपा समर्थित निर्दलीय दिलीप राय और बीजद के दत्तेश्वर होता में सीधा मुकाबला है। जीत के लिए 30 वोट चाहिए। भाजपा के पास अपने 79 और तीन निर्दलीय का समर्थन है। यानी तीसरे प्रत्याशी के लिए 22 वोट बचे हैं। ऐसे में दिलीप रे के लिए आठ वोट और चाहिए। वहीं बीजद के 48 विधायक हैं उसे दूसरी सीट के लिए 12 वोट चाहिए। कांग्रेस के 14 और माकपा के एक विधायक का समर्थन ही उसे जिता सकता है।

देश में जैश-ए-मोहम्मद की साजिश का हो गया भंडाफोड़

भारत में छात्रों का 'लोन वुल्फ' नेटवर्क बनाने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैश ए मोहम्मद के फरीदाबाद मॉड्यूल मामले की जांच में खुलासा हुआ है कि आतंकी संगठन ने एक मेडिकल संस्थान में घुसपैठ कर डॉक्टरों को भारत में हमले करने के लिए अपने साथ जोड़ लिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार इस व्हाइट-कॉलर मॉड्यूल ने करीब 2500 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट जुटा लिया था और दिल्ली और आसपास के इलाकों में कई हमले करने की योजना बनाई थी। खुफिया एजेंसियों को अब एक और साजिश का पता चला है, जिसमें जैश ए मोहम्मद स्कूलों और कॉलेजों में घुसपैठ कर छात्रों को कट्टरपंथ की ओर मोड़ने की योजना बना रहा था।

आतंकी संगठन अपने प्रचार सामग्री के जरिए कुछ छात्रों को भर्ती करने की कोशिश कर रहा है, ताकि वे अपने दोस्तों के बीच भी उसकी विचारधारा फैलाएं।

एक अधिकारी ने बताया कि छात्रों को शामिल करने की यह रणनीति दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। ऐसी रणनीति पहले जैश ए मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा की ओर से पाकिस्तान में अपनाई जा चुकी है और अब इसे भारत में लागू करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, कम उम्र में छात्रों को कट्टरपंथ की ओर मोड़ने से इन संगठनों को लंबे समय में फायदा होता है। जब ये छात्र 20-25 साल की उम्र तक पहुंचते हैं तो वे इतने कट्टर बन चुके होते हैं कि देशभर में हमले करने के लिए तैयार हो जाते हैं। इस बीच महाराष्ट्र एटीएस ने इस सप्ताह मुंबई से एक छात्र को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अयान शेख के रूप में हुई है, जो पिछले छह महीनों से मुंबई में रह रहा था।

- **फरीदाबाद मॉड्यूल से साजिश का खुलासा-** फरीदाबाद मामले से संगठन ने यह सीखा कि बड़े मॉड्यूल में ज्यादा लोगों के शामिल होने से संचार ट्रैक होने का खतरा बढ़ जाता है और मॉड्यूल का पर्दाफाश हो सकता है। इसलिए छात्र मॉड्यूल में हमलावरों को अकेले या 'बडी पेयर' के रूप में काम करने के लिए तैयार किया जाएगा। कई मामलों में हमलावर खुद लक्ष्य चुन सकता है या फिर उसे किसी हैंडलर से निर्देश मिल सकते हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि संगठन आने वाले वर्षों में छात्रों का ऐसा नेटवर्क बनाने में सफल हो गया, तो यह देश की सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक स्थिति बन सकती है। लंबे समय तक कट्टरपंथी बनाए गए ऐसे युवाओं की प्रतिबद्धता बहुत मजबूत हो जाती है और उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है।

संकट में भारत को मिला ऑस्ट्रेलिया और कनाडा का साथ

- भारत में अतिरिक्त गैस सप्लाई के लिए बढ़ा दिया अपना हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इससे भारत समेत कई देशों को क्रूड ऑयल और गैस की दिक्कत हो सकती है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए नए विकल्प तलाश रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत कई देशों ने भारत को अतिरिक्त गैस सप्लाई की

पेशकश की है। सूत्रों ने कहा मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति अब किसी एक समुद्री मार्ग पर निर्भर नहीं है। एक ही समुद्री मार्ग पर निर्भरता के दिन अब लद चुके हैं। भारत जितना तेल आयात करता है, उसका करीब आधा हिस्सा हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। बाकी का क्रूड ऑयल अन्य मार्गों से आता है, जो अभी प्रभावित नहीं हैं।

अमेरिका और यूएई के साथ नए समझौते- भारत ने हाल ही में अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे साझेदार देशों के साथ भी नई ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्थाएं की हैं। इसका मकसद है कि लंबी अवधि के लिए स्थिर सप्लाई सुनिश्चित हो सके। पिछले दस वर्षों में भारत ने अपनी तेल आपूर्ति के स्रोत 27 देशों से बढ़ाकर 40 देशों तक कर दिए हैं, जो छह महाद्वीपों में फैले हुए हैं। वैश्विक संकट के कारण पिछले कुछ दिनों में क्रूड ऑयल की कीमत करीब 15 फीसदी बढ़ गई है।

महिलाएं परंपरा की ही नहीं, परिवर्तन की वाहिकाएं भी हैं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (शिखर समाचार) भारत की महिलाएं केवल परंपरा की वाहिकाएं ही नहीं, बल्कि परिवर्तन की भी वाहिकाएं हैं। यह बात दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विज्ञान भवन में आयोजित महिला विचारकों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन भारती नारी से नारायणी के उद्घाटन समारोह में कही। आठ मार्च तक चलने वाले इस सम्मेलन का समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। सम्मेलन का आयोजन भारतीय विद्वत परिषद, राष्ट्र सेविका समिति और स्वयंसेवी संस्था शरण्या द्वारा किया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि निर्णय क्षमता, साहस और मेहनत का कोई लिंग नहीं होता। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं और कई क्षेत्रों में पुरुषों के समान या उनसे बेहतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब अपने लक्ष्य स्वयं तय करने लगी हैं और समाज में नई पहचान बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि परिवार, समाज और देश की अपेक्षाओं को पूरा करने के साथ साथ महिलाओं को अपने मन की खुशी और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने माताओं से अपील की कि जो अवसर उन्हें नहीं मिले, वे अपनी बेटियों को अवश्य दें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए खुला आकाश प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि महिलाएं अपने लक्ष्य स्वयं निर्धारित करें तो वे नारी से नारायणी बन सकती हैं। उन्होंने जिम्मेदार पदों पर कार्यरत महिलाओं से अन्य महिलाओं को आगे बढ़ाने में सहयोग

करने का भी आह्वान किया।

रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने बेटियों को सशक्त बनाने के लिए लखपति बिटिया योजना लागू की है। पहले केवल दसवीं कक्षा तक ही बेटियों को आर्थिक सहायता दी जाती थी, लेकिन अब स्नातक करने पर लगभग सवा लाख रुपये की सहायता देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही सरकार ने महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति भी दी है, जबकि पहले इस पर प्रतिबंध था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्र सेविका समिति की मुख्य संचालिका वी. शांता कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को अत्यंत महत्व दिया गया है। नारी समाज को धारण करने वाली सुदृढ़ शक्ति है, इसलिए वह नारायणी बन सकती है। उन्होंने कहा कि मंगलाचरण से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक भारत की महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और शौर्य का परिचय दिया है।

उद्घाटन समारोह में भारतीय विद्वत परिषद की सचिव शिवानी वी. ने कहा कि नारी अपने आप में ऊर्जा और शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं से जुड़े विषयों पर मंथन कर सकारात्मक विचारों को समाज तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान मिलने वाले सुझाव भारत सरकार के संबंधित विभागों को भेजे जाएंगे।

समारोह में अंजू आहूजा, तेजस्विनी अनंत कुमार, विजया शर्मा और चारु कालरा ने भी अपने विचार रखे। दो दिवसीय सम्मेलन में आठ विषयों पर चर्चा की जा रही है, जिसमें महिला जनप्रतिनिधियों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और साध्वियों के विशेष विचार विमर्श सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं।

तरुण की हत्या के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने उत्तम नगर में होली के दौरान युवक तरुण की हत्या पर संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और भाईचारे को बिगाड़ने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री इंद्राज ने शनिवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, सांसद कमलजीत सहरावत और नजफगढ़ जिला अध्यक्ष राज शर्मा के साथ पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक और

हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि होली जैसे आपसी भाईचारे, प्रेम और उल्लास के पर्व को कुछ दोषियों ने अपनी हिंसक मानसिकता से कलंकित करने का दुस्साहस किया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मंत्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि दोषियों को उनके किए की कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी और कानून पूरी मुस्तैदी के साथ अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित परिवार को न्याय मिले और इस मामले में हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा। मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि हमने सांसद और अन्य लोगों के साथ शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। इस कठिन समय में दिल्ली सरकार परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस अपना काम कर रही है। यह घटना बेहद निंदनीय है और ऐसी त्रासदी को शब्दों में बयान करना असंभव है। मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि होली के दिन एक पिता ने अपने बेटे को इस तरह खो दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस अपना कर्तव्य पूरी तरह निभाएगी और हम सभी को शांति और भाईचारा बनाए रखना चाहिए। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इस अमानवीय घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। शोक संतप्त परिवार के दुख में हम सब समान रूप से सहभागी हैं। हमने परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को इस मामले में शीघ्र, निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है।

साले की गैर-इरादतन हत्या की कोशिश में घोषित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शाहबाद डेयरी थाना इलाके के गैर-इरादतन हत्या की कोशिश के मामले में घोषित अपराधी अनवर हुसैन उर्फ अनवर हुसैनको गिरफ्तार किया है। आरोपी ने साथियों के मिलकर अपने साले पर बेरहमी से हमला कर दिया था। वह आरोपी 2023 से फरार था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के अनुसार आरोपी अनवर हुसैन उर्फ अनवर हुसैन ने अपने साथियों के साथ मिलकर 16 सितंबर, 2023 को अपने साले अबेदुर रहमान उर्फ अब्दुल रहमान (शिकायतकर्ता) पर शाहबाद डेयरी थाना इलाके में बुरी तरह हमला कर दिया था। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज होने के बाद आरोपी अपने साथी आरोपियों के साथ फरार हो गया था। अदालत ने उसे 17 फरवरी, 2025 को भगोड़ा घोषित कर दिया। शाखा में तैनात इंस्पेक्टर अजय गहलावत की टीम आरोपी की तलाश कर रही है।

दो करोड़ से अधिक की नशीली सामग्री के साथ दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपराध शाखा ने दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक अंतरराज्यीय नशीली दवा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की विभिन्न प्रकार की नशीली सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी क्षेत्र में नशे के आदी लोगों को अलग-अलग प्रकार की मादक दवाएं उपलब्ध कराते थे। पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि 21 फरवरी की रात लगभग दस बजे सहायक पुलिस आयुक्त सतेंद्र मोहन और निरीक्षक शिव कुमार के नेतृत्व में पुलिस दल ने मोती नगर स्थित एक मकान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सार्थक त्यागी को गिरफ्तार कर लिया।

घर से बड़ी मात्रा में नशीली सामग्री बरामद- तलाशी के दौरान पुलिस को उसके घर से विभिन्न प्रकार की नशीली और मनःप्रभावी सामग्री मिली। इनमें 1016 ग्राम गांजा, 1112 ग्राम चरस, 17 ग्राम एमडीएमए, एक ग्राम एक्स्टेसी टैबलेट सहित अन्य नशीले पदार्थ शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी संगठित तरीके से नशीली दवाओं की खरीद और आपूर्ति के काम में लगा हुआ था।

पूछताछ में सामने आया सप्लायर का नाम- पुलिस की पूछताछ में सार्थक त्यागी ने अपने सप्लायर कुलप्रीत सिंह उर्फ सनी के बारे में जानकारी दी। इसके आधार पर पुलिस ने अशोक विहार क्षेत्र में छापेमारी कर कुलप्रीत सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी- पुलिस के अनुसार यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक अंतरराज्यीय आपूर्ति तंत्र का हिस्सा है। दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

जांच में यह भी सामने आया है कि सार्थक त्यागी प्रॉपर्टी कारोबार की आड़ में नशीली दवाओं की तस्करी करता था। उसके खिलाफ मोती नगर थाने में पहले भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं कुलप्रीत सिंह हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले का निवासी है और उसके खिलाफ भी मादक पदार्थ अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने और तस्करी की श्रृंखला को खत्म करने के लिए जांच जारी है।

एआई समिट विरोध मामले में सिद्धार्थ अवधूत को जमानत, 9 दिन बाद रिहाई का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार सिद्धार्थ अवधूत को जमानत दे दी है। करीब नौ दिन की पुलिस हिरासत में रहने के बाद अदालत ने उनकी रिहाई का आदेश दिया। उन्हें 20 फरवरी को भारत मंडपम में आयोजित समिट के दौरान हुए 'शर्टलेस प्रोटेस्ट' का मुख्य साजिशकर्ता बताया गया था। यह विरोध प्रदर्शन तब हुआ जब युवा कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं ने जैकेट उतारकर टी-शर्ट दिखाईं, जिन पर सरकार और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लिखे थे। पुलिस जांच पूरी होने के बाद अदालत ने 5 मार्च को जमानत देने का फैसला सुनाया। दिल्ली पुलिस ने सिद्धार्थ अवधूत को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की थी, लेकिन ड्यूटी मजिस्ट्रेट चरण सलवान ने 50 हजार रुपये के जमानत बॉन्ड और समान राशि की जमानत पर उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। सिद्धार्थ अवधूत को हिमाचल प्रदेश के शिमला से गिरफ्तार किया गया था और वे करीब नौ दिनों से पुलिस हिरासत में थे। इससे पहले अदालत इस मामले में नौ अन्य आरोपियों को जमानत दे चुकी है, जबकि सिद्धार्थ अवधूत की जमानत याचिका कुछ दिन पहले खारिज कर दी गई थी।

राम रहीम को बरी करने के फैसले पर दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने डेरा सिरसा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार छत्रपति हत्या मामले में बरी किए जाने के फैसले को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय का विरोध किया जाएगा, क्योंकि जिस पत्रकार की हत्या डेरा प्रमुख को बेनकाब करने के कारण हुई थी, उस मामले में आरोपी को बरी कर देना न्याय और मानवता दोनों के दृष्टिकोण से चिंताजनक है। हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि एक ओर बंदी सिंह ऐसे हैं जिनकी सजा पूरी हुए कई वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन उन्हें पैरोल तक नहीं मिल रही है, जबकि दूसरी ओर ऐसे व्यक्ति को, जिसके खिलाफ सीबीआई ने पुख्ता सबूत पेश किए थे, अदालत द्वारा बरी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला बेहद निराशाजनक है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका-ईरान युद्ध की स्थिति के बीच खाड़ी देशों में फंसे पंजाबियों और सिखों के साथ दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी का लगातार संपर्क बना हुआ है। जरूरत पड़ने पर उनकी हर संभव सहायता की जाएगी। उन्होंने कहा कि कमेटी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित निकालने की व्यवस्था भी की जाएगी। हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी हमेशा संगत और उनके परिवारों के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी और बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान भी कमेटी ने लोगों की मदद की थी और भविष्य में भी जरूरतमंदों के साथ इसी तरह खड़ी रहेगी।

मंत्री सूद ने जनकपुरी में 1.60 करोड़ के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को जनकपुरी विधानसभा क्षेतेर के सी-1ए ब्लॉक तथा सी-2 ब्लॉक में लगभग 1.60 करोड़ रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

सूद ने बताया कि इन दोनों ब्लॉक में सीवर, पानी की पाइप लाइनों के काम, डेंस कारपेटिंग, सड़क निर्माण आदि के काम पिछली सरकार के समय से ही लंबित है। विकास के काम न होने से स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। आज जनकपुरी के सी-1ए ब्लॉक में लगभग 86.37 लाख रुपये की लागत से कई महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किए गए, जिनमें सीवर लाइन बिछाने का कार्य, ड्रेन व सड़क का निर्माण तथा डेंस कारपेटिंग का कार्य शामिल है। इन कार्यों से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा और स्थानीय निवासियों को बेहतर आधारभूत ढांचा उपलब्ध होगा।

इसके साथ ही सी-2 ब्लॉक, जनकपुरी में लगभग 73.91 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इन कार्यों में सी2/116 से सी2/230 तक सीवर लाइन बिछाने का कार्य, गली का इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा निर्माण, बैक लेन का आरएमसी द्वारा निर्माण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार दिल्ली के सभी क्षेत्रों में तेज गति से विकास के सभी कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य राजधानी के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और नागरिकों को बेहतर जीवन-स्तर उपलब्ध कराना है। जनकपुरी में शुरू किए गए ये विकास कार्य स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्ष में दिल्ली में विकास के नाम पर सिर्फ बड़े-बड़े विज्ञापन दिए गए, लोगों को गुमराह किया गया और सरकारी खजाने का दुरुपयोग किया गया।

स्वस्थ भारत के संकल्प को जन औषधि परियोजना दे रही सार्थक रूप : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार के 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को आज जन औषधि परियोजना धरातल पर सार्थक रूप दे रही है। केंद्र सरकार का यह दूरदर्शी प्रयास सुनिश्चित करता है कि देश का कोई भी नागरिक, विशेषकर मध्यम वर्ग और गरीब परिवार, आर्थिक अभाव के कारण आवश्यक उपचार से वंचित न रहे। स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वसुलभ और किफायती बनाना ही योजना का मूल ध्येय है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर आज जन औषधि दिवस के मौके पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में संचालित 620 से अधिक जन औषधि केंद्र आज लाखों परिवारों के लिए बड़ा संबल बन चुके हैं। उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं को न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराकर ये केंद्र बीमारियों से लड़ने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं और साथ ही आम जन की गाढ़ी कमाई की बचत भी सुनिश्चित कर रहे हैं। चिकित्सा क्षेत्र में आई यह सकारात्मक पहल समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य का अधिकार पहुंचाने का कार्य कर रही है।

ज़मीनी स्तर पर मुख्यमंत्री ने किया डीटीसी बस में सुविधा का अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सहेली पिंक एनसीएमसी कार्ड के साथ डीटीसी बस में सफर किया और अनुभव किया कि यह सुविधा ज़मीनी स्तर पर कैसे काम कर रही है। बस में चढ़ते ही कार्ड को मशीन पर सिर्फ टैप करना होता है और यात्रा तुरंत दर्ज हो जाती है। पूरी प्रक्रिया तेज, आसान पारदर्शी है। दिल्ली की माताओं, बहनों और बेटियों के लिए यह एक बेहद सुविधाजनक व्यवस्था है। शहर के विभिन्न केंद्रों पर यह कार्ड मुफ्त बनाया जा रहा है। बस आधार नंबर और मोबाइल नंबर के साथ रजिस्ट्रेशन कराइए और डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठाइए। सभी महिलाओं से अपील है कि सहेली पिंक एनसीएमसी कार्ड बनवाएं और इस सुविधा का पूरा लाभ उठाएं।

कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास, 1507 करोड़ की परियोजना से हाड़ौती को मिलेगी नई उड़ान

कोटा/नई दिल्ली(शिखर समाचार)। बहुप्रतीक्षित कोटाझबूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास शनिवार को शंभुपुरा में किया गया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संबोधन के जरिए कोटा-बूंदी सहित पूरे हाड़ौती क्षेत्र के लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नवंबर 2023 में कोटा की यात्रा के दौरान उन्होंने जनता से वादा किया था कि कोटा का एयरपोर्ट केवल सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि इसे साकार किया जाएगा। आज उसी वादे को पूरा करने की दिशा में निर्माण कार्य की शुरूआत हो रही है। उन्होंने कहा कि करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह एयरपोर्ट क्षेत्र के विकास को नई गति देगा। अब तक कोटा के लोगों को हवाई यात्रा के लिए जयपुर या जोधपुर जाना पड़ता था, लेकिन एयरपोर्ट बनने के बाद यात्रा आसान होगी और व्यापार व निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में उनकी अजमेर यात्रा के दौरान हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया था और लगभग 21 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए थे। एक ही सप्ताह में राजस्थान में दो बड़े विकास कार्यों की शुरूआत यह दशार्ती है कि राज्य तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कोटा ऊर्जा उत्पादन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां ऊर्जा के लगभग सभी स्त्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। हाड़ौती क्षेत्र अपनी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान के लिए भी प्रसिद्ध है। कोटा की कचौरी, कोटा डोरिया साड़ी, सैंडस्टोन, यहां का धनिया और बूंदी का बासमती चावल देश-विदेश में पहचान बना चुके हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कोटा धार्मिक आस्था का भी प्रमुख केंद्र है। यहां मथुराधीश जी की पावन पीठ, खड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी धाम के बालाजी जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं, जहां देश-दुनिया से श्रद्धालु आते हैं। हवाई कनेक्टिविटी मिलने से इन धार्मिक और पर्यटन स्थलों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सराहना करते हुए कहा कि वे जितने शानदार सांसद हैं, उतने ही बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष भी हैं। वे संविधान और संसदीय परंपराओं के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य करते हैं तथा सदन में सभी सांसदों का सम्मान बनाए रखते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोटा की जनता का बहुप्रतीक्षित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का सपना अब साकार होने जा रहा है। एयरपोर्ट के निर्माण में कई बाधाएं आईं, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हाड़ौती क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों से बातचीत के दौरान अक्सर एयरपोर्ट की कमी सामने आती थी, जिसके कारण निवेशक पीछे हट जाते थे। वर्ष 2027 में एयरपोर्ट बनने के बाद कोटा विकास की नई इबारत लिखेगा और यहां उद्योगों के साथ आईटी सेक्टर भी तेजी से विकसित होगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कोटा अब रेल और सड़क के साथ-साथ हवाई मार्ग से भी जुड़ने जा रहा है। यहां पानी की प्रचुर उपलब्धता है और आने वाले समय में कोटा शिक्षा के साथ-साथ उद्योग और उद्यम के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। कनेक्टिविटी बढ़ने से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और देशभर से लोग कोटा पहुंचेंगे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने कहा कि एयरपोर्ट बनने के बाद कोटा की रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी पूरे देश से मजबूत हो जाएगी। लगभग 440 हेक्टेयर क्षेत्र में 3200 मीटर लंबे रनवे के साथ 1507 करोड़ रुपये की लागत से इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के शुरू होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और कोटा में पर्यटन, शिक्षा तथा उद्योग सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास होगा।

गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाने पर कांग्रेस का हमला, भाजपा पर वादा तोड़ने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने घरेलू और कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी झेल रही जनता पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ डालते हुए केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान दिल्लीवासियों को 500 रुपये में सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा करने के बजाय एक वर्ष में ही सिलेंडर के दाम 110 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ा दिए गए। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछली बार 7 अप्रैल को घरेलू सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि की गई थी। इसी तरह केंद्र सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में भी वर्ष 2026 में 1 जनवरी, 1 फरवरी, 1 मार्च और 7 मार्च तक कुल 307 रुपये की बढ़ोतरी की है। इसके बाद राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1883 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि कमरतोड़ महंगाई और एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने महिलाओं की रसोई का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। उनका आरोप है कि महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होने के बावजूद दिल्ली की महिलाओं की रसोई पर लगातार आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार द्वारा खत्म की गई गैस सब्सिडी को दिल्ली में तुरंत लागू किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। देवेन्द्र यादव ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि केंद्र सरकार की विदेश नीति और आर्थिक प्रबंधन की कमजोरियों का परिणाम है। उनका कहना है कि सरकार के फैसलों का बोझ सीधे आम जनता पर पड़ रहा है और आने वाले समय में पेट्रोल, डीजल, अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा खाद्य पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान-इजरायल युद्ध के बाद गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ाना सरकार की कमजोर आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। उनके अनुसार यदि सरकार दावा कर रही है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, तो फिर अचानक कीमतें बढ़ाने की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि कहीं युद्ध की आड़ में तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश तो नहीं की जा रही, जबकि अगले कुछ महीनों में कई राज्यों में चुनाव भी होने वाले हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ट्रैफिक पुलिस का जागरूकता कार्यक्रम, 150 महिलाओं ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क में शनिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के बीच यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का आयोजन सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वैल्यू लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) सत्यवीर कटारा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा एसीपी ट्रैफिक मुख्यालय प्रवीण कुमार, इंस्पेक्टर मंजू सिंह (टीआई/रोड सेफ्टी सेल), सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के मार्केटिंग डिवीजन हेड सचिन बलियान और वैल्यू लाइफ फाउंडेशन की संस्थापक श्रुति अधव भी उपस्थित रहीं।

अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की भूमिका परिवार और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण होती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में सुरक्षित और जिम्मेदार सड़क उपयोग की संस्कृति विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में करीब 150 महिलाओं ने हिस्सा लिया। जिनमें दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की महिला कर्मी, विभिन्न कॉलेजों की छात्राएं और शिक्षिकाएं शामिल थीं। इस दौरान महिलाओं को सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में रोचक और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रोड सेफ्टी क्विज, स्पिन व्हील गेम और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके जरिए प्रतिभागियों को सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया।

इन गतिविधियों में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली पुलिस ऑर्केस्ट्रा बैंड ने भी प्रस्तुति दी, जिसने पूरे माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इसके अलावा प्रतिभागियों के लिए मेहंदी, सेल्फी प्वाइंट और अन्य मनोरंजक व्यवस्थाएं भी की गईं, जिससे कार्यक्रम में उत्सव जैसा माहौल रहा। इस अवसर पर सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के सीएसआर विंग की ओर से प्रतिभागियों को उपहार भी दिए गए। वहीं, क्विज और अन्य गतिविधियों में जीतने वाली प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, डीएम ने किया लोनी तहसील का निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। डीएम रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन एवं अध्यक्षता में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 165 शिकायतें प्राप्त हुई हुए मौके पर 14 शिकायतों का निस्तारण किया गया। डीएम ने इसके अलावा लोनी तहसील का निरीक्षण भी किया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 33 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 5 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी, एसीपी लोनी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 33 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 6 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एडीएम सदर सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। एडीएम एलए अवनीश सिंह की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

किया गया। इस दौरान 99 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 3 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम मोदीनगर, एसडीएम जे, एसीपी मोदीनगर, नायब तहसीलदार, सहित अन्य विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। तीनों तहसीलों में 165 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 14 शिकायतों का निस्तारण हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी ने लोनी तहसील का निरीक्षण करते हुए एसडीएम लोनी सहित सम्बंधित कार्यालयध्यक्षों को कार्यों में विकासात्मक एवं साकारात्मक सुधारों हेतु निर्देशित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : एसीपी उपासना पाण्डेय ने मिशन शक्ति टीम के साथ महिलाओं को किया जागरूक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को जागरूक करने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आगामी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर थाना विजयनगर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त उपासना पाण्डेय ने मिशन शक्ति टीम के साथ महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान उन्हें उनके अधिकारों के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई। खास बात यह है कि यह कार्यक्रम परम सेवा संस्थान ने आयोजित किया था। इसी कड़ी में कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों, आत्मरक्षा के महत्व, हेल्पलाइन नंबरों, कानूनी प्रावधानों तथा पुलिस द्वारा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। इस अभियान के तहत महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाते हुए उन्हें सामाजिक व कानूनी रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। उन्हें कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि शिक्षा के महत्व बहुत ही ज्यादा जरूरी है। महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। किसी भी तरह की घटना होने पर पुलिस हेल्पलाइन नंबर या फिर नजदीकी पुलिस स्टेशन पर सूचना देनी चाहिए। सूचना मिलते ही पुलिस त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला अपराधों में कमी लाने का प्रयास करेगी। किसी भी महिला को अपने साथी हुई गंभीर घटना को छुपाना नहीं चाहिए, ऐसा करने से अपराधियों का हौसला बढ़ता है और वह किसी दूसरी महिला के साथ हीनियस क्राइम को भी अंजाम दे सकते है। पुलिस महिला संबंधित अपराधों को कम करने के लिए लगातार प्रयासरत है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सिटीजन पुलिसिंग को भी मजबूत किया जा रहा है। मिशन शक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए महिला और छात्राओं का सहयोग बहुत ज्यादा जरूरी है।

पार्टनर ही निकला डॉक्टर का कातिल, 10 लाख की सुपारी देकर कराई थी हत्या

बिजनौर (शिखर समाचार) नगीना थाना क्षेत्र में 5 मार्च को शिवालय हेल्थ केयर के संचालक डॉ. राजकुमार की दिनदहाड़े हुई हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस हत्याकांड की साजिश मृतक के ही पूर्व पार्टनर डॉ. नीरज कुमार ने रची थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी डॉक्टर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि डॉ. राजकुमार और डॉ. नीरज कुमार वर्ष 2018 से गाजियाबाद में एक साथ काम कर रहे थे। वर्ष 2022 में दोनों ने मिलकर सुमित्रा हॉस्पिटल की स्थापना की थी। कुछ समय बाद अस्पताल पर कर्ज बढ़ने लगा और दोनों के बीच आर्थिक मामलों को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने के बाद वर्ष 2024 में डॉ. राजकुमार ने साझेदारी खत्म कर दी और नगीना धामपुर मार्ग पर शिवालय हेल्थ केयर नाम से अपना नया अस्पताल शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार अलग होने के बाद डॉ. राजकुमार का अस्पताल अच्छा चलने लगा, जिससे डॉ. नीरज कुमार के मन में रंजिश पैदा हो गई। इसी रंजिश के चलते उसने अपने पूर्व पार्टनर को रास्ते से हटाने की साजिश रची। एसपी ने बताया कि डॉ. नीरज ने अपने ड्राइवर विकास उर्फ छोटू को डॉ. राजकुमार की हत्या की जिम्मेदारी दी और इसके लिए 10 लाख रुपये की सुपारी तय की। हत्या के लिए हथियार मधी निवासी आर्यन उर्फ राजन से खरीदे गए थे। योजना के तहत 5 मार्च को आरोपी पैथोलॉजी रिपोर्ट दिखाने के बहाने अस्पताल में पहुंचे और

मौका मिलते ही डॉ. राजकुमार पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमों का गठन कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। पूछताछ में पूरी साजिश का खुलासा हो गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी डॉ. नीरज कुमार, ड्राइवर विकास उर्फ छोटू और हथियार उपलब्ध कराने वाले आर्यन उर्फ राजन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा, 32 बोर की पिस्टल तथा सुपारी के तौर पर दिए गए दो लाख रुपये नकद भी बरामद कर लिए गए हैं। एसपी अभिषेक झा ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच भी कर रही है, ताकि इस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का भी पता लगाया जा सके।

मेरठ रेंज में यक्ष ऐप से अपराधियों पर कसेगा शिकंजा, 1.06 लाख अपराधियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार

मेरठ (शिखर समाचार)। आधुनिक तकनीक के माध्यम से अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में मेरठ परिक्षेत्र पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा लॉन्च किए गए यक्ष (YAKSH) ऐप के जरिए मेरठ रेंज में अपराधियों का व्यापक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया गया है। इस ऐप के माध्यम से अब तक रेंज के चार जिलों में 1,06,092 अपराधियों का रिकॉर्ड दर्ज किया जा चुका है, जिनमें से लगभग 70 हजार अपराधियों का सत्यापन भी पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही रेंज के 5863 ग्राम और मोहल्लों का 100 प्रतिशत डेटा भी ऐप में फीड कर दिया गया है, जिससे बीट स्तर पर पुलिस की जवाबदेही तय होने के साथ अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने वर्ष की शुरूआत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेंज के सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों, राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को यक्ष ऐप के उद्देश्य और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा निर्देश दिए थे। निदेर्शों के क्रम में जघन्य और सनसनीखेज अपराधों की रोकथाम के लिए अपराधियों का शत प्रतिशत डेटा ऐप में दर्ज करने तथा उनका नियमित सत्यापन सुनिश्चित करने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

पुलिस के अनुसार मेरठ रेंज में कुल 5863 ग्राम

और मोहल्लों का डेटा ऐप में दर्ज किया गया है। इनमें मेरठ जिले के 2461, बुलंदशहर के 2170, बागपत के 435 और हापुड़ के 797 ग्राम व मोहल्ले शामिल हैं, जिनका फीडिंग प्रतिशत 100 प्रतिशत है।

अपराधियों के डेटा की बात करें तो मेरठ रेंज में अब तक कुल 1,06,092 अपराधियों का विवरण यक्ष ऐप में दर्ज किया गया है। इनमें मेरठ जिले में 42,677 अपराधी, बुलंदशहर में 34,909, बागपत में 10,411 और हापुड़ में 18,095 अपराधियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया है। इनमें से मेरठ में 22,500, बुलंदशहर में 31,300, बागपत में 8,260 और हापुड़ में 7,970 अपराधियों का सत्यापन पूरा किया जा चुका है।

यक्ष ऐप की खास बात यह है कि इसके जरिए किसी भी जिले में अपराध करने वाले अपराधी का रिकॉर्ड दर्ज होते ही संबंधित थाने को तुरंत सूचना मिल जाएगी। इसके साथ ही बीट व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है, जिससे प्रत्येक क्षेत्र के टॉप 10 अपराधियों का चयन पारदर्शी और डेटा आधारित प्रक्रिया से किया जा सकेगा।

ऐप में एआई आधारित फेसियल रिकग्निशन और वॉयस सर्च जैसी सुविधाएं भी शामिल की गई हैं। इन तकनीकों के जरिए संदिग्ध अपराधियों की पहचान करना आसान होगा और अपराधों के खुलासे में तेजी आएगी। यदि कोई अपराधी नाम बदलकर या फरार होकर छिपने की कोशिश करता है तो भी चेहरे के मिलान की तकनीक से उसकी पहचान संभव हो सकेगी।

इसके अलावा किसी जघन्य या सनसनीखेज अपराध की घटना होने पर यक्ष ऐप के डेटाबेस से संभावित अपराधियों की पहचान और उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी तुरंत उपलब्ध हो सकेगी, जिससे पुलिस कार्रवाई और अधिक तेज और प्रभावी हो सकेगी।

डीआईजी कलानिधि नैथानी का कहना है कि यक्ष ऐप स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से अपराधियों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सत्यापन और बीट स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होने से अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

समाधान दिवस में दर्ज हुई 25 शिकायतें, 4 का हुआ निस्तारण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से मौके पर 4 शिकायतों का ही निस्तारण किया जा सका। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि इस मंच के माध्यम से फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उन्हें समय से न्याय मिले। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तय समय के भीतर उनका निस्तारण किया जाए। कार्यक्रम के दौरान कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष 21 शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच कर शीघ्र निस्तारण के लिए भेज दिया गया। समाधान दिवस में मुख्य चिकित्साधिकारी कौशलेंद्र कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी आलोक कुमार, बाल कल्याण अधिकारी रुबी गुप्ता, जिला पंचायत अधिकारी रिजवान, एसडीएम विजय शंकर, एसडीएम व ईओ आशुतोष जायसवाल, तहसीलदार अमरपाल, नायब तहसीलदार अजब सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी तथा क्षेत्र के थानाध्यक्ष मौजूद रहे। समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी ने एमएम इंटर कॉलेज के हॉकी मैदान का निरीक्षण किया, जहां प्रस्तावित मिनी स्टेडियम का निर्माण किया जाना है। इस दौरान उन्होंने मैदान पर मौजूद हॉकी खिलाड़ियों हसन जावेद, अफसार सिद्दीकी, विनोद अग्रवाल, हरप्रीत सिंह और अशोक कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। जिलाधिकारी ने एसडीएम विजय शंकर और नगर पालिका ईओ व न्यायिक एसडीएम आशुतोष जायसवाल को निर्देश दिए कि मिनी स्टेडियम का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें।

पारिवारिक विवाद में युवक ने सास की गोली मारकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार) नहटौर थाना क्षेत्र के गांव फुलसंदा में पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक ने अपनी सास की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया और वारदात में इस्तेमाल किया गया तमंचा भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार गांव गौव निवासी सजल नामक युवक देर रात अपनी पत्नी भावना के साथ मारपीट कर रहा था। शोर सुनकर पास में ही रहने वाली उसकी सास बबली बीच-बचाव करने के लिए वहां पहुंची। इसी दौरान युवक ने अपनी सास के साथ गाली गलौज शुरू कर दी और विवाद बढ़ने पर तमंचे से गोली चला दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने प्रेम विवाह किया था। वह पहले गांव से बाहर रहता था, लेकिन कुछ समय से गांव में ही रह रहा था। बताया जा रहा है कि घर में अक्सर आपसी विवाद होता रहता था, जिसके चलते यह घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार हत्या में प्रयुक्त तमंचा बरामद कर लिया गया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

नगर निगम मुख्यालय पर हुई सदन की बैठक, फिर उठा हाउस टैक्स का मुद्दा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर शनिवार को हुई सदन बैठक में एक बार फिर हाउस टैक्स का मुद्दा उठा है। हाउस टैक्स के इस फैसले पर एक बार फिर पार्षदों ने नाराजगी व्यक्त की है। मुख्यालय पर महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुई सदन बैठक में हाउस टैक्स के मुद्दे पर एक लंबी चर्चा चली। चर्चा में उच्च न्यायालय द्वारा लिए गए हाउस टैक्स वृद्धि के निर्णय को ध्यान में रखते हुए करदाताओं को 77% से 92%की छूट देने का निर्णय लिया गया। 10 साल से पुराने आवासीय भवन पर 25% की छूट और 10 साल से 20 साल पुराने भवन पर उनको 32.5% की छूट। 20 वर्ष अधिक पुराने भवन पर 40% की छूट देने का अधिनियम में प्रावधान है, जिसका सदन में निर्णय लेकर पारित किया गया। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि ऑनलाइन भुगतान करने वाले करदाताओं को 2 प्रतिशत की छूट तथा कचरा पृथक्करण करने वाले घरों को 10% की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल से लागू करने का सदन द्वारा निर्णय लिया गया है। समय की मिलने वाली 20% की छूट को अंतिम निर्णय तक लगातार समय-समय पर आवश्यकता को देखते हुए बढ़ाया जाएगा। बैठक में उपस्थित पार्षदों तथा निगम अधिकारियों द्वारा हाउस टैक्स के दरों को शासन के लिए रेफर करने का निर्णय लिया गया। महापौर सुनीता दयाल व नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने हाउस टैक्स की दर पर पुनः विचार करने के लिए शासन में सदन का प्रस्ताव भेजा जाएगा व वार्ता भी की जाएगी। महापौर निगम अधिकारियों के साथ-साथ अन्य जनप्रतिनिधि भी चर्चा के लिए लखनऊ जाएंगे ।

भास्कर गौतम ने जीता इंस्पायर अवॉर्ड, 10 हजार रुपये का पुरस्कार, यूपी में प्रदर्शित होगा प्रोजेक्ट

हापुड़ (शिखर समाचार) मोदीनगर मार्ग स्थित सरस्वती बाल मंदिर के कक्षा 11 (विज्ञान वर्ग) के छात्र भास्कर गौतम ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इंस्पायर अवॉर्ड 2025-26 जीतकर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। भास्कर गौतम ने प्रतियोगिता में अपना नवाचार आधारित प्रोजेक्ट भेजा था, जिसे संबंधित विभाग द्वारा उत्कृष्ट विचारों में शामिल करते हुए इंस्पायर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विद्यालय के

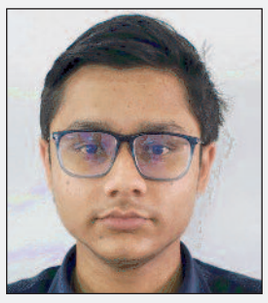

प्रधानाचार्य सुनील शर्मा ने बताया कि नगर के समाजसेवी पं. राजेश गौतम के पुत्र भास्कर गौतम को अपने प्रोजेक्ट को और विकसित करने के लिए भारत सरकार की ओर से 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। साथ ही राज्य स्तर पर उनके प्रोजेक्ट का प्रदर्शन भी किया जाएगा। भास्कर गौतम की इस उपलब्धि पर शिशु एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष संजय कृपाल, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बिजेंद्र माहेश्वरी, प्रबंधक अनिल कुमार अग्रवाल, स्वाति गर्ग, पूनम अग्रवाल, रवींद्र माहेश्वरी, हरीश मित्तल, प्रकाश लोहिया, विजय कृषक, नरेश गर्ग, पदम चंद गर्ग, त्रिलोक चंद, रामशरण कौशल, डॉ. सौरभ गोयल और सचिन एसएम सहित अन्य लोगों ने छात्र को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एलायंस क्लब हापुड़ सर्वोत्म के तत्वावधान में नि:शुल्क दंत उपचार शिविर आयोजित

हापुड़ (शिखर समाचार) एलायंस क्लब हापुड़ सर्वोत्म के तत्वावधान में सिटी प्लाजा में निःशुल्क दंत उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 155 लोगों के दांतों की एक्स-रे द्वारा जांच की गई तथा उन्हें उचित परामर्श और उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. अंकित गुप्ता ने कहा कि समय समय पर दांतों की जांच कराना अत्यंत आवश्यक है। दांत हमारे स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी अनदेखी कई गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से ब्रश करने, संतुलित आहार लेने और समय समय पर दंत चिकित्सक से जांच कराने की अपील की। क्लब अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने कहा कि एलायंस क्लब समाज सेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय है और स्वास्थ्य से जुड़े ऐसे शिविर लोगों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होते हैं। क्लब का प्रयास रहता है कि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके। सचिव माधव बंसल एवं कोषाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से क्लब समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है और भविष्य में भी विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा। इंटरनेशनल चेयरमैन डॉ. अनिल बाजपेई एवं मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन अजय बंसल ने कहा कि एलायंस क्लब की पहचान सेवा, समर्पण और मानवता के कार्यों से है। इस प्रकार के चिकित्सा शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और आगे भी क्लब जनसेवा के ऐसे कार्य निरंतर करता रहेगा। संरक्षक महावीर वर्मा और राकेश माहेश्वरी ने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ती है और जरूरतमंद लोगों को राहत मिलती है, इसलिए ऐसे आयोजन समय समय पर होते रहना चाहिए। इस अवसर पर सुनील गोयल, अनिल स्वामी, डॉ. राजेश्वर सिंह, ललित गोयल, लोकेश छावनी वाले, विनीत, रविंदर सिंघल, प्रमोद जिंदल, दिनेश माहेश्वरी, विनोद गुप्ता और सुनील शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा।

अस्पताल में भर्ती मरीज के बंद मकान में लाखों की चोर

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में चोरों ने अस्पताल में भर्ती एक मरीज के बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ के गांव उपेड़ा निवासी वेद प्रकाश की देर रात अचानक तबीयत खराब हो गई। परिजन मकान पर ताला लगाकर उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर चले गए। इसी दौरान देर रात चोरों ने मौका पाकर मकान का ताला तोड़

दिया और घर के अंदर घुस गए। चोर घर में रखे करीब 10 लाख रुपए के जेवरात, नगदी तथा अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। शुक्रवार सुबह जब परिजन घर लौटे तो मकान का ताला टूटा मिला और घर का सामान बिखरा पड़ा था। चोरी की जानकारी होते ही परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप सिंह ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गढ़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई : लिफ्ट देकर लूट करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने क्षेत्र में एक दिन पूर्व मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देकर लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट का सामान, नगदी, मोबाइल फोन और अवैध असलहा भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुभान उर्फ पठान निवासी ग्राम रतुपुरा थाना सिम्भावली जनपद हापुड़ और समीर निवासी ग्राम अठसेनी थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों ने मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने के बहाने पीड़ित से लूट की घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 3,500 रुपये नकद, एक घड़ी, ईयरफोन, आधार कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अवैध असलहा भी पुलिस ने बरामद किया है।

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजीव कुमार, उपनिरीक्षक राहुल, उपनिरीक्षक लोकेश कुमार सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर की पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

आलू-सरसों के बाद किसान कर लें ये फसल, पशुओं के लिए चारे की नहीं होगी कमी

65 से 75 दिन में बंपर होगी कमाई

आगरा, एजेंसी। आलू और सरसों की कटाई के बाद खाली पड़े खेतों में किसान ग्रीष्मकालीन बाजरे की बुवाई कर अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। यह फसल कम लागत और कम समय में 30-40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन दे सकती है। जनपद में आलू और सरसों की फसल कटने के बाद मार्च में अधिकांश खेत खाली हो जाते हैं। ऐसे में किसान सिंचाई की सुविधा होने पर ग्रीष्मकालीन बाजरा की बुवाई कर सकते हैं। यह फसल 65 से 75 दिनों में तैयार होकर अतिरिक्त आय देती है। आरबीएस कॉलेज कृषि संकाय के प्रोफेसर राजवीर सिंह के अनुसार, ग्रीष्मकालीन बाजरा कम अवधि और लागत में अछी पैदावार देता है। यह जलवायु

परिवर्तन की परिस्थितियों में एक सुरक्षित विकल्प है। खरीफ में बाजरा बारिश, जलभराव और कीट-रोगों से प्रभावित होता है। गर्मियों में सिंचाई से नमी का संतुलन बनाए रखना आसान होता है। इससे फसल की बढ़वार समान रहती है और दाना भराव बेहतर होता है। इस मौसम में कीट-रोग और खरपतवार का प्रकोप भी कम रहता है। यह फसल 30-40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन दे सकती है। संवाद

फसल प्रबंधन और किस्में

बुवाई 15 मार्च तक करना उपयुक्त है जिसमें बीज दर 5-7 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेंटीमीटर उचित है। बीज उपचार के बाद 20-25 दिन बाद निराई-गुड़ाई करें। मृदा परीक्षण के आधार पर 80 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फॉस्फोरस और 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। 10-15 दिन के अंतराल पर सिंचाई लाभकारी रहेगी। संकर किस्मों में टीजी-37, आर-2008, आर-9251, डीएच-86, एएम-52, पीवी-180, प्रोएग्रो-9555, प्रोएग्रो-9444 और नंदी-72 प्रमुख हैं। संकुल किस्मों में पूसा कम्पोजिट-383, राज-171 और आईसीटीपी-8203 अछी मानी जाती हैं।

धरमपुर में 19.5 बीघा अवैध प्लॉटिंग जमींदोज; पक्के मकानों पर भी चला बुलडोजर

ग` खोदकर बंद किए रास्ते

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में केडीए ने शुक्रवार को क्षेत्र एक-बी के ग्राम धरमपुर में 19.5 बीघा अवैध प्लॉटिंग और पक्के मकान ध्वस्त किए। यह कार्रवाई केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देशन में हुई। विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रवर्तन दस्ता

मौके पर पहुंचा। दबंगों ने तीन साइटों पर बिना तलपट मानचित्र स्वीकृति के अवैध प्लॉटिंग विकसित की थी। टीम ने तीन जेसीबी मशीनों से सड़क, नाला, बाउंड्री, पिलर और बिजली के खंभे गिराए। निर्मित व अर्धनिर्मित भवनों को भी ध्वस्त किया गया। अवैध साइटों के प्रवेश मार्गों को गहरा खोदकर बंद कर दिया गया। पन्ना लाल, मेसर्स मां डेवलपर्स और सुनील कुमार सहित कई लोगों की प्लॉटिंग ध्वस्त हुई। विशेष कार्याधिकारी ने लोगों से स्वीकृत कॉलोनियों में ही प्लॉट खरीदने की अपील की।

कानपुर मंडल के होनहारों का जलवा

कानपुर , एजेंसी। यूपीएससी 2025 के परिणामों में कानपुर मंडल के अभ्यर्थियों ने परचम लहराया, जिसमें फतेहपुर की शांभवी तिवारी ने बिना कोचिंग ऑल इंडिया 46वीं रैंक हासिल की। हमीरपुर, हरदोई, उन्नाव और फर्रुखाबाद के होनहारों ने भी शानदार रैंक प्राप्त कर अपने परिवारों और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

कानपुर में सिविल सेवा परीक्षा 2025 के फाइनल रिजल्ट शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। इसमें फतेहपुर कन्नीज, हमीरपुर, उन्नाव, फर्रुखाबाद और हरदोई के अभ्यर्थियों ने शानदार सफलता हासिल की है। फतेहपुर के मौजमाबाद गांव की बेटी शांभवी तिवारी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर ऑल इंडिया 46वीं रैंक हासिल की है। शांभवी तिवारी के पिता सुशील कुमार तिवारी और मां निवेदिता तिवारी उत्तराखंड में शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। शांभवी ने इससे पहले वर्ष 2024 में भी सिविल सेवा परीक्षा में 464वीं रैंक हासिल की थी, जिसके बाद उनका चयन रेलवे सेवा में हुआ था। शांभवी ने पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय से हाईस्कूल से लेकर बीटेक तक की पढ़ाई की। उन्होंने घर पर रहकर, बिना किसी कोचिंग के दूसरे प्रयास में यह प्रतिष्ठित परीक्षा पास की। पिछले एक वर्ष से वह घर पर प्रतिदिन आठ घंटे पढ़ाई करती थीं। उन्होंने ई-पुस्तकों का सहारा लिया और मोबाइल फोन का उपयोग केवल तैयारी तक सीमित रखा।

कड़ी मेहनत से मिली मंजिल- शांभवी ने युवा छात्र-छात्राओं को लगन और समर्पण से तैयारी करने के लिए के प्रेरित किया। हमीरपुर राठ के ब्रह्मानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र के सिंह के बेटे डॉ. यशवर्धन सिंह का यूपीएससी में चयन हुआ है। उन्होंने 212 रैंक हासिल की है। इसी तरह इत्रनगरी के प्रांजल ने पहले ही प्रयास में 250वां स्थान प्राप्त किया है। फर्रुखाबाद के नवाबगंज के शिक्षिका के बेटे आकर्ष कुमार यादव को 524वीं रैंक हासिल हुई है। वह तीन साल से दिल्ली में रहकर तैयारी कर रहे थे।

हमीरपुर, हरदोई और उन्नाव के लाल भी चमके- हरदोई के मल्लावां विकास खंड के काजीपुर निवासी योगेंद्र कुमार सिंह को 286वीं रैंक हासिल हुई है। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित कोटे के क्रम में उन्हें आईएएस मिलना तय है। उन्हें छठवें प्रयास में सफलता मिली है। योगेंद्र के पिता किसान हैं, जबकि मां परिषदीय विद्यालय में सहायक अध्यापिका हैं। इसी तरह उन्नाव के गौरव प्रताप सिंह को 317 और अमन वर्मा को 505वीं रैंक हासिल हुई है। गौरव के पिता रेलवे में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर मध्य प्रदेश में कार्यरत हैं, जबकि अमन के पिता रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर हैं।

किसान के बेटे से लेकर शिक्षक की बेटी तक ने रचा इतिहास

बंदूक दिखाकर लूट करने वाले तीन बदमाशों को वेव सिटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम नगर जोन और थाना वेव सिटी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऐसे तीन लुटेरे राज राजपूत, दर्शन और अजय को गिरफ्तार करने का दावा किया है, जो बंदूक दिखाकर हाईवे पर लूट की वारदात को अंजाम दिया करते है। यह तीनों हाईवे पर अकेली सवारी को चिन्हित करके लूट की वारदात किया करते हैं। यह तीनों लूट, छिनैती और वाहन चोरी करने की घटना में माहिर है। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटी गई टाटा नेक्सॉन कार, चोरी की मोटरसाइकिल, एक जोड़ी कुंडल और 315 बोर का देशी तमंचा मय दो जिंदा कारतूस बरामद किए। संवाददाता सम्मेलन में एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाईवे पर यात्रियों को चिन्हित कर लूट करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। यह तीनों हाईवे के पास खड़ी सवारी या लोगों को चिन्हित कर लूट की वारदात अंजाम देते हैं। इनके गिरफ्तार होने से थाना वेव सिटी में हाल के दिनों में में हुई तीन अलग-अलग घटनाओं का खुलासा हुआ है। इनके पास से घटनाओं से संबंधित सामान भी बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि बीती 18 फरवरी 2026 को गुर्जरगढ़ी निवासी पवन बंसल की भाभी के कानों से बाइक सवार बदमाश कुंडल छीनकर फरार हो गए थे। 26 फरवरी 2026 को राजकम्पाउंड निवासी शिवम कुमार झा की टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। इसके अलावा 4 मार्च 2026 को फरीदाबाद निवासी किसलय कुमार से बदमाशों ने तमंचा दिखाकर टाटा नेक्सॉन कार और मोबाइल फोन लूट लिया था। इन घटनाओं के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। स्वाट टीम और वेव सिटी पुलिस ने बम्हेटा से गिरधरपुर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के दौरान इन्हें गिरफ्तार किया। इन तीनों ने पुलिस पूछताछ के दौरान घटनाओं को कबूल भी किया है।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ऑपरेशन शस्त्र अभियान में कार सवार युवक अवैध देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। जनपद में अपराध की रोकथाम और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कार सवार युवक को अवैध देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में चल रही नियमित चेकिंग के दौरान संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें युवक के पास से अवैध देसी पिस्टल बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तार युवक ने पूछताछ में अपना नाम प्रिंस निवासी ग्राम करीमपुर, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ बताया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक हेमेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक शिवम सिंह, उपनिरीक्षक प्रियंशु कुमार सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर की पुलिस टीम शामिल रही।

सैंपल की दवाएं भी नकली!

औषधि विभाग ने इन नामी कंपनियों को दिया नोटिस, 3.20 लाख की दवाइयां हुई थीं बरामद

आगरा, एजेंसी। आगरा के फव्वारा स्थित माहेश्वरी कॉम्प्लेक्स से बरामद 3.20 लाख रुपये की सैंपल दवाओं के नकली होने की आशंका जताई गई है। औषधि विभाग ने कंपनियों को नोटिस भेजकर रिकॉर्ड मांगा है और दवाओं की विशेष लैब में जांच कराई जा रही है।

आगरा के फव्वारा स्थित माहेश्वरी कॉम्प्लेक्स से जब्त सैंपल दवाएं नकली होने की आशंका है। ऐसे में औषधि विभाग इनकी जांच विशेष लैब में करा रहा है। कंपनियों को भी नोटिस भेजकर इन दवाओं के रिकॉर्ड तलब किए गए हैं।

सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि लखनऊ मुख्यालय की टीम ने 22 फरवरी को फव्वारा स्थित माहेश्वरी कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल की गैलरी में छह कार्टन लावारिस हॉल में मिले थे। इनको खोलने पर एंटीबायोटिक, पेट दर्द, लिवर, सांस-अस्थमा रोग की 55 तरह की दवाएं मिलीं, जिसमें 54 तरह की दवाएं फिजिशियन सैंपल की थीं। बिना सैंपल की स्पासमो प्रॉक्सीवॉन प्लस टैबलेट मिलीं। इनकी कीमत 3.20 लाख रुपये है।

इनमें बोकार्ड लिमिटेड, एरिस्टो फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, जीएस फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, खंडेलवाल लैबोरेटरी और मैक्लॉइटस फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की दवाएं थीं। इनके नकली होने की भी आशंका है, ऐसे में इनकी जांच कराई जा रही है। कंपनियों को नोटिस देकर इन दवाओं के बारे में जानकारी मांगी है।

छह मेडिकल स्टोरों की चल रही है जांच

औषधि विभाग की टीम ने छह मेडिकल स्टोरों पर छापा मारकर विभिन्न दवाओं के 20 नमूने लिए थे। इनकी भी नकली होने की आशंका पर जांच कराई जा रही है। सहायक आयुक्त औषधि ने बताया कि न्यू भगवती मेडिकल एजेंसी, राजधानी ड्रग हाउस, ओम ड्रग हाउस, भगवती ड्रग सेंटर, तनु मेडिकल एजेंसी, विश्वनाथ फार्मा की भी जांच चल रही है। इनके संचालकों ने दवाओं की खरीद-बिक्री के अधूरे बिल दिखाए हैं। जांच अभी चल रही है। दवाओं की जांच में फेल मिलने पर केस दर्ज कराया जाएगा।

खाड़ी देशों में जंग का असरः बंदरगाह और बीच रास्ते में फंसे हैं कंटेनर

जूता कारोबार ठप; बादाम-पिस्ता हुए महंगे

आगरा, एजेंसी। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का असर आगरा के जूता कारोबार और बाजार पर दिखने लगा है। करीब 1000 कंटेनर फंस गए हैं, नए ऑर्डर रुक गए हैं और बादाम-पिस्ता जैसे ड्राईफ्रूट के दाम भी तेजी से बढ़ गए हैं।

खाड़ी देशों में चल रही जंग का कारोबार पर भी असर दिख रहा है। 1000 कंटेनर फंसे हुए हैं, तो नए ऑर्डर स्थगित हो गए हैं। ड्राईफ्रूट और अन्य सामान भी महंगे हो गए हैं। कारोबारियों का मानना है कि युद्ध लंबा खिंचा तो स्थिति और विकराल हो सकती है।

द आगरा शू फैक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने बताया कि आगरा से करीब 2500 करोड़ रुपये का खाड़ी और यूरोप देशों में जूतों का निर्यात होता है। बहरीन, कतर, कुवैत, यूएई और सऊदी अरब में भी भारी मात्रा में जूते भेजे जाते हैं। युद्ध के कारण जूतों के 700 कंटेनर से लदे जहाज बीच रास्ते में ही फंसे हुए हैं, तो 250 से अधिक कंटेनर मुंबई बंदरगाह और ट्रांसपोर्ट कंपनियों के गोदाम में रखे हुए हैं। नए ऑर्डर भी स्थगित हो गए हैं। फैक्टरी में भी जूतों का निर्माण कार्य कम कर दिया गया है। कोषाध्यक्ष दिलप्रीत सिंह सचदेवा ने बताया कि ईद को देखते हुए 50 फीसदी माल यादा भेजते हैं। ये रास्ते में फंसे हुए हैं। सरकार से उम्मीद है, इसका समाधान निकालेगी।

बादाम, पिस्ता और केसर हुई महंगी

चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के मंत्री अशोक लालवानी ने बताया कि मामरा बादाम के बीते एक सप्ताह में 3500 रुपये प्रतिकिलो का भाव हैं। नमकीन पिस्ता 200 से बढ़कर 1200 रुपये किलो हो गया है।

केसर में 1.80 लाख रुपये प्रति किलो के दाम हैं। यूएई से खजूर आता है, इसमें भी 30 रुपये प्रतिकिलो के दाम बढ़कर 380 रुपये किलो का भाव है।

यूपीएससी में 403वीं रैंक पाकर काजल चौहान ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

कांधला/शामली (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव चढ़ाव निवासी काजल चौहान पुत्री नफे सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा में 403वीं रैंक प्राप्त कर अपने परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। काजल की इस उपलब्धि से गांव चढ़ाव सहित आसपास के क्षेत्रों में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों द्वारा काजल और उनके परिजनों को लगातार बधाइयां दी जा रही हैं।

शनिवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं एमएलसी विरेन्द्र सिंह और सदर विधायक प्रसन्न चौधरी चढ़ाव स्थित काजल चौहान के आवास पर पहुंचे और उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने काजल को यूपीएससी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि काजल की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यदि छात्र छात्राएं लगन, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ पढ़ाई करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास और कठिन परिश्रम आवश्यक है। काजल चौहान की सफलता यह साबित करती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद भी कड़ी मेहनत के दम पर बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। काजल की इस उपलब्धि से पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि काजल ने अपने अथक परिश्रम, लगन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो क्षेत्र की बेटियों के लिए एक मिसाल है।

इस अवसर पर काजल चौहान के पिता नफे सिंह सहित पूर्व प्रधान संजीव चौधरी, राजपाल चौहान, तहेन्दर प्रधान, दिग्विजय सिंह, पूर्व प्रधान चरण सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने काजल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षिकाओं ने किया जागरूकता कार्यक्रम

शामली (शिखर समाचार) शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षिकाओं द्वारा कार्यक्रम का आयोजन कर महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरस्वती शिशु वाटिका की प्रधानाचार्य पल्लवी ऐरन ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

शिक्षिका सविता गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और जिस भी क्षेत्र में वे कार्य कर रही हैं, उसे पूरी ईमानदारी और परिश्रम के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर स्वाति जैन, लक्ष्मी गर्ग, प्रीति शर्मा, रिचा संगल, बिंदिया बिंदल, रितु शर्मा, इना गर्ग और मीनाक्षी शर्मा उपस्थित रहीं।

नोएडा स्टेडियम में विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) नोएडा विधानसभा क्षेत्र के नोएडा स्टेडियम में खेल विभाग एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से विभिन्न आयु वर्ग के बालक बालिका खिलाड़ियों के लिए विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद महेश शर्मा और नोएडा विधायक पंकज सिंह ने किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, कार्यक्रम संयोजक संजय बाली, जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रवेज अली तथा जिला युवा कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी, कोच और खिलाड़ी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल, जूडो, भारत्तोलन, बैडमिंटन और फुटबॉल सहित कुल आठ खेल विधाओं का आयोजन किया गया। सब जूनियर वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज सेक्टर-12 की टीम विजेता रही। जूडो प्रतियोगिता में 28 किग्रा वर्ग में प्रशस्ति, 32 किग्रा वर्ग में काम्या शर्मा और 40 किग्रा वर्ग में मानसी यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालक वर्ग में युग और बालिका वर्ग में देवासी ने पहला स्थान हासिल किया। कुश्ती प्रतियोगिता में 45 किग्रा वर्ग में कृष्णा तथा 51 किग्रा वर्ग में कृष्ण शर्मा ने जीत दर्ज की। वहीं एथलेटिक्स में बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में लक्की और बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में आन्या प्रथम रही।

जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि 8 मार्च को सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन भी नोएडा स्टेडियम में किया जाएगा, जिसमें जेवर, खुर्जा, सिकंदराबाद, नोएडा और दादरी विधानसभा क्षेत्रों के विजेता खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस, 127 शिकायतें दर्ज, 12 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी और सदर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने जनसमस्याओं को सुना और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। तीनों तहसीलों में कुल 127 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए भेज दिया गया। तहसील जेवर में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का स्थलीय सत्यापन कर निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, पुलिस विभाग के अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में तहसील दादरी में अपर जिलाधिकारी भू-अर्जन बच्चू सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 86 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 7 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 6 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शेष शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बी पैक्स पुरमाफी में सभापति अमित कुमार व उपसभापति संजीव कुमार निर्विरोध निर्वाचित

शामली (शिखर समाचार)। बहुउद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी पैक्स) पुरमाफी के संचालक, सभापति और उपसभापति पदों के लिए शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हो गया। चुनाव प्रक्रिया के तहत तीन पदों पर मतदान कराया गया, जबकि छह पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। सभापति पद पर अमित कुमार और उपसभापति पद पर संजीव कुमार को निर्विरोध चुना गया।

निर्वाचन अधिकारी अर्पण मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति के संचालक पदों के लिए 26 फरवरी को नामांकन प्रक्रिया पूरी कराई गई थी। इसके बाद 28 फरवरी को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए, जबकि 6 मार्च को मतदान कराया गया। संचालक पद के लिए विभिन्न गांवों से चुने गए प्रतिनिधियों में ताना गांव से रविन्द्र पुत्र सेवाराम, चोंदाहेड़ी से ईश्वर पुत्र सुखीर, नोनांगली से मंजू देवी पत्नी कंवरपाल, पुरमाफी से अमित कुमार पुत्र सतबीर, पुरमाफी द्वितीय से राखी पत्नी अमित कुमार, पेलखा से अजय कुमार पुत्र सतपाल, मालैंडी से संजीव पुत्र मलखान, मालैंडी द्वितीय से वीरेन्द्र पुत्र श्रीचंद तथा सिंभालका से राजेन्द्र पुत्र रूला को निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार ताना, सिंभालका और पेलखा गांवों में संचालक पद के लिए मतदान कराया गया, जबकि अन्य छह पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

शनिवार को सभापति और उपसभापति पदों के लिए नामांकन कराया गया, जिसमें अमित कुमार और संजीव कुमार ने ही नामांकन पत्र दाखिल किए। अन्य किसी उम्मीदवार द्वारा नामांकन न किए जाने के कारण दोनों को क्रमशः सभापति और उपसभापति पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। निर्वाचन अधिकारी अर्पण मलिक और सहायक निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार ने सभी निर्वाचित संचालकों, सभापति और उपसभापति को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इसके बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मनोज चेयरमैन मालैंडी, देवेन्द्र, जयराज प्रधान, अशोक मुखिया, मनोज प्रधान सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मंडलायुक्त ने खतौली में निरीक्षण के साथ समाधान दिवस में सुनीं समस्याएं

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) शनिवार को स्थानीय तहसील सभागार में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे सहारनपुर मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और तहसील व नगर पालिका परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया। तहसील पहुंचने पर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। मंडलायुक्त के आगमन की पूर्व सूचना मिलने के कारण तहसील व नगर पालिका में पहले से ही तैयारियां कर ली गई थीं।

गार्ड ऑफ ऑनर के बाद मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा के साथ खतौली तहसील का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारी से जानकारी लेते हुए तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी फरियादी की समस्या पर तुरंत ध्यान दिया जाए और उसका समयबद्ध समाधान किया जाए। इसके बाद मंडलायुक्त नगर पालिका परिषद पहुंचे, जहां उन्होंने निरीक्षण करते हुए ईओ व अन्य विभागीय अधिकारियों से जानकारी लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू, अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार, कर्मचारी यूनियन के सुधीर धामा सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों से भी बातचीत की। समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त के साथ एडीएम फाइनेंस, सीडीओ, डीएम, एसडीएम, बीडीओ तथा नगर पालिका के ईओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रायपुर बांगर में बनेगा घना मियावाकी वन, एक लाख देसी पौधों से विकसित होगा हरित क्षेत्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। तेजी से शहरीकरण के बीच पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने रायपुर बांगर के पास बड़े वन क्षेत्र को विकसित करने की पहल की है। प्राधिकरण की ओर से पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और कैच फाउंडेशन के सहयोग से सीएसआर फंड के माध्यम से यहां मियावाकी पद्धति से एक लाख देसी पौधे लगाए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शुभारंभ शनिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने पौधरोपण कर किया।

प्राधिकरण द्वारा रायपुर बांगर में ग्रीन बेल्ट की भूमि उपलब्ध कराई गई है, जहां उच्च घनत्व वाले शहरी वन के रूप में इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक (उद्यान) अजीत भाई पटेल ने बताया कि आसपास के औद्योगिक क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए इस ग्रीन बेल्ट को तैयार किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा और क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में मियावाकी पद्धति का उपयोग किया जा रहा है, जो शहरी क्षेत्रों में कम जगह में अधिक घनत्व वाले देशी वनों के विकास के लिए प्रभावी तकनीक मानी जाती है। इस पद्धति में मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने, विभिन्न स्वदेशी प्रजातियों के पौधों को पास-पास लगाने और बहुस्तरीय वनस्पति तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे वन तेजी से विकसित होता है और कुछ ही वर्षों में घने हरित पारिस्थितिकी तंत्र का रूप ले लेता है।

कैच फाउंडेशन इस वृक्षारोपण परियोजना के रखरखाव और निगरानी की जिम्मेदारी अगले तीन वर्षों तक संभालेगा। इस दौरान पौधों की नियमित सिंचाई, मिट्टी का पोषण, मल्चिंग, पौधों के जीवित रहने की निगरानी तथा जहां पौधे नष्ट हो जाएंगे वहां नए पौधे लगाने जैसे कार्य किए जाएंगे, ताकि यह क्षेत्र आत्मनिर्भर और घने वन के रूप में विकसित हो सके।

विशेषज्ञों के अनुसार मियावाकी वन पारंपरिक वृक्षारोपण की तुलना में काफी तेजी से बढ़ते हैं और कुछ ही वर्षों में घने हरित क्षेत्र के रूप में विकसित हो जाते हैं। ऐसे वन वायु गुणवत्ता सुधारने, जैव विविधता बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य बहाल करने, शहरी तापमान कम करने और कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पहल तेजी से शहरी विस्तार वाले क्षेत्रों में जलवायु अनुकूलन और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन की दिशा में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों की बढ़ती भूमिका को भी दर्शाती है। कॉरपोरेट संस्थानों, स्थानीय प्रशासन और पर्यावरण संगठनों के सहयोग से इस प्रकार की परियोजनाएं न केवल पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करती हैं, बल्कि शहरों के लिए दीर्घकालिक हरित संपदा भी तैयार करती हैं। इस दौरान पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस की ओर से सतीश कुमार सिंह (मुख्य मानव संसाधन अधिकारी), वीना कामत (कंपनी सचिव), आईटी प्रमुख अनुभव राजपूत तथा कैच फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष भरत सिसोदिया सहित अन्य लोग वृक्षारोपण अभियान में उपस्थित रहे।

यूपीएससी में ऑल इंडिया 9वीं रैंक लाने पर आस्था जैन को मिल रहीं बधाइयाँ, घर पर दूसरे दिन भी लगा शुभकामनाओं का तांता

कांधला/शामली (शिखर समाचार) संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया टॉप 10 में स्थान बनाने वाली कांधला की आस्था जैन को प्रदेश की कई राजनीतिक हस्तियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। वहीं आस्था जैन के आवास पर दूसरे दिन भी नगर की विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी पहुंचकर उनके परिजनों को बधाई देते रहे। आस्था की इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे नगर में खुशी का माहौल बना हुआ है। शुक्रवार को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद आस्था जैन ने अपनी माता ममता जैन को फोन कर अपनी सफलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने पूरे देश में 9वां स्थान प्राप्त किया है। यह सुनते ही परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आस्था ने जहां देश में 9वीं रैंक हासिल की, वहीं प्रदेश में वह प्रथम स्थान पर रहीं। आस्था जैन की इस सफलता पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक, चरथावल विधायक पंकज मलिक, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु गुर्जर, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा तथा कांधला के पालिकाध्यक्ष नजमुल इस्लाम सहित कई राजनीतिक हस्तियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उधर नगर में व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री ईश्वर दयाल कंसल, नगर महामंत्री श्रीकांत जैन, युवा अध्यक्ष सचिन गोयल, व्यापार मंडल के युवा प्रदेश अध्यक्ष रोहित गुप्ता सहित टीम कांधला विकास मंच, रामलीला कमेटी मंडप पंचवटी, रामलीला कमेटी पंजाबी धर्मशाला, श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा तथा श्री दिगम्बर जैन मंदिर से जुड़े पदाधिकारियों और अन्य सामाजिक-धार्मिक संगठनों के लोगों ने आस्था जैन के आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों को बधाई दी। आस्था की उपलब्धि से पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है।

ट्रेनिंग के दौरान साथियों ने केक काटकर मनाया जश्न

वर्तमान में आस्था जैन हैदराबाद में आईपीएस की ट्रेनिंग पूरी कर रही हैं। उनके ऑल इंडिया में 9वीं रैंक प्राप्त करने की खबर मिलते ही वहां ट्रेनिंग कर रहे उनके साथियों में भी खुशी की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को ट्रेनिंग पूरी होने के बाद साथियों ने केक काटकर जश्न मनाया और आस्था को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने फोन पर आस्था जैन के पिता अजय कुमार जैन से बातचीत कर उन्हें बेटी की सफलता पर बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आस्था से भी बात करने की इच्छा जताई, लेकिन उस समय आस्था ट्रेनिंग क्लास में होने के कारण उनसे बातचीत नहीं हो सकी। इस पर राज्यमंत्री ने परिवार को पुनः बिटिया की सफलता पर शुभकामनाएं दीं।

कार सवार युवक से मारपीट का मामला, पीड़ित ने लगाया लूटपाट व अपहरण का आरोप

रबूपुरा (शिखर समाचार)। हरियाणा के बल्लभगढ़ निवासी एक युवक ने कुछ लोगों पर लूटपाट और अपहरण का आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है। वहीं पुलिस का कहना है कि यह मामला गलतफहमी के चलते हुई मारपीट का है, लूटपाट या अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई। आदर्श नगर, बल्लभगढ़ निवासी मोनू भाटी ने रबूपुरा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को रबूपुरा स्थित अपनी रिश्तेदारी से कार में सवार होकर बल्लभगढ़ वापस लौट रहा था। इसी दौरान गांव भाईपुर के पास पीछे से बाइक पर आए दो लोगों ने उसकी कार को रुकवा लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि कुछ देर बाद एक कार में सवार होकर 6 से 7 अन्य लोग भी वहां पहुंच गए और उन्होंने लाठी तथा लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उस पर पिस्टल तान दी और उसके गले से सोने की चेन तथा 12 हजार रुपये की नकदी लूट ली। इसके बाद आरोपियों ने हथियार के बल पर उसे कार समेत अपने गांव फलैदा ले जाकर कुछ समय तक बंधक बनाए रखा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद समेत 7 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं रबूपुरा कोतवाली प्रभारी श्याम बाबू शुक्ल का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला गलतफहमी के कारण हुई मारपीट का प्रतीत हो रहा है। उनके अनुसार आरोपियों में से एक युवक का हरियाणा निवासी अपने साले के साथ विवाद चल रहा है। शुक्रवार को वह युवक बाइक से जा रहा था, तभी उसके पीछे पीड़ित युवक अपनी कार से बल्लभगढ़ की ओर लौट रहा था। बाइक सवार को शक हुआ कि साले द्वारा भेजा गया कोई बदमाश उसका पीछा कर रहा है। कार का नंबर उसके साले की कार से मिलता-जुलता होने के कारण यह गलतफहमी हो गई और इसी के चलते आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ित की पिटाई कर दी। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीकेयू लोकशक्ति का धरना 255वें दिन भी जारी

रबूपुरा (शिखर समाचार) किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गांव रौनीजा में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति का चल रहा धरना शनिवार को 255वें दिन भी जारी रहा। यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा 15 मार्च तक सभी बिंदुओं पर आख्या भेजने के निर्देश दिए जाने के बावजूद अधिकारी गोलमोल रिपोर्ट तैयार करने में लगे हुए हैं। यूनियन के वरिष्ठ नेता प्रमोद शर्मा ने बताया कि धर्मपाल भाटी की अध्यक्षता में तथा यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज के नेतृत्व में गांव रौनीजा में किसानों की मांगों को लेकर धरना लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर लखनऊ में पंचायत होने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से मेरठ मंडलायुक्त, जिलाधिकारी तथा यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण को पत्र भेजकर 15 मार्च तक सभी बिंदुओं पर आख्या प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमोद शर्मा के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय से पत्र जारी होने के बावजूद भी प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर किसानों में असंतोष बना हुआ है। उनका आरोप है कि अधिकारी स्पष्ट रिपोर्ट देने के बजाय गोलमोल रिपोर्ट तैयार करने में जुटे हैं और किसानों की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति फिर से लखनऊ की ओर अपना ध्यान केंद्रित करेगी और आंदोलन को तेज किया जाएगा। धरने के दौरान लकपत सिंह, नेत्रपाल सिंह, राजन गौर, राजन भाटी, ओमपाल भाटी, मनवीर भाटी, रोदास सिंह और शिले रावत सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहें।

तिराहे पर टूटी स्लैब से हादसे का खतरा, लोक निर्माण विभाग बेखबर

थाना भवन/शामली (शिखर समाचार) नगर के दिल्ली सहारनपुर हाईवे स्थित एक तिराहे पर सड़क किनारे लगी स्लैब टूटने से हादसों का खतरा बढ़ गया है। कई गांवों को जोड़ने वाले इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन और पैदल राहगीर गुजरते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जानकारी के अनुसार थाना भवन नगर में दिल्ली सहारनपुर हाईवे पर स्थित तिराहे से नोजल, रसीदगढ़, यारपुर, कैल, शिकारपुर, खेड़ा गदाई, मस्तगढ़ और ठिरवा सहित कई गांवों का संपर्क जुड़ा हुआ है। तिराहे के पास सड़क किनारे लगी स्लैब काफी समय से टूटी हुई है, जिससे वहां गहरा गड्ढा बन गया है और दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से दिनभर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही रहती है, वहीं बड़ी संख्या में लोग पैदल भी इसी रास्ते से गुजरते हैं। रात के समय गड्ढा दिखाई न देने के कारण कई वाहन चालक गिरकर चोटिल हो चुके हैं। कई बार टूटी स्लैब में वाहनों के पहिए फंसने से भी लोग घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों और राहगीरों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक लोक निर्माण विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जनहित को देखते हुए जल्द से जल्द टूटी स्लैब का निर्माण कराए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

निर्विका फाउंडेशन ने छात्राओं को सम्मानित कर मनाया महिला दिवस

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कस्बे के दयानंद इंटर कॉलेज में सामाजिक संस्था निर्विका फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत चेयरमैन उमा त्यागी और महिला थानाध्यक्ष सुमन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। निर्विका फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा नौ की छात्राओं के बीच महिला सशक्तिकरण विषय पर लिखित प्रतियोगिता कराई गई। संस्था की उपाध्यक्ष ऊषा राठी ने बताया कि प्रतियोगिता में इशिका बंशीवाल ने प्रथम, अंशिका ने द्वितीय तथा मुबस्सिरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर चेयरमैन उमा त्यागी ने कहा कि छात्राओं ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्थिति और उनके संघर्षों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं और निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। कार्यक्रम के अंत में महिला अतिथियों ने विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय के डायरेक्टर उमेश सहरावत, तेजपाल सहरावत, संजीव कुमार, अभिनव त्यागी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में राज्यपाल का इस्तीफा और सियासी टकराव की गूंज

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ गई है। राज्यपाल के इस्तीफे के बाद राज्य में राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि ऐसी परिस्थितियां बनाई गईं जिनके कारण राज्यपाल को पद छोड़ना पड़ा। इस बयान के बाद बंगाल की राजनीति में नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है और संघीय ढांचे, संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका तथा केंद्र राज्य संबंधों को लेकर बहस फिर से तेज हो गई है। राज्यपाल का पद भारतीय संविधान में एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के रूप में स्थापित किया गया है। राज्यपाल राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है, जबकि वास्तविक प्रशासनिक शक्तियां मुख्यमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद के पास होती हैं। सामान्य परिस्थितियों में राज्यपाल की भूमिका एक तटस्थ और संतुलनकारी संस्था के रूप में मानी जाती है, जिसका कार्य राज्य और केंद्र के बीच समन्वय बनाए रखना होता है। लेकिन जब इस पद से जुड़ा कोई निर्णय अचानक राजनीतिक विवाद का विषय बन जाता है, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं के संतुलन को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर देता है। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल के इस्तीफे ने ठीक ऐसी ही स्थिति पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक घटना नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार की राजनीतिक रणनीतियों के कारण ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हुईं जिनके चलते राज्यपाल को पद छोड़ना पड़ा। उनके इस बयान ने पूरे राजनीतिक माहौल को और अधिक गरमा दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि संवैधानिक पदों का इस्तेमाल राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। दूसरी ओर भाजपा ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि राज्यपाल का इस्तीफा उनका व्यक्तिगत निर्णय हो सकता है और इसे किसी राजनीतिक दबाव से जोड़ना उचित नहीं है। उनका तर्क है कि मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश हैं, खासकर ऐसे समय में जब राज्य की राजनीति पहले से ही चुनावी मोड में दिखाई दे रही है। इस प्रकार दोनों पक्षों के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है और यह विवाद राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में यह पहला अवसर नहीं है जब राजभवन और राज्य सरकार के बीच तनाव की स्थिति बनी हो। पिछले कुछ वर्षों में कई मुद्दों को लेकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों से लेकर प्रशासनिक फैसलों और कानून व्यवस्था के मुद्दों तक कई बार दोनों पक्षों के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली है। यही कारण है कि राज्यपाल के इस्तीफे को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे एक व्यापक राजनीतिक संदर्भ में समझने की कोशिश की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने भारतीय संघीय व्यवस्था को लेकर भी एक महत्वपूर्ण बहस को जन्म दिया है। भारत का संविधान केंद्र और राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखने की व्यवस्था प्रदान करता है। राज्यपाल की संस्था इसी संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन जब इस पद को लेकर विवाद खड़े होते हैं, तो यह सवाल उठता है कि क्या राज्यपाल की भूमिका वास्तव में उतनी ही निष्पक्ष और संतुलित रह पाती है जितनी संविधान में कल्पना की गई थी। कई संवैधानिक विशेषज्ञ लंबे समय से यह सुझाव देते रहे हैं कि राज्यपाल की नियुक्ति और उनकी भूमिका को लेकर स्पष्ट दिशानिर्देश होने चाहिए ताकि इस पद को राजनीतिक विवादों से दूर रखा जा सके।

~ मौलिक चिंतन ~

दूसरों की ज़िंदगी में टांग अड़ाने से, अपनी भी ज़िंदगी का संतुलन बिगड़ सकता है।

© विनय संकोची

कच्चा तेल खरीद में अमेरिका की 'दादागिरी क्यों?

सौरभ वार्ष्णेय

तेल खरीद में अमेरिका की हमेशा से दादागिरी चलती आ रही है। वर्तमान में जब आठवें दिन इजरायल-ईरान के जंग के बीच जब कच्चा तेल महंगा और सप्लाई भी बंद हो जाती है ऐसे में अमेरिका द्वारा भारत को 30 दिन की मौहलत का आशय ? कूटनीतिक संदेश या दबाव ? । ऐसे समय में शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

वैश्विक राजनीति में ऊर्जा हमेशा से शक्ति और दबाव का बड़ा हथियार रही है। हाल के घटनाक्रम में एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि दुनिया की महाशक्तियाँ तेल को केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि कूटनीतिक दबाव के औजार के रूप में भी इस्तेमाल करती हैं। अमेरिका द्वारा कुछ देशों से तेल खरीद को लेकर कड़े प्रतिबंधों की नीति और भारत को 30 दिन की मौहलत देना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

अमेरिका लंबे समय से उन देशों पर दबाव बनाता रहा है, जिनसे उसका राजनीतिक टकराव है। ऐसे में यदि कोई तीसरा देश उनसे तेल खरीदता है तो वह भी अमेरिकी प्रतिबंधों की जद में आ सकता है। यही कारण है कि भारत जैसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता देश को बार-बार संतुलन साधना पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए सस्ती और स्थिर आपूर्ति चाहता है, जबकि अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश उसकी विदेश नीति के अनुरूप ही निर्णय लें।

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक बाहरी ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी स्रोत से सस्ता तेल मिलता है तो उसे पूरी तरह छोड़ देना भारत के लिए आसान नहीं होता। यही वजह है कि अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने की कोशिश करता रहा है।

भारत को दी गई 30 दिन की मौहलत दरअसल एक तरह का कूटनीतिक संदेश है। यह समय भारत को अपनी रणनीति तय करने के लिए दिया गया है, लेकिन इसके साथ ही यह संकेत भी है कि आगे अमेरिका इस मुद्दे पर और सख्ती दिखा सकता है। यह स्थिति भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण संतुलन का सवाल बन जाती है–एक तरफ रणनीतिक साझेदारी और दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि वैश्विक राजनीति में प्रतिबंधों की यह संस्कृति धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। बड़ी शक्तियाँ आर्थिक ताकत का इस्तेमाल करके दूसरे देशों के निर्णयों को प्रभावित करना चाहती हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

भारत को इस परिस्थिति में अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाना होगा। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, नए तेल आपूर्तिकताओं की तलाश करना और रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना समय की मांग है। साथ ही, कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को स्पष्ट करना होगा कि उसकी ऊर्जा जरूरतों पर किसी बाहरी दबाव का असर सीमित ही हो सकता है।

अंततः, यह प्रकरण केवल तेल खरीद का नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का भी संकेत है। भारत जैसे उभरते हुए देश के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए अंतरराष्ट्रीय दबावों का समझदारी से सामना करे। तभी वह अपनी विकास यात्रा को बिना बाधा के आगे बढ़ा पाएगा।

युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है

वहीं अगर ईरान-इजरायल युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य संघर्ष केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है। युद्ध के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से उछलने लगी हैं। अगर यह युद्ध जल्द नहीं थमा, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है।दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडरा रहा है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति गुजरती है। यदि इस मार्ग में व्यवधान आता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है, तो वैश्विक तेल बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।हाल के दिनों में इसी आशंका के कारण तेल बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रिपोर्टों के मुताबिक युद्ध के कुछ ही दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और यह लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सबसे तेज साप्ताहिक बढ़ोतरी में से एक है।

यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य बंद हुआ या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई, तो तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इससे वैश्विक महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत बढ़ेगी और कई देशों की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होगी।

भारत जैसे देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो सकता है, क्योंकि भारत अपनी लगभग 90 प्रतिशत तेल जरूरतें आयात से पूरी करता है और उसका बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। ऐसे में तेल महंगा होने का मतलब है–पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई का दबाव और सरकारी वित्त पर अतिरिक्त बोझ।स्पष्ट है कि ईरान-इजरायल युद्ध केवल दो देशों का सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जल्द से जल्द तनाव कम करने की दिशा में काम करना होगा। यदि युद्ध की आग फैलती है, तो उसका धुआं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को घेर सकता है–और कच्चे तेल की कीमतें इसका सबसे बड़ा संकेत होंगी।

अतः युद्ध जितना लंबा चलेगा, तेल बाजार उतना अस्थिर होगा। इसलिए शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार व समाचार पत्र , पत्रिकाओं में समसामायिक चिंतक विचारक है।

किस दबाव में झुके नीतीश : भाजपा खुश, विपक्ष हैरान

राधा रमण

समाज को चौंकाते रहना समाजवादियों का शगल रहा है। नीतीश कुमार भी समाजवादी विचारधारा से ही आते हैं। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश कुमार ने होली के दूसरे दिन बिहार और देश के लोगों को पहली बार चौंकाया है। वह पहले भी चौंकाते रहे हैं। कभी अपने धुर विरोधी लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन से हाथ मिलाकर सत्ता सुख भोगने के लिए, तो कभी भाजपा और एनडीए के साथ गठबंधन करके। अपने इसी हुनर के कारण नीतीश करीब साढ़े 19 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। इसीलिए विरोधी उन्हें कुर्सी कुमार भी कहते रहे हैं। लेकिन, इन सब के बीच यह कहना गलत नहीं होगा कि नीतीश कुमार की स्वीकार्यता पक्ष-विपक्ष दोनों में तीन दशक से बनी हुई है। सही मायनों में नीतीश पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे हैं।

फिलहाल, बिहार में सबकुछ ठीक चल रहा था। 2025 में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को उम्मीद से अधिक वोट और सीटें मिली थीं। कुल 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 202 सीटें मिली थीं। नीतीश कुमार 10 वीं बार 20 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लिये थे। बिहार के लिए यह नया उदाहरण है। लेकिन अचानक होली के दूसरे दिन नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर पक्ष-विपक्ष समेत बिहार के आम अवाम को चौंका दिया। अपने ट्वीट संदेश में नीतीश ने लिखा कि ह्यदो दशक से अधिक समय से आपने मेरे साथ लगातार विश्वास और समर्थन बनाये रखा। इसकी ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है। संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही इच्छा थी कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के दोनों सदनों का भी सदस्य बनूं। इसी क्रम में राज्यसभा सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा पूरा समर्थन रहेगा।ह्य और फिर तीन घंटे के भीतर उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल कर दिया। नीतीश कुमार के इस फैसले से जनता दल (यूनाईटेड) के कार्यकताओं में गुस्से की लहर दौड़ गई। राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। कार्यकर्ता इसे भाजपा की चाल में नीतीश को फंसाने, पार्टी के ही कुछ बड़े नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने और जनमत का अपमान बताने लगे। उन्होंने पटना स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ भी की और नीतीश से अपना फैसला वापस लेने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि मतदाताओं ने नीतीश के नाम पर वोट किया था। यह फैसला मतदाताओं की अनदेखी है। नाराज जदयू कार्यकताओं ने जदयू दफ्तर में लगे प्रधानमंत्री के पोस्टर पर कालिख पोत दी। नाराजगी सिर्फ कार्यकताओं में ही नहीं है। जदयू के श्याम रजक, विनय चौधरी समेत कई विधायक नीतीश के इस फैसले से इत्तेफाक नहीं रखते। विधायक अनिल चौधरी तो खुलकर कहते हैं कि साढ़े तीन महीने में आखिर ऐसा क्या हो गया कि मुख्यमंत्री को ऐसा निर्णय लेना पड़ा। जदयू एमएलसी नीरज कुमार कहते हैं कि जदयू के कार्यकताओं को दुख है। जिन लोगों ने हमें वोट नहीं दिया वे भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब सीएम ने बिहार छोड़कर दिल्ली जाने का फैसला किया है। लेकिन पार्टी ने जिनको जिम्मेदारी दी है, उनके सामने यह सवाल है कि अब राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा ? नीतीश कुमार को अगर किसी समस्या के बारे में पता चलता था तो वो तुरंत एक्शन लेते थे। अब यह कौन करेगा ? उधर, नीतीश की इस चाल से विपक्ष की बोलती बंद हो गई। उनकी रही-सही उम्मीदों पर ओले गिर गए। विपक्ष के नेता भले ही नीतीश कुमार को कुछ वर्षों से ह्यपलटूरामह्ल कहा करते थे लेकिन उनके मन में हमेशा यह बात रहती थी कि नीतीश कभी न कभी भाजपा के दबाव से ऊबकर उनके साथ आ सकते हैं। लेकिन इस बार नीतीश ने कोई मौका नहीं दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो पिछले विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने महागठबंधन को इतनी सीटें नहीं दी जिससे नीतीश उनके साथ कोई जोड़तोड़ कर पाते। महागठबंधन के सबसे बड़े दल राष्ट्रीय जनता दल को महज 25 सीटें मिली हैं। मुश्किल से तेजस्वी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिला है। कांग्रेस और कमजोर हुई है।

हां, नीतीश के इस कदम से भाजपा की बाछें खिल गयी है। बिहार में पहली बार उसे सरकार बनाने का मौका मिल रहा है। पिछले 21 वर्षों से भाजपा नीतीश की पिछलग्गू बनी हुई थी। नीतीश महागठबंधन के पाले में जाते थे तो उसे विपक्ष में बैठना पड़ता था। बीच के वर्षों में दो बार ऐसा हो चुका है। अब पहली बार उसे खुलकर खेलने का मौका मिलेगा। इसके अलावा नीतीश के शासनकाल की चुनावी घोषणाओं को पूरा करने की उसकी जवाबदेही भी नहीं रहेगी। साढ़े चार साल तक उसका निष्कंटक राज चलेगा। गठबंधन में शामिल जदयू के नेता समय के साथ या तो भाजपा में चले जाएंगे अथवा खंड-खंड हो जाएंगे। भाजपा का यही इतिहास रहा है। यकीन न हो तो इंडियन नेशनल लोकदल, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस आदि का इतिहास देख लें। पता चल जाएगा।

जानकार दावा तो यह भी करते हैं कि भाजपा अपनी मुहिम में काफी पहले से लगी थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में लोगों ने बखूबी देखा कि किसके इशारे पर चिराग की लोजपा ने भाजपा के टिकट से वंचित नेताओं को अपने बैनर तले जदयू उम्मीदवारों के खिलाफ मैदान में उतार दिया था। नतीजतन, जदयू 43 सीटों पर सिमट गयी थी। 2025 चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे में भाजपा ने जदयू की सीटिंग सीटें भी लोजपा को दे दी थी। जदयू की ओर से सीटों की बातचीत कर रहे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह मान भी गए थे। लेकिन समय रहते नीतीश सचेत हो गए और उन्होंने करीब आधा दर्जन सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए थे। वे जीतकर आ भी गए। तब भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह मन मसोस कर रह गए थे। यही नहीं चुनाव के दौरान भी एक टीवी इंटरव्यू में अमित शाह ने साफ कहा था कि मुख्यमंत्री का फैसला विधायक करेंगे। हालांकि नुकसान होता देख भाजपा नेताओं को चुनाव के बीच नीतीश के नाम पर मुहर लगानी पड़ी थी। सवाल उठता है कि अब अचानक ऐसी क्या स्थिति बन गयी कि नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता रास नहीं आ रही है। राज्यसभा में तो नीतीश जब चाहते जा सकते थे। रही बात बेटे निशांत को राजनीति में लांच करने की, तो नीतीश को कौन रोक रहा था। जदयू के नेता-कार्यकर्ता तो पहले से इसकी मांग कर रहे थे। नीतीश चाहते तो देश में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते थे। लेकिन इस उपलब्धि से चूक क्यों गए ? इसका जवाब तो नीतीश ही दे सकते हैं। फिलहाल, देश में सबसे अधिक दिनों 24 वर्ष 166 दिन मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड सिक्किम के पवन कुमार चामलिंग के नाम है। नवीन पटनायक (ओडिशा) 24 वर्ष 94 दिन, ज्योति बसु (पश्चिम बंगाल) 23 वर्ष 137 दिन, गेगोंग अपांग (अरुणाचल प्रदेश) 22 वर्ष 250 दिन, ललथनहवला (मिजोरम) 22 वर्ष 60 दिन, वीरभद्र सिंह (हिमाचल प्रदेश) 21 वर्ष 13 दिन, और माणिक सरकार (त्रिपुरा) 19 वर्ष 363 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। नीतीश का नंबर आठवें पायदान पर आता है।

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' : हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी, तुझे शत-शत नमन

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

बिनोद कुमार सिंह

भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।

भारतीय संस्कृति की विराट परंपरा में एक वाक्य सदियों से गूँजता रहा है -ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताःह्व।यह केवल एक शास्त्रीय उक्ति नहीं,बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा का घोष है।इसका आशय है कि जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ देवत्व का वास होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं,वहाँ संस्कृति साँस लेती है और वहाँ मानवता का दीपक कभी बुझता नहीं।

नारी केवल एक व्यक्ति नहीं है; वह जीवन की सृजनधर्मी ऊर्जा है। वह माँ के रूप में ममता की गंगोत्री है, बहन के रूप में स्नेह की सरिता है, पत्नी के रूप में जीवन की सहयात्री है और बेटी के रूप में भविष्य की मुस्कान है।भारतीय परंपरा ने नारी को केवल सामाजिक भूमिका में नहीं देखा,बल्कि उसे सृजन की मूल शक्ति माना है।यही कारण है कि हमारे यहाँ प्रकृति को भी माँ कहा गया और ज्ञान,धन तथा शक्ति को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में पूजित किया गया।

भारत की सभ्यता में नारी का स्थान सदैव गौरवपूर्ण रहा है।वेदों के युग में जब ज्ञान और दर्शन के संवाद होते थे, तब वहाँ नारी भी समान रूप से उपस्थित थी। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने केवल शास्त्रों का अध्ययन ही नहीं किया, बल्कि दार्शनिक विमर्शों में अपनी तेजस्विता से सबको चकित किया। उस समय समाज में यह विश्वास गहरा था कि ज्ञान और संवेदना का कोई लिंग नहीं होता।मनुष्य की पहचान उसके विचार और कर्म से होती है।

समय की धारा में कई उतार-चढ़ाव आए। मध्यकालीन परिस्थितियों ने सामाजिक संरचनाओं को बदल दिया और अनेक रूढ़ियाँ समाज में घर करने लगीं।नारी की स्वतंत्रता पर कई प्रकार के बंधन लगाए गए। शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के अवसर सीमित होने लगे। किंतु इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारतीय नारी की चेतना कभी पूरी तरह दबाई नहीं जा सकी।वह समय-समय पर अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास से इन बंधनों को तोड़ती रही।भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने नारी शक्ति को नई दिशा और नई पहचान दी।जब देश पराधीनता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, तब अनेक महिलाओं ने घर की चौखट लांघकर स्वतंत्रता के महासंग्राम में भाग लिया।रानी लक्ष्मीबाई की तलवार केवल अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध नहीं थी; वह भारतीय नारी के स्वाभिमान का प्रतीक बन गई। सरोजिनी नायडू की वाणी में कविता भी थी और क्रांति की चेतना भी।कस्तूरबा गाँधी का त्याग और समर्पण राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ था।स्वतंत्रता आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल घर की परिधि में सीमित रहने वाली सत्ता नहीं है,बल्कि वह राष्ट्र की नियति को भी दिशा देने की क्षमता रखती है।यही कारण है कि स्वतंत्र भारत के संविधान निमार्ताओं ने महिलाओं को समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने का संकल्प लिया। संविधान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह केवल कानूनी प्रावधान नहीं था; यह उस नए भारत की परिकल्पना थी जिसमें नारी और पुरुष दोनों समान गरिमा के साथ आगे बढ़ें।

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में भारतीय समाज ने धीरे-धीरे परिवर्तन की यात्रा तय की।शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं के जीवन में नई रोशनी जगाई। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के द्वार खुलने लगे। ज्ञान के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा और आत्मविश्वास के साथ नई संभावनाओं के द्वार खुलते चले गए।आज का भारत उस परिवर्तन का साक्षी है जहाँ नारी केवल घर की धुरी नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की सक्रिय सहभागी बन चुकी है। विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर अंतरिक्ष के प्रक्षेपण केंद्रों तक, खेल के मैदानों से लेकर प्रशासनिक दायित्वों तक,कला, साहित्य,पत्रकारिता,शिक्षा और उद्यमिता के हर क्षेत्र में भारतीय महिलाएँ अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं।

जब कोई भारतीय बेटी अर्न्तराष्ट्रीय मंच पर देश का तिरंगा लहराती है, तब यह केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं होती; यह उस संपूर्ण नारी शक्ति का सम्मान होता है जिसने सदियों की चुनौतियों के बीच अपनी पहचान बनाई है।

फिर भी यह कहना कि यात्रा पूरी हो चुकी है,शायद वास्तविकता से आँखें मूँद लेना होगा।समाज में अभी भी कई ऐसी चुनौतियाँ मौजूद हैं जो नारी के मार्ग को कठिन बनाती हैं।कई स्थानों पर सामाजिक रूढ़ियाँ और असमानताएँ आज भी उसके आत्मविश्वास को चुनौती देती हैं। कहीं शिक्षा का अभाव है तो कहीं अवसरों की कमी।कहीं सुरक्षा का प्रश्न है तो कहीं सामाजिक मानसिकता का संकीर्ण दायरा।

इन चुनौतियों के बावजूद भारतीय नारी की यात्रा रुकी नहीं है।वह निरंतर आगे बढ़ रही है।उसकी आँखों में स्वप्न हैं,उसके कदमों में विश्वास है और उसके भीतर वह अदम्य शक्ति है जो कठिनाइयों को भी अवसर में बदल देती है।

दरअसल नारी शक्ति को समझना केवल अधिकारों के संदर्भ में संभव नहीं है।यह एक गहरी सांस्कृतिक और मानवीय चेतना का विषय है। जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं।वहाँ परिवार मजबूत होते हैं, वहाँ संस्कृति सुरक्षित रहती है और वहाँ भविष्य उज्ज्वल होता है।नारी जीवन की वह मौन धारा है जो बिना किसी शोर के सभ्यता को आगे बढ़ाती रहती है।वह घर के आँगन में बच्चों के सपनों को आकार देती है,परिवार के रिश्तों को प्रेम की डोर से बाँधती है और समाज को संवेदनशील बनाती है। उसकी मुस्कान में आशा होती है और उसके संघर्ष में प्रेरणा।आज जब अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का अवसर हमारे सामने है,तब यह केवल उत्सव का क्षण नहीं बल्कि कृतज्ञता का भी क्षण है।यह वह समय है जब समाज को उन अनगिनत महिलाओं को याद करना चाहिए जिन्होंने अपने त्याग,श्रम और संवेदना से इस दुनिया को बेहतर बनाया है।हर माँ जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देती है, हर बेटी जो सपनों के साथ आगे बढ़ती है,हर बहन जो परिवार की खुशियों का आधार बनती है और हर वह महिला जो समाज को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करती है - वे सभी नारी शक्ति की जीवंत प्रतिमाएँ हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।जब समाज की मानसिकता बदलेगी, जब बेटी और बेटे के बीच कोई भेद नहीं रहेगा,जब हर महिला को सम्मान और अवसर मिलेगा-तभी वह आदर्श सच में साकार होगा जिसकी कल्पना हमारे ऋषियों ने की थी।नारी शक्ति को प्रणाम करना केवल औपचारिकता नहीं है;यह उस सृजनशील ऊर्जा के प्रति श्रद्धा है जिसने मानव सभ्यता को आकार दिया है। इस अवसर पर समूची नारी शक्ति को हृदय से नमन करते हुए यही कहा जा सकता है कि जहाँ नारी का सम्मान है, वहीं जीवन की सुंदरता है,वहीं संस्कृति की ज्योति है और वहीं मानवता का उजाला है।सच तो यह है कि नारी केवल समाज का हिस्सा नहीं,बल्कि समाज की आत्मा है।जब यह आत्मा सम्मानित होती है,तभी सच्चे अर्थों में देवत्व पृथ्वी पर उतरता है।

यही वह भावना है जो हमें फिर से स्मरण कराती है–ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ह्व.हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी,तुझे शत-शत नमन ।

ईजी टू कैरी बैग

बैग का मैटीरियल ऐसा हो जिसमें सामान डालने से उसका आकार खराब न हो। ओवर साइज बैग भी ट्रैंड में हैं। कुछ ड्रैसेज के साथ और कुछ समारोहों में ओवरसाइज बैग अच्छे लगते हैं। वैसे ओवरसाइज बैग वर्किंग वूमेन के लिए लाभप्रद भी हैं।

प्राचीन समय में बैग का अर्थ थैला या कपड़ों को कैरी करने वाला बैग होता था पर आज बैग का अर्थ बिल्कुल भिन्न है। यह फैशन स्टेटमैंट बन चुका है। छोटे बच्चों को टॉयस रखने के लिए बैग चाहिए, स्कूली बच्चों को स्कूल के अलावा पिकनिक बैग चाहिए। ट्यूशन पर जाने वाले को हल्का बैग चाहिए जिसमें एक-दो रजिस्टर और बुक आ सकें। उसके लिए भी लड़कियां थोड़े ट्रैंडी बैग्स लेना पसंद करती हैं।

कालेज जाने वाले लड़कों और लड़कियों को तो स्टाइलिश बैग्स और वैरायटी बैग्स चाहिए होते हैं।

नौकरी पर जाने वाली लड़कियों और महिलाओं को ऐसे बैग्स चाहिएं जिसमें वे अपना टिफिन, कुछ मेकअप का सामान आदि रख सकें। वैसे आजकल बाजार में हर कलर, स्टाइल व आकार के विभिन्न बैग्स उपलब्ध हैं। यदि आप भी बैग खरीदने की सोच रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें-

- ट्रैंड के अनुसार बैग लें पर खरीदने से पहले उसे कंधे पर लगा कर देखें कि आप पर वह सूट कर रहा है या नहीं। नहीं कर रहा है तो वही बैग लें जो आपकी पर्सनैलिटी को सूट करे।
- अगर आप हैवी ड्रैसेज के साथ बैग ले रही हैं तो ध्यान रखें, उसके साथ बैग सिम्पल लें। यदि सिम्पल ड्रैस है तो बैग हैवी लें।
- बैग ड्रैस से मैच करता लें तो ड्रैस की भी रौनक बढ़ जाएगी।
- बैग का मैटीरियल ऐसा हो जिसमें सामान डालने से उसका आकार खराब न हो। ओवर साइज बैग भी ट्रैंड में है। कुछ ड्रैसेज के साथ और कुछ समारोहों में ओवरसाइज बैग अच्छे लगते हैं। वैसे ओवरसाइज बैग वर्किंग वूमैन के लिए लाभप्रद भी हैं। एक ही बैग में सब कुछ समा जाता है।
- बैग का मैटीरियल ऐसा हो जो गीला होने पर खराब न हो और उसे आसानी से गीले कपड़े से साफ भी किया जा सके।
- जो बैग्स पार्टी वियर हों उन्हें प्रयोग करने के बाद उनमें कागज भर कर रखें ताकि शेप खराब न हो। उन्हें तेज रोशनी और धूल-मिट्टी से भी बचा कर रखें।
- सीक्वेंस वर्क के बैग्स को साफ करते समय ध्यान दें कि उनके सितारे, शीशे, पत्थर, मोती, घुंघरू और तिल्ले की कढ़ाई खराब न हो।
- बहुत लम्बे बैग को उठाने में असुविधा होती है। बैग की लम्बाई अपनी लम्बाई के अनुसार लें। बैग जो भी लें, अपने कंधे पर लटका कर देखें कि आपका कंधा उस बैग को आसानी से कैरी कर सकता है या उसके स्ट्रैप बार-बार तो नहीं गिर रहे।
- बैग के अंदर जो कपड़ा लगा है उस पर बी नजर दौड़ा लें। कहीं वह कपड़ा जल्दी फटने वाला न हो।
- बैग्स की सभी जिप्स भी जांच लें कि वे ठीक-ठाक हैं।
- बैग में धूप का चश्मा और मोबाइल रखने के लिए अलग पॉकेट हो।

बिगाड़ो मत बच्चों को

पेरेन्ट्स का वर्किंग होना उनकी मजबूरी

इस बात में दो राय नहीं कि पेरेन्ट्स अपने बच्चों से बेहद प्यार करते हैं। वे वर्किंग इसीलिए होते हैं, ताकि वे अपने बच्चों का फ्यूचर सिक्योर कर सकें। अपने बच्चों को सभी फैसिलिटी दें सकें, लेकिन महंगे से महंगा खिलौना या किसी भी तरह की फैसिलिटी आपके बच्चे की वो जरूरत पूरी नहीं कर सकती, जो केवल आपसे ही पूरी होती है। वर्किंग लोड इतना होता है कि वे चाह कर भी अपने बच्चों को टाइम नही दे पाते।

कम्युनिकेशन गैप का बच्चों पर प्रभाव

कई पेरेन्ट्स की शिकायत होती है कि उनके बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता और जो भी पढ़ता है, वह भूल जाता है। इसके लिए वे न जाने क्या-क्या नहीं करते, लेकिन वे इस बात से बिल्कुल अंजान होते हैं कि अपने बच्चों की ऐसी हालत के लिए वे खुद ही जिम्मेदार हैं, बच्चों के साथ पेरेन्ट्स का समय न गुजारना ही बच्चों को ऐसी हालत में ले आता है, जिस वजह से बच्चा डिप्रेशन मे जीने लगता है। स्कूल से घर और घर से स्कूल की लाइफ से उनका मानसिक विकास रूक जाता है, तभी बच्चा झूठ बोल-बोल कर घूमने जाता है और गलत संगति में पड़ता है।

क्या करें पैरेन्ट्स

यदि आप अपने बच्चों को अपने वर्किंग लोड की वजह से रोज टाइम नही दे पा रहे हैं, तो आप उन्हें विकैंड हॉलिडे पर ले जा सकते हैं, ताकि आपका बच्चा पूरे वीकेंड की बातें आपसे शेयर कर सके और उसे अकेलापन भी महसूस न हो। इसलिए अपने बच्चे को आउटिंग के जरिए अपना ज्यादा से ज्यादा टाइम दें। अपने बच्चे को कुएं का मेंढक न बनने दें, बल्कि उन्हें बाहरी दुनिया को भी जानने और समझने का मौका दें। यदि आप अपने बच्चे को बाहर की दुनिया से अवगत नहीं कराएंगे, तो वह गलत तरीके से यानी आपसे झूठ बोल कर व गलत दोस्तों के साथ उनके गलत नजरिए से यह दुनिया देखेगा और उसके दिमाग पर उन्हीं गलत चीजों की छाप पड़ेगी, जो उनके दोस्त डालेंगे।

- आप अपने बच्चों को कहां-कहां आउटिंग पर बाहर ले जा सकती हैं? आउटिंग का मतलब केवल आउटिंग होता है यानी घर से बाहर कहीं भी आप उन्हें घुमाने ले जा सकते हैं।
- आप उन्हें बाहर ले जाकर अच्छी फिल्म दिखा सकते हैं। फेस्टिवल्स पर अपने रिश्तेदारों के यहां ले जा सकते हैं। अगर आपके पास थोड़ा ज्यादा समय हो, तो आप उन्हें शहर से बाहर भी आउटिंग के लिए ले जा सकते हैं।
- आप उन्हें सुबह व शाम की सैर पर भी ले जाएं। आप उन्हें स्कूल व ट्यूशन से लाने, ले जाने के जरिए भी उन्हें आउटिंग करा सकते हैं।
- याद रहे कि आउटिंग के दौरान ही आप उनसे उनकी बातें शेयर करें। इससे उन्हें अपनी बातों का महत्व पता चलेगा।

रोकें हाथ-पैरों का फटना

प्राय: सर्दी के मौसम में हाथ-पैर फटने लगते हैं, इसे बिवाई करते हैं। जब हाथ-पैर के फटे हुए अंगों से खून रिसने लगता है तो बिवाई का दर्द असहनीय हो जाता है। बिवाई अनेक कारणों से होती है जिनमें पाचन शक्ति का कमजोर होना, ठंडे पानी अथवा क्षारीय पदार्थों के निरंतर सम्पर्क में रहना आदि मुख्य हैं। अत: व्यक्ति को अपनी पाचन क्रिया अच्छी बनाए रखनी चाहिए और अपने हाथ-पैर ठंडे पानी, बर्फ और क्षारीय पदार्थों से दूर ही रखने चाहिएं। फिर भी यदि हाथ-पैर फटते हैं तो इसके लिए निम्नलिखित उपचार आजमाएं-

- फटे हुए अंगों से खून रिसने लगे तो कच्चे पपीते को पीसकर उसमें चौथाई सरसों का तेल तथा सोलहवां भाग पिसी हुई हल्दी मिलाकर धीमी आग पर पका लें। रात में सोने से पहले इसका लेप करके ऊपर से पट्टी बांध लें। इस प्रकार दो-तीन बार करने से काफी फायदा होगा।
- सरसों का तेल गुनगुना करके बिवाईग्रस्त अंगों पर लगाने से भी लाभ होगा।
- यदि हाथ-पैर ज्यादा फट गए हों तो बिवाइयों में बरगद का दूध भरना चाहिए। इस प्रकार दिन में दो-तीन बार करने से जल्दी फायदा होगा।
- यह सस्ता और सरल उपचार है।
- एक जग पानी में थोड़ा-सा नमक मिलाकर गुनगुना कर लीजिए। फिर इसमें बिवाईग्रस्त अंगों को पन्द्रह मिनट तक भिगोए रखें। तदोपरांत पंचगुण तेल की मालिश करके साफ रूई से पट्टी बांध लीजिए। इससे बिवाइयां जल्दी ठीक हो जाती है।
- सर्दी के मौसम में हाथ-पैर की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ठंड़ी हवा, बर्फ अथवा क्षारीय पदार्थों के निरंतर सम्पर्क से हाथ पैरों का फटना स्वाभाविक है। रात को ठंडे पानी से नहाना भी नुक्सानदायक रहता है, केवल ताजे पानी से स्नान करें।
- स्नान के बाद सरसों के तेल की मालिश करना न भूलिए। इससे त्वचा मुलायम रहती है और बिवाई भी नहीं होती।
- इसके साथ-साथ खाने-पीने का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। शरीर को पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलने से कई प्रकार के रोगों से सहज रूप से बचा जा सकता है।
- यदि हम अपने शरीर को सर्दी से बचाकर रखें तो न केवल इससे सर्दी कम लगेगी बल्कि बिवाई जैसे चर्म रोग भी नहीं होंगे।

नाचोज कॉन क्वेरो

सामग्री : 75 ग्राम टोरटिला चिप्स, 50 ग्राम पिघला हुआ चीज, 20 ग्राम क्रीम, 50 ग्राम बेक्ड बीन्स, 2 टेबलस्पून मिल्क, नमक व काली मिर्च स्वादानुसार।

विधि : गुनगुना दूध, चीज, क्रीम, नमक व काली मिर्च-इन सबको मिला लें, एक प्लेट में टोरटिला चिप्स को सजा लें और ऊपर तैयार किए मिश्रण को इस पर डाल दें, सालसा सॉस और बेक किए हुए बीन्स के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3821

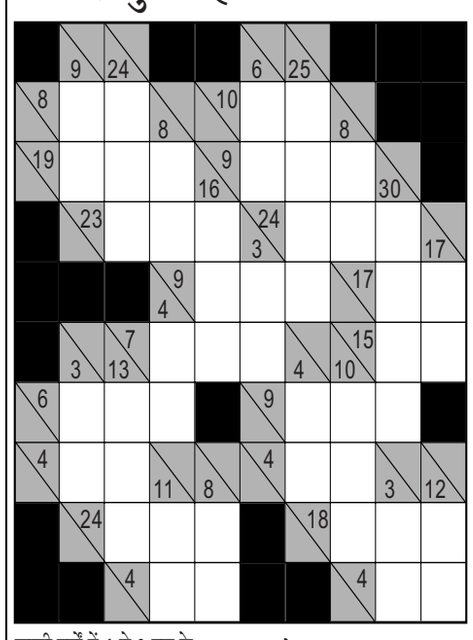

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3820 का हल

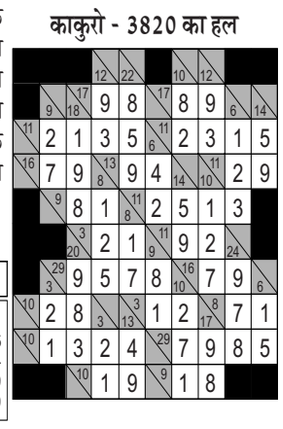

हंसी के फुव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-3821

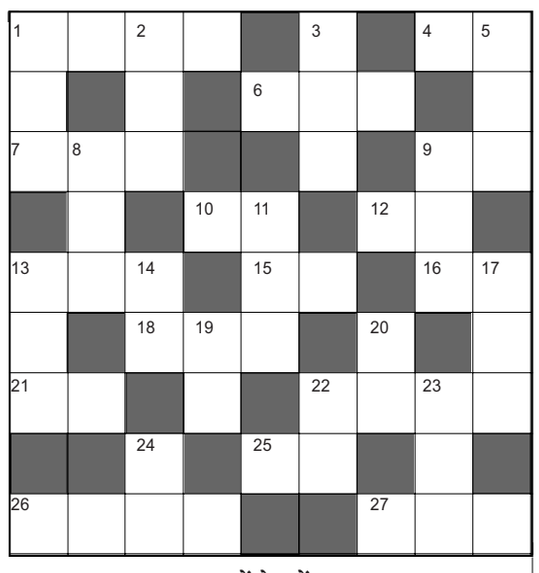

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, खन्ना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, खन्ना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी ?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3820

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			हा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्वे
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -3821

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3820 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 3821

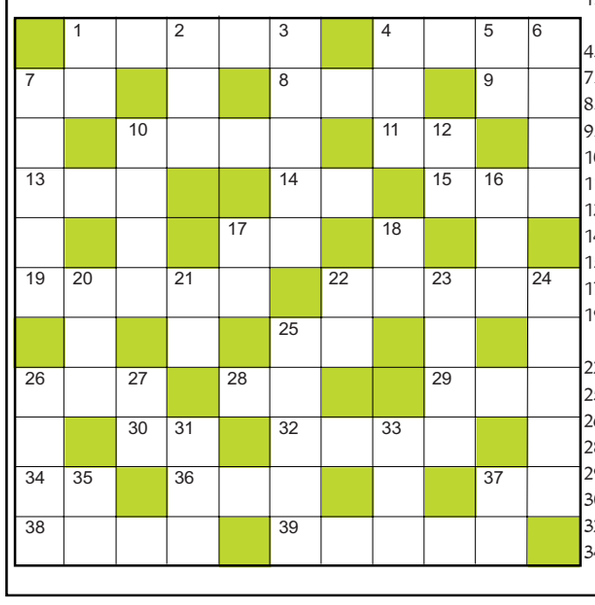

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 3820 का हल

आ	ला	क		मा	न			क	मी	ज
रा	ल			न		श	प	थ		मा
म				ध	नि	क		न		लि
दे	ह	दा		न			अ		ल	ल
ह		खि			बे	शु	मा	र		ह
	सा	ल			ल		न		सु	र
	हि			ब	गा	व	त		र	
ज	ल	न			म			अ	भि	मा
ग				चु		रा	ज	न		
त	र			ना	ह	क		ब		चा
	ब	हा		व			म	न	मो	ह

रूस ने भारत भेजे जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़े गोपनीय रखने का फैसला किया

- रूस भारत को एक सप्ताह में भेज सकता है लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल

नई दिल्ली ।

रूस ने भारत को निर्यात किए जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़ों को सार्वजनिक न करने का निर्णय लिया है। क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए यह कदम रूस के हित में जरूरी है। उनका कहना है कि कई देश और समूह रूस के ऊर्जा व्यापार पर नजर रखे हुए हैं और उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा है और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने की बात कही थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय

मीडिया में भारत को होने वाली रूसी तेल आपूर्ति को लेकर कई रिपोर्टें सामने आईं। इनमें दावा किया गया कि रूस भारत को एक सप्ताह में लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल भेज सकता है, हालांकि रूस ने इसे औपचारिक रूप से पुष्टि नहीं की। रूसी सरकारी मीडिया में जारी मानचित्र ने भी ध्यान खींचा, जिसमें अरब सागर से बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ते तेल टैंकर दिखाए गए हैं, जो भारत के पूर्वी तट की रिफाइनरियों की ओर जा रहे हैं। रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने संकेत दिया कि भारत और चीन जैसे बड़े ग्राहकों को तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए रूस तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस एशियाई देशों के साथ अपने ऊर्जा व्यापार को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ने के कारण भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग आने वाले समय में और गहरा हो सकता है।

भारत में महिलाओं की भर्ती में 19 फीसदी की सालाना वृद्धि

उच्च मूल्य वाली नौकरियों और विविध अवसरों तक महिलाओं की पहुंच बढ़ रही है

मुंबई ।

नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिलाओं की भर्ती विज्ञापनों में सालाना 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि केवल प्रवेश स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि वरिष्ठ पदों, उच्च वेतन वाले वर्गों और उभरती प्रौद्योगिकी भूमिकाओं तक फैल गई है। फाउंडइट की भारतीय श्रमबल में महिलाओं पर केंद्रित रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2025 से फरवरी 2026 के बीच यह रुझान देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में महिलाओं की भर्ती में सकारात्मक गति देखी जा रही है। अभी भी अधिकांश नौकरियां 10 लाख रुपये वार्षिक से कम वेतन वर्ग में हैं, लेकिन उच्च मूल्य वाली नौकरियों और विविध अवसरों तक महिलाओं की पहुंच बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में महिलाओं के अवसर बढ़कर 44 फीसदी हो गए हैं, जबकि महानगरों में हिस्सेदारी घटकर 56 फीसदी रह गई। तेजी से उभरते रोजगार केंद्रों में जयपुर, कोयंबटूर, इंदौर और कोच्चि शामिल हैं। महिलाओं की हिस्सेदारी कार्यक्षेत्रों में अलग-अलग है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में यह 34 फीसदी तक पहुंच गई, विशेषकर डेटा और एनालिटिक्स नौकरियों में। बिक्री और व्यवसाय विकास, साथ ही विपणन और संचार में हिस्सेदारी 16 फीसदी रही। वहीं ग्राहक सेवा/बीपीओ में हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी और मानव संसाधन में 20 फीसदी रही।

अमेरिका ने भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल की खरीद व उसके शोधन की अनुमति दी

- अल्पकालिक उपाय से तेल की कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास

वाशिंगटन।

अमेरिकी प्रशासन ने घोषणा की कि वह भारत को दक्षिण एशिया के समुद्री क्षेत्रों में फंसे रूसी तेल को खरीदने, उसका शोधन करने और बाजार में जल्दी बेचने की अनुमति दे रहा है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह कदम वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित करने और आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में दक्षिण एशिया के आसपास काफी मात्रा में रूसी तेल समुद्र में फंसा हुआ है, खासकर चीन के पास। क्रिस राइट ने कहा कि चीन अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुकूल व्यवहार नहीं कर रहा, जिससे कई बैरल लंबे समय तक वहीं रुके हुए हैं। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य से आने वाली आपूर्ति में थोड़ी बाधा के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका ने भारत से कहा कि वह इस तेल को खरीदकर अपनी रिफाइनरी में लाए। इससे न केवल भारतीय रिफाइनरी में तुरंत तेल पहुंचेगा, बल्कि दुनिया के अन्य रिफाइनरी कंपनियों पर तेल की कमी का दबाव भी कम होगा। राइट ने कहा कि यह केवल अल्पकालिक उपाय है और लंबी अवधि के लिए तेल की आपूर्ति पर्याप्त है। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कदम तेल की कीमतें कम बनी रहें सुनिश्चित करने और वैश्विक आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने का व्यावहारिक तरीका है। भारत द्वारा यह तेल शोधन कर बाज़ार में लाने से न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों पर स्थिरता भी आएगी।

भारत में पेट्रोल-डीजल के पर्याप्त भंडार : इंडियन आयल

- कंपनी ने जनता से अपील की, पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं

नई दिल्ली ।

हाल ही में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें फैल गईं। सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होने लगीं और लोग पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ने लगे। ऐसे माहौल में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने स्पष्ट किया कि ये खबरें पूरी तरह निराधार हैं। इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति नेटवर्क सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। कंपनी ने जनता से अपील की कि पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करें। इसी क्रम में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भी कहा कि कुछ क्षेत्रों में फैल रही ईंधन कमी की खबरें भ्रामक हैं। पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की सामान्य आपूर्ति बनी हुई है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 मार्च को जारी आदेश में कहा कि रिफाइनरियों द्वारा उत्पादन के दौरान निकलने वाली प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का अधिकतम उपयोग एलपीजी उत्पादन में किया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम (1955) के तहत जारी आदेश में कहा गया है कि रिफाइनरियों को एलपीजी को केवल आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को ही उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्माण में नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य घरेलू गैस की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना है।

भारत और चीन मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ा देने वाले, आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट में बताया

अमेरिका का कुल योगदान 9.9 फीसदी, वहीं भारत-चीन का 44 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को लेकर ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ 2026 रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और भारत मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ते दिख रहे हैं। आईएमएफ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत और चीन दोनों मिलकर विश्व के 43.6 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का हिस्सा हैं। इसके अलावा, एशिया-पैसिफिक की हिस्सेदारी कुल ग्रोथ का 50 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। वहीं रिपोर्ट में सिर्फ चीन का जीडीपी ग्रोथ 26.6 फीसदी और भारत का 17 फीसदी बताया गया है। आईएमएफ ने अपनी ग्लोबल रिपोर्ट में अमेरिका का 9.9 फीसदी, इंडोनेशिया का 3.8 फीसदी, तुर्किए का 2.2 फीसदी, सऊदी अरब का 1.7 फीसदी, वियतनाम का 1.6 फीसदी, नाइजीरिया का 1.5 फीसदी, ब्राजील का 1.5 फीसदी और जर्मनी का 0.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वहीं भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने लिखा, 2026 में, चीन से ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ में 26.6 फीसदी योगदान की उम्मीद है, जबकि भारत 17 फीसदी और जोड़ेगा। हम मिलकर वैश्विक विकास में करीब 44 फीसदी का योगदान देने वाले है।

बता दें, चीन ने 2026 के लिए अपने जीडीपी ग्रोथ का टारगेट 4.5 से 5 फीसदी तक रखा है। 1991 के बाद से यह अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। वहीं दूसरी ओर भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। हालांकि, चीन और भारत के प्रति व्यक्ति जीडीपी में भारी अंतर है। आंकड़ों के अनुसार, चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत की तुलना में लगभग 4.76 गुना अधिक है। वर्ष 2025 के अनुमानों के मुताबिक, चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी 13,687 डॉलर थी, जबकि भारत के लिए यह आंकड़ा 2,878 डॉलर रहा।

आईएमएफ की शीर्ष 10 देशों की सूची में अन्य देशों में अमेरिका से वैश्विक जीडीपी वृद्धि में करीब 9.9 प्रतिशत योगदान का अनुमान है। इसके बाद इंडोनेशिया 3.8 प्रतिशत, तुर्किए 2.2 प्रतिशत, सऊदी अरब 1.7 प्रतिशत और वियतनाम 1.6 प्रतिशत योगदान दे सकते हैं। वहीं नाइजीरिया और ब्राजील दोनों का योगदान लगभग 1.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इस सूची में जर्मनी 10वें स्थान पर है और उससे वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 0.9 प्रतिशत योगदान का अनुमान है। इसके अलावा यूरोप के अन्य देश आईएमएफ की शीर्ष 10 सूची में शामिल नहीं हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की 2025 की आर्थिक विकास दर का अनुमान 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट में आईएमएफ ने कहा कि यह संशोधन चालू वित्त वर्ष (जो 31 मार्च 2026 को समाप्त होगा) की चौथी तिमाही में मजबूत आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए किया गया है। आईएमएफ के अनुसार, अगले वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि इसमें थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन इसके बावजूद भारत उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विकास का प्रमुख इंजन बना रहेगा।

पश्चिम एशिया संकट से भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित दबाव

- बढ़ती तेल व उर्वरक कीमतें बढ़ा सकती है महंगाई

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में भारतीय रुपये की विनिमय दर पर दबाव बढ़ सकता है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल और एलएनजी जैसे बड़े आयातों पर निर्भरता के कारण मुद्रा अवमूल्यन का खतरा है। साथ ही सुरक्षित निवेश की ओर वैश्विक पूंजी प्रवाह भी रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। पेट्रोलियम और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें महंगाई बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती हैं। हालांकि, भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और नियंत्रित महंगाई के कारण वैश्विक मूल्य वृद्धि का असर आंशिक रूप से संतुलित है। वित्त मंत्रालय ने चेताया है कि संकट लंबे समय तक जारी रहा तो यह दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू खाता घाटा फिलहाल कम है और बाहरी क्षेत्र स्थिर बना हुआ है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय व्यापार कूटनीति निर्यात गंतव्यों का विविधीकरण कर रही है, जिससे मध्यम अवधि में बाह्य मजबूती बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत और वास्तविक सकल मूल्यवर्धन वृद्धि 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी 2026 में आर्थिक गतिविधियां मजबूत रहीं, जिसमें लॉजिस्टिक गतिविधियों, पीएमआई विस्तार और मजबूत मांग ने योगदान दिया।

कश्मीर में सूखे का खतरा- स्कॉस्ट-कश्मीर ने किसानों को जारी की अर्जेंट एडवाइजरी

- किसानों से कहा गया, वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं

श्रीनगर। शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ कश्मीर (स्कॉस्ट-कश्मीर) के विशेषज्ञों ने कश्मीर घाटी में लगातार बढ़ते तापमान और बारिश की कमी को देखते हुए किसानों के लिए शुक्रवार को एक अर्जेंट एडवाइजरी जारी की। किसानों से कहा गया है कि वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं। फलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह यह है कि पेड़ों के बेसिन में 4-6 इंच ऑर्गेनिक मल्च जैसे धान का भूसा या घास की कतरन डाली जाए। स्कॉस्ट विशेषज्ञों ने पॉलीथीन जैसी इनऑर्गेनिक मल्च के इस्तेमाल से बचने की चेतावनी दी है, क्योंकि यह मिट्टी का तापमान बढ़ा सकता है और जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। सिंचाई की कमी वाले खेतों में जब तक मिट्टी में पर्याप्त नमी न हो, फर्टिलाइजर का इस्तेमाल न करें। गेहूं, सरसों और मटर की फसलों में इंटरकल्चरल ऑपरेशन से खरपतवार हटाना प्राथमिकता हो। यूरिया का इस्तेमाल 2.5 किलोग्राम प्रति कनाल तक सीमित होना चाहिए और केवल तभी जब मिट्टी में नमी पर्याप्त हो। ट्यूलिप की खेती में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और बार-बार सिंचाई करने की सलाह दी गई है। टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च और पत्तागोभी के नर्सरी बैड को शैड नेट या पुआल से ढककर गर्मी के तनाव को कम किया जा सकता है। मछली पालन में एरेशन सिस्टम से घुले ऑक्सीजन को 6 एम.जी./लीटर से ऊपर बनाए रखना अनिवार्य है। पानी की गहराई 1.5-2 मीटर रखी जाए और कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्रों में फीडिंग रेट 1-1.5 फीसदी वजन तक कम करें। इस मौसम में मछलियों की सेहत के लिए विटामिन-सी और प्रोबायोटिक्स के साथ हाई-प्रोटीन फ्लोटिंग पेलेट्स का प्रयोग जरूरी है।

सोना-चांदी में तेजी, अमेरिकी जॉब डेटा से बढ़ा निवेशकों का दबाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही। सोने का भाव 104 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस बढ़कर 5182 डॉलर पर पहुंच गया। वही सिल्वर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स 3.15 डॉलर बढ़कर 85.33 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस पर कारोबार कर रहे थे। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका से आए कमजोर जॉब आंकड़े हैं। फरवरी में 92,000 नौकरियां गईं, जबकि अर्थशास्त्रियों को केवल 50,000 नौकरियों की उम्मीद थी। बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक बढ़ गई है। कमजोर रोजगार आंकड़े अमेरिकी सेंट्रल बैंक पर ब्याज दरों में कटौती का दबाव बढ़ा रहे हैं। भारतीय बाजार में एमसीएक्स फ्यूचर्स में सोने ने 2839 रुपये की तेजी के बाद 162,512 रुपये प्रति 10 ग्राम छुआ। चांदी ने 8309 किलोग्राम की उछाल के साथ 270,500 रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर प्राप्त किया। हालांकि, सर्राफा बाजार में मुनाफावसूली के चलते सोना 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 600 रुपये गिरकर 2,71,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

अदानी ने बढ़ाए तीन गुना गैस के रेट, आम लोगों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली । देश में गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह द्वारा आपूर्ति की जाने वाली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) की कीमतों में अचानक तीन गुना तक बढ़ोतरी की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक गैस का दाम करीब ₹40 प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़ाकर लगभग 120 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी को लेकर कई सामाजिक और राजनीतिक वर्गों में चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि इतनी बड़ी कीमत वृद्धि से घरेलू पाइप्ड गैस (पीएनजी) और औद्योगिक गैस की लागत पर सीधा असर पड़ सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि ऐसी परिस्थितियों में गैस की कीमतों पर नियंत्रण और पारदर्शिता जरूरी है। उनका आरोप है कि संकट के समय कंपनियों को अत्यधिक मूल्य वृद्धि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि सरकार या कंपनी की ओर से इस बढ़ोतरी पर आधिकारिक विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति की स्थिति भी कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखा एक साल से भी ज्यादा का दबाव

- कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया

मुंबई ।

इस हफ्ते 6 मार्च को समाप्त भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाया। परिणामस्वरूप हफ्ते के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह होली के अवसर पर शेयर बाजार 3 मार्च को बंद रहा, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को ही बाजार लाल निशान में शुरू हुआ। शुरुआती सत्र में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 312.95 अंक की गिरावट के साथ 24,865.70 पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत निवेशकों की सतर्कता को बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। बुधवार को भी स्थिति अनुकूल नहीं रही। सेंसेक्स 1,122.66 अंक गिरकर 79,116.19 पर और निफ्टी 385.20 अंक गिरकर

24,480.50 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उछाल और एक दिन की राहत के कारण बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 पर और निफ्टी 285.40 अंक की तेजी के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को फिर से बाजार दबाव में आया। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और एफआईआई की बिकवाली ने सेंसेक्स 1,097 अंक गिराकर 78,918.90 पर और निफ्टी 315.45 अंक गिराकर 24,450.45 पर बंद कराया। इस तरह सप्ताह के अंत तक निवेशकों में सतर्कता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति साफ तौर पर दिखाई दी।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के 'M' प्रोग्राम से जुड़ीं 30,000 से अधिक महिलाएं, डिजिटल बैंकिंग में आई तेजी

मुंबई ।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने विशेष महिला बैंकिंग कार्यक्रम 'रू' की शानदार सफलता की घोषणा की है। नवंबर 2025 में लॉन्च होने के बाद से इस कार्यक्रम ने मात्र चार महीनों में 30,000 से अधिक महिला ग्राहकों को अपने साथ जोड़ा है, जिसमें प्रति माह औसतन 7,500 महिलाएं शामिल हो रही हैं। बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस कार्यक्रम से जुड़ी 60 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल बैंकिंग का सक्रिय रूप से उपयोग कर रही हैं, जबकि 40 प्रतिशत महिलाएं नियमित रूप से यूपीआई के माध्यम से डिजिटल लेनदेन कर रही हैं। विशेष रूप से जयपुर, सूरत, अहमदाबाद, जोधपुर और हरियाणा के प्रमुख जिलों में इस कार्यक्रम के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बैंक द्वारा व्हील्स लोन और माइक्रोबिज़नेस लोन पर 0.2 प्रतिशत की विशेष रियायती ब्याज दर प्रदान की जा रही है। बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम तिब्रेवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम गृहणियों और स्वरोजगार वाली महिलाओं को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़कर उन्हें वास्तविक वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान कर रहा है।

ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी भारतीय महिलाओं के बढ़ते डिजिटल आत्मविश्वास और उद्यमशीलता की सराहना की है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ने सौंदर्य, फैशन और वेलनेस श्रेणियों में विशेष लाइफस्टाइल ऑफर्स भी पेश किए हैं जो 31 मार्च 2026 तक मान्य रहेंगे।

टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र में गैस संकट, 50 फीसदी गिर सकता है उत्पादन

- कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लगभग 45 फीसदी रखती है हिस्सेदारी

अहमदाबाद । पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष का प्रत्यक्ष असर अब भारतीय ऑटो उद्योग पर दिखने लगा है। प्राकृतिक गैस और प्रोपेन की कमी के कारण टाटा मोटर्स को गुजरात के साणंद स्थित अपने संयंत्रों में उत्पादन में 50 फीसदी तक की कटौती करनी पड़ सकती है। गुजरात गैस लिमिटेड ने पुष्टि की कि देश के प्रमुख गैस आपूर्तिकर्ताओं ने उद्योगों को गैस की आपूर्ति आधी कर दी है। साणंद प्लांट में गैस का इस्तेमाल मुख्य रूप से पेंट-शॉप ओवन को गर्म करने और पेंट को सुखाने (क्युरिंग) के लिए किया जाता है। बिना पेंट किए वाहन स्टॉक में नहीं रखे जा सकते, इसलिए उत्पादन लाइन को रोकना ही एकमात्र विकल्प बचता है। साणंद में टाटा मोटर्स के दो संयंत्र हैं, जिनकी सालाना क्षमता 4,50,000 से अधिक कारों की है। यहां नेक्सॉन, टियागो, टिगोर, सिएरा, कर्व और इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन होता है। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लगभग 45 फीसदी हिस्सेदारी रखती है। हालांकि कारों की मांग बढ़ी हुई है। फरवरी में बिक्री में 35 फीसदी वार्षिक वृद्धि और निर्यात में 167 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। लेकिन गैस संकट से उत्पादन बाधित होने से मांग और सप्लाई में असंतुलन हो सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में भारत-न्यूजीलैंड की टक्कर, इतिहास रचने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में दोनों टीमें खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए यह मैच कई मायनों में ऐतिहासिक हो सकता है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया के पास लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने और नया रिकॉर्ड बनाने का शानदार मौका है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम पहली बार इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को अपने नाम करने की कोशिश करेगी।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में नजर आया है। टीम ने लीग स्टेज से लेकर सेमीफाइनल तक लगातार दमदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था और आखिरी ओवर तक मैच का नतीजा तय नहीं हो पाया था। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई और फाइनल का टिकट हासिल किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने भी टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाया है। कीवी टीम ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। उस मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी में टीम आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है और पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने का सपना साकार करने के करीब है। भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन का प्रदर्शन बेहद अहम रहा है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रनों की शानदार पारी खेली थी। इन पारियों ने भारत की फाइनल तक की राह आसान बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

हालांकि फाइनल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती होगी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड को जीत मिली है। ऐसे में भारतीय टीम के पास इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारने का भी सुनहरा मौका होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे किया जाएगा। मैच से पहले शाम 5:30 बजे एक भव्य प्री-शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारतीय गायक सुखबीर और फाल्गुनी पाठक अपनी प्रस्तुति देंगे। क्रिकेट प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह फाइनल मुकाबला रोमांच और यादगार पलों से भरपूर होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान) अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज. रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैककॉन्ची।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहद खराब

टी20 विश्व कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। अब तक इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला 2021 में दुबई में खेला गया था। उस समय भारतीय टीम की कप्तानी विराट कोहली के हाथों में थी और उस मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया था। उस हार ने भारत के अभियान को भी प्रभावित किया था। हालांकि पिछले पांच सालों में दोनों टीमों में काफी बदलाव देखने को मिला है और अब कई नए खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन चुके हैं। 2021 के उस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में से केवल चार खिलाड़ी ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम में शामिल हैं। इनमें ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। बाकी खिलाड़ी या तो इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं या फिर टीम से बाहर हो गए हैं।

फाइनल से पहले न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने दी जसप्रीत बुमराह को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा है कि भारतीय तेज गेंदबाजी के स्टार जसप्रीत बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन उनका भी कभी-कभी प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। फिलिप्स ने यह बयान रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले दिया, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। फिलिप्स ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, बुमराह एक शानदार गेंदबाज हैं। उनके पास कई तरह के वैरिएशन हैं और वह डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। लेकिन वह भी इंसान हैं और कभी-कभी उनका दिन खराब हो सकता है। हमारी टीम यही उम्मीद रखती है कि फाइनल में कुछ मौके हमें मिलेंगे, जिनका हम पूरा फायदा उठाएंगे।

फिलिप्स ने इंग्लैंड के पिछले मुकाबले का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने अंतिम ओवरों में बुमराह के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और खुद को जीत का मौका बढ़ाया। फिलिप्स ने कहा, इंग्लैंड ने बुमराह के खिलाफ सही रणनीति अपनाई थी और आखिरी दो ओवरों में उनके ऊपर दबाव बनाया। हमें भी फाइनल में उनके किसी भी चूक का फायदा उठाना होगा। फिलिप्स ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों की संख्या भारत की तुलना में कम है, लेकिन टीम का हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम विशेष रूप से तैयार किया गया है ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन कर सके। उन्होंने अहमदाबाद की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की आबादी लगभग 9.3 मिलियन है, जबकि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 5.36 मिलियन है, जो टीम के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज 4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा।

बाबर बांग्लादेश दौरे के लिए शामिल नहीं किये गये

लाहौर (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज पाकिस्तान टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम पर गिरी है। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश में होने वाली एकदिवसीय सीरी के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप में बाबर सहित पाक टीम का प्रदर्शन खराब रहा है। इस टूर्नामेंट में बाबर ने पूरे टूर्नामेंट के 6 मैचों में केवल 91 रन ही बनाए। इस सीरीज के लिए तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाया गया है। शाहीन का भी प्रदर्शन हालांकि टी20 विश्व कप में अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 5 मैचों की 5 पारियों में 8 विकेट लिए। जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर चार विकेट रहा है। ये सीरीज 11 से 15 मार्च के बीच खेली जाएघी। तीनों ही मुकाबले ढाका के शेरे बंग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 11 मार्च को दूसरा एकदिवसीय 13 मार्च, तीसरा और अंतिम मैच 15 मार्च को खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले सैंटनर का बड़ा बयान, बोले - भारत पर होगा घरेलू दबाव

अहमदाबाद (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टी20 के फाइनल से पहले बड़ा बयान देते हुए कहा है कि मेजबान होने के कारण भारत पर खिताब जीतने का अतिरिक्त दबाव रहेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह खिताबी मुकाबला रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैंटनर ने कहा कि घरेलू मैदान पर खेलने के कारण भारतीय टीम को दर्शकों की बड़ी उम्मीदों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य मैच के दौरान भीड़ को शांत करना होगा। सैंटनर के मुताबिक भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन मेजबान होने के कारण उन पर दबाव भी ज्यादा रहेगा।

न्यूजीलैंड कप्तान ने कहा कि उनकी टीम इस बड़े मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित है और खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि टीम पहले भी भारत के खिलाफ खेल चुकी है, इसलिए किसी खास रहस्य की बात नहीं है। उनके अनुसार फाइनल एक मैच का मुकाबला होता है और उस दिन जो टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी वही जीत दर्ज करेगी। पिच को लेकर सैंटनर ने कहा कि उन्होंने अभी तक मैदान की सतह नहीं देखी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अहमदाबाद में हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है, क्योंकि यह मैदान बल्लेबाजों के लिए मददगार माना जाता है।

सैंटनर ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं और उनकी यॉर्कर तथा बाउंसर किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौती बन सकती है। बुमराह ने टूर्नामेंट में अब तक 10 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी खतरनाक गेंदबाज बताया और कहा कि वह इस प्रतियोगिता में बेहतरीन फॉर्म में हैं। वरुण अब तक 13 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं। सैंटनर ने यह भी कहा कि उनकी टीम पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है और फाइनल में भी वही लय बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर मौका मिला तो न्यूजीलैंड भारत को हराकर ट्रॉफी जीतने से पीछे नहीं हटेगी, भले ही इससे भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट जाए।

रोनाल्डो की चोट गंभीर, पुर्तगाल की तरफ से खेलना संदिग्ध

रियाद। अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नासर की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।'' पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा। उन्होंने अल नासर की तरफ से इस सत्र में 22 लीग मैच में 21 गोल किए हैं।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

मुंबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रूक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरें है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे। ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रूक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी पर सेमीफाइनल में 7 रनों से हार गयी।

रवि शास्त्री बोले- फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि संजु सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शॉट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शॉट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए।

हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भारत की नजरें विश्व कप टिकट पर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला राष्ट्रीय फील्ड हॉकी टीम रविवार से हैदराबाद, तेलंगाना में शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में मजबूत प्रदर्शन करते हुए महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में अपनी जगह पक्की करने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया की टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुल आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है, जहां ग्रुप ए में इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स की टीमें हैं। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इसके बाद विजेता टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी, जबकि हारने वाली टीमों के बीच कांस्य पदक के लिए मुकाबला होगा। इस प्रतियोगिता में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाली टीमों को सीधे 2026 के महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन मिल जाएगा। इसके अलावा चौथे स्थान पर रहने वाली टीम में से यदि वह विश्व रैंकिंग में सबसे ऊंचे स्थान पर है तो उसे भी विश्व कप में प्रवेश मिल सकता है। आने वाले विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें से प्रत्येक वर्ग में नौ टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं।

मेजबान होने के कारण भारतीय टीम को घरेलू मैदान और दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे टीम का मनोबल और मजबूत होगा। भारतीय टीम हाल ही में नियुक्त मुख्य कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में इस टूर्नामेंट में उतर रही है और टीम का लक्ष्य लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व कप में जगह सुनिश्चित करना है। वर्तमान में भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और इंग्लैंड के बाद इस टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ऊंची रैंक वाली टीम मानी जा रही है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ मैच से करेगा। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। इन शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह आसान कर सकता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम अब तक विश्व कप के आठ संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में रहा था, जब भारतीय टीम चौथे स्थान पर पहुंचने में सफल रही थी। टूर्नामेंट से पहले भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि घरेलू मैदान पर क्वालिफायर खेलना टीम के लिए बेहद खास अवसर है। उन्होंने बताया कि टीम इस प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और सभी खिलाड़ी एक-एक मैच पर ध्यान देते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, ताकि भारत विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित कर सके।

सैम करन के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया श्रीकांत ने की कड़ी टिप्पणी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने 253 रन बनाकर इंग्लैंड को मात्र सात रन से मात दी और फाइनल में प्रवेश किया। इस रोमांचक मुकाबले के बाद पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। इस मैच में भारत ने 20 ओवर में 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाया। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने रन रोकने के लिए संघर्ष किया और खासकर सैम करन का चार ओवर का स्पेल काफी महंगा रहा, जिसमें उन्होंने 53 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया। पूर्व भारतीय ओपनर क्रिस श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर करन की कड़ी आलोचना की। उनका कहना है कि करन ने मैच के अहम समय में बहुत ज्यादा गेंदें खेलीं और इंग्लैंड की रन गति धीमी कर दी। इसके कारण जैकब बेथेल पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। श्रीकांत ने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाज को तेज स्ट्राइक रेट और बड़े शॉट खेलने की जरूरत होती है, लेकिन करन इसमें नाकाम रहे और उनकी पारी मैच के हिसाब से प्रभावी नहीं रही। इंग्लैंड की ओर से सबसे आकर्षक प्रदर्शन जैकब बेथेल का रहा। उन्होंने सिर्फ 48 गेंदों में 105 रन बनाए और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों के कमजोर प्रदर्शन ने टीम को जीत से दूर रखा। सैम करन ने 14 गेंदों पर केवल 18 रन बनाए। इसके अलावा श्रीकांत ने जोस बटलर और फिल सॉल्ट के प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। बटलर ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाए और पूरे टूर्नामेंट में आठ पारियों में केवल 87 रन ही जुटाए। फिल सॉल्ट भी निर्णायक मौके पर प्रभावी नहीं रहे। इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 246/7 पर रोकते हुए जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड के लिए यह हार निराशाजनक रही, खासकर जब जैकब बेथेल ने शतक लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया था।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

- वर्ल्ड नंबर 6 को हराकर रचा इतिहास, बर्मिंघम में अकेले भारतीय खिलाड़ी के रूप में लक्ष्य की स्वर्णिम दौड़

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन के युवा स्टार लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार रात खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और पूर्व चैंपियन चीन के ली शि फेंग को सीधे गेमों में 21-13, 21-16 से शिकस्त दी। ठीक एक घंटे चले इस कड़े मुकाबले में लक्ष्य ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और लंबी रैलियों के बीच धैर्य बनाए रखा। इस जीत के साथ ही लक्ष्य अब प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड खिताब जीतने से महज दो कदम दूर रह गए हैं।

2022 के फाइनलिस्ट रहे 24 वर्षीय लक्ष्य सेन इस टूर्नामेंट में बचे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उनके अन्य साथी खिलाड़ी पहले ही राउंड में बाहर हो गए थे, जबकि स्टार शटल पैल पीवी सिंधु मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण बर्मिंघम नहीं पहुंच सकीं। लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत डिफेंडिंग चैंपियन शि यू की को हराकर की थी, जिससे उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। ली शि फेंग के खिलाफ मिली इस जीत ने उनके 'हेड टू हेड' रिकॉर्ड को भी बेहतर कर दिया है। अब सेमीफाइनल में लक्ष्य का मुकाबला कनाडा के विक्टर लाई से होगा, जिन्होंने जापानी खिलाड़ी को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

मैच के बाद लक्ष्य सेन ने बताया कि लंबी रैलियों के कारण दोनों खिलाड़ी शारीरिक रूप से थक रहे थे, लेकिन कोच की सलाह पर उन्होंने अपनी गलतियों को कम किया और जीत पक्की की। लक्ष्य ने फिलहाल खिताब के बारे में सोचने के बजाय अपना पूरा ध्यान रिकवरी पर केंद्रित करने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एक समय में एक ही मैच पर ध्यान देना है। भारतीय खेल प्रेमी अब रविवार को होने वाले संभावित फाइनल की उम्मीद लगाए बैठे हैं, जहाँ लक्ष्य भारत के लिए वर्षों पुराना सूखा खत्म कर इतिहास रच सकते हैं।

सृजन, शक्ति का पर्याय है नारी,
त्याग, समर्पण की मिशाल है नारी।
मां, बहिन और पत्नि भी है नारी,
इस दुनियां में बेमिशाल है नारी।

नारी में जहां एक ओर कोमलता, भावुकता, संवेदनशीलता, प्रेम, दया, करूणा और सेवा की भावना है वहीं दूसरी ओर वह त्याग, वीरता और समर्पण की प्रतिमूर्ति भी है। वह एक चंचल नदी के सदृश्य राग, द्वेश ईर्ष्या रूपी कीचड़ को दूर कर निर्झर पावन सलिला सी आगे बढ़ती जाती है। आज हमारे समाज में महिला साक्षरता में आशातीत वृद्धि हुई है। महिलाएं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरुक भी हुई है। हम नारियों को भ्रष्टाचार, यौन शोषण, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के विरुद्ध ठोस कदम उठाना होगा, तभी इनका उन्मूलन हो सकेगा। पुरुषों को अपनी पुरुष प्रधान मानसिकता को बदलना होगा।

नारी कदम
प्रगति पथ पर अग्रसर

(डॉ.संध्या शुक्ल 'मृदुल', जबलपुर)

इतिहास साक्षी है कि हर काल में नारी पूजनीय एवं वंदनीय रही है। नारी ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति जागरुक कराने हेतु प्रति वर्ष 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है। महिला दिवस मनाने की परंपरा लगभग 100 वर्ष पुरानी है। 1908 में न्यूयार्क सिटी में 15000 कामकाजी महिलाओं ने अपनी कुछ मांगों को पूरा करवाने हेतु एक विशाल रैली निकाली थी। इसके बाद 1909 में 28 फरवरी को पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष मनाने की घोषणा की गई। 1913 में भारत शासन ने 8 मार्च को हमेशा के लिए महिला दिवस की तिथि नियत कर दी। विश्व स्तर महिलाओं के महत्व को स्वीकारते हुए संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1975 को महिला वर्ष घोषित किया है। भारत में जहां सीता, सती सावित्री, गार्गी आदि विदुषी महिलाओं ने अपने कार्यों की अमिट छाप छोड़ी है, वहीं मातृभूमि की रक्षा की खातिर देश पर मर मिटने वाली लक्ष्मीबाई, अवंती बाई, दुर्गावती, झलकारी बाई आदि के अप्रतिम शौर्य, साहस और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। इन नारियों के लिए कहा जा सकता है-

सती सावित्री, और सीता,
इंदिरा और लक्ष्मी रानी हूं।
देश पर मर मिटने वाली,
अवंती और दुर्गा रानी हूं।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में श्रीमती सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी, विजयलक्ष्मी पंडित, ऐनी बेसेंट, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि अनेक महिलाओं ने तन, मन, धन से सहयोग दिया है। स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की ऐसी भागीदारी देखकर महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि भारत की नारी इस प्रकार जागृत हो जाये तो कोई भी ताकत देश को स्वतंत्र होने से नहीं रोक सकती।

नारी केवल घर की शोभा नहीं है वरन् समय-समय पर उसने घर से निकलकर समाज और राष्ट्र के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। मध्य काल में जहां रानी अहिल्याबाई एवं जीजाबाई ने कुशल प्रशासन व न्यायप्रियता का परिचय दिया है, वहीं रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गावती और अवंतीबाई ने देश की रक्षा की खातिर एक वीर योद्धा की भांति लड़ते-लड़ते स्वयं को कुर्बान कर वीरता की मिशाल कायम की है।

साहित्य के क्षेत्र में महादेवी वर्मा, और सुभद्रा कुमारी चौहान ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक चेतना जागृत की और लोगों के हृदय में स्वतंत्रता के प्रति राष्ट्रीय भावना पैदा की थी। वर्तमान समय में नारी ने द्रुत गति से प्रगति पथ पर कदम बढ़ाये हैं। आज वह हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम कर रही है। खेल जगत में जहां एक ओर सानिया मिर्जा ने अल्प समय में नारी खेल प्रतिभा के रूप में ख्याति अर्जित की है वहीं किरण वेदी जैसी सशक्त नारी ने एक लंबे समय तक पुलिस आफीसर के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा की कमान थाम अपनी अभूतपूर्व क्षमता का परिचय दिया। लौह नारी और राजनैतिक जगत की आंधी को कौन नहीं जानता? जिन्होंने अपने मधुर स्वभाव, कुशल प्रशासनिक क्षमता व बेहद लगनशीलता के कारण राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है और अनेक वर्षों तक कुशलता पूर्वक इस देश की प्रशासनिक बागडोर सम्हाले रखा व जन-जन की प्रिय नेता के रूप में जानी गयीं। जी हां, वो नारी इंदिरा गांधी ही थीं। आज भी नारी शक्ति की प्रतीक सोनिया गांधी अखिल भारतीय स्तर पर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपने राजनैतिक दायित्वों का पूरी कर्मठता के साथ निर्वहन कर रहीं हैं।

आज घर से निकलकर जहां नारी ने समाज एवं देशहित में योगदान दिया है वहीं उसने हिमालय की चोटी और अंतरिक्ष में पहुंचकर अदम्य नारी शक्ति का परिचय दिया है। अंतरिक्ष में सर्वप्रथम कदम रखने वाली कल्पना चावला के बाद भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छः माह तक रहने की घोषणा कर नारी शक्ति का अहसास कराया है, तथा समाज एवं देश के लिए एक मिशाल कायम की है। वे 15 जुलाई 2012 को अंतरिक्ष में गई थीं, और वे 127 दिनों तक अंतरिक्ष में रहीं। पूर्व में भी वे 9 दिसंबर 2006 से 22 जून 2007 तक अंतरिक्ष में रह चुकी हैं। कुल मिलाकर उन्होंने 322 दिन अंतरिक्ष में बिताए हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली वे दूसरी अनुभवी महिला हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ प्रतिज्ञ महिलाओं के लिए कोई कार्य असंभव नहीं है। पूर्व में श्रीमती प्रतिभा पाटिल राष्ट्रपति के रूप देश की बागडोर संभाली वहीं वर्तमान में सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बैनर्जी, मीरा कुमार देश के राजनैतिक क्षेत्र में अपना सशक्त योगदान दे रहीं हैं। निःसंदेह ये नारियां वंदनीय, सम्मानीय और नारी शक्ति के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

नारी में जहां एक ओर कोमलता, भावुकता, संवेदनशीलता, प्रेम, दया, करूणा और सेवा की भावना है वहीं दूसरी ओर वह त्याग, वीरता और समर्पण की प्रतिमूर्ति भी है। वह एक चंचल नदी के सदृश्य राग, द्वेश ईर्ष्या रूपी कीचड़ को दूर कर निर्झर पावन सलिला सी आगे बढ़ती जाती है। आज हमारे समाज में महिला साक्षरता में आशातीत वृद्धि हुई है। महिलाएं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरुक भी हुई है। हम नारियों को भ्रष्टाचार, यौन शोषण, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के विरुद्ध ठोस कदम उठाना होगा, तभी इनका उन्मूलन हो सकेगा। पुरुषों को अपनी पुरुष प्रधान मानसिकता को बदलना होगा। वे नारियों को हाड़-मांस का पुतला नहीं वरन अपनी सहकर्मी, सच्ची दोस्त, आदर्श पत्नी एवं समकक्ष मानें और अपनी कुत्सित भावनाओं का परित्याग कर नारियों के प्रति आदर व सम्मान की भावना रखें, तभी नारी सशक्तिकरण की कल्पना साकार होगी।

नारियों के लिए यदि ऐसा कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी कि,

एक कदम गर मेरा बढ़ाओगे,
दस कदम स्वयं बढ़ लूंगी मैं।
प्यार और प्रोत्साहन जो दोगे,
अंतरिक्ष छूकर दिखा दूंगी मैं।

नारी महिमा

-ऊषा शिवहरे 'नीरांजना', दमोह

नारी तू बड़ भाग्यनी, बहुत तपस्या कीन्ह।
तीन लोक चौदह भवन, हैं तेरे आधीन।।

शक्ति से शव शिव बने, जीवन के आधार।
लक्ष्मी संग विष्णु बने, जग के पालनहार।।

नारी तू कुलतारिणी, घर को स्वर्ग बनाये।
घर रहता तेरा ऋणी, गृहणी तू कहलाये।।
नारी तू है धारिणी, सत्यशील क्षमावान्।
धैर्य धरे दाता बनी, कहते अवनि समान।।

नारी तू अनुगामिनी, पति संग चलती जाये।
हर विपदा खुद सहे, पति को रहे बचाये।।
नारी धुरी परिवार की, सबको साथ चलाये।
पर जब वह चाहे यही, कोई साथ न आये।।

नारी प्रेम परी है, सब पर प्रेम लुटाये।
चाह उसे भी प्रेम की, पर रहे प्रेम ललाय।।
नारी हरदम बनी भोग्या, भोग सकी न भोग।
भोगत-भोगत चल बसी, हो मौन परलोक।।

नारी अबला अब नहीं, न ही है लाचार।
सहने की क्षमता अधिक, कोमल हरदम अपार।।
शिक्षित सक्षम वो बनी, सत्य धर्म आधार।
ले संकल्प प्रगति का, सृजन करे संसार।।

नारी से नर बने, बिन नारी नर नाये।
बात नेक सी है, पर समझ काय न आये।।

नर-नारी दो पलड़े, मिलकर तुला बनाये।
बिना दोनों के संतुलन, सही तौल न कहाये।।

नर-नारी दो चाक, रथ में एक समाय।
एक-दूजे के बिना, रथ सरक न पाये।।
नारी नर से भली, दुःख सह सुख दे जाये।
पर नर सुख वास्ते, दुःख देता ही जाये।।

नर से नारी का बैर नहीं, न उसे अभिमान।
करे गुजारिश वह जरूर, करो न उसका अपमान।।

नारी

- सरिता गुप्ता, दिल्ली

मुझे गुरुर मैं नारी हूं
शबनम हूं चिंगारी हूं
कदम-कदम पर ठोकर खायी
पर न फिर भी हारी हूं
मैं ममता का सागर हूं
मैं करूणा की प्याली हूं
पर आन पे जब बन जाती
बनती तभी कटारी हूं
कोमल हूं सुकुमारी हूं
इकली सौ पर भारी हूं
अपनों पर मिट जाती हूं
कदमों में बिछ जाती हूं
पर जब अपने ही छलते हैं
तब मैं टूट जाती हूं
'सरिता' बनकर बहती हूं
हर गम में खुश रहती हूं
हर गम को आंख में पीती हूं
किसी से कुछ नहीं कहती हूं,
सारी दुनिया से न्यारी हूं
मुझे गुरुर मैं नारी हूं
शबनम हूं चिंगारी हूं...।

नारी एक-रूप अनेक

नारी तो प्यारी है, प्यार की पुजारी है।
पूजे भी नारी और पूज्य भी नारी है।
नारी एक अनेक रूप धारी है,
अवनि वन, जग की आधारी है।
राष्ट्रवन, वीरों की महतारी है,
शक्तिवान दुष्टों की संहारी है।
(सावित्री) प्रेयसी बन, पति को तारी है।
नारी ही नर की दाता, धैर्य की भंडारी है।
नारी तो नियति की कृति अति न्यारी है।
आंचल में क्षीर, नयनों में नीर
हृदय में धीर, विपत्ती में वीर
हो अति गंभीर, जग को संवारी है
देके दुलार, जगताधार की दुलारी है
नारी नहीं हारी, न अबला बेचारी है
नारी तो नियति की कृति अति न्यारी है।

-ऊषा शिवहरे 'नीरांजना', दमोह

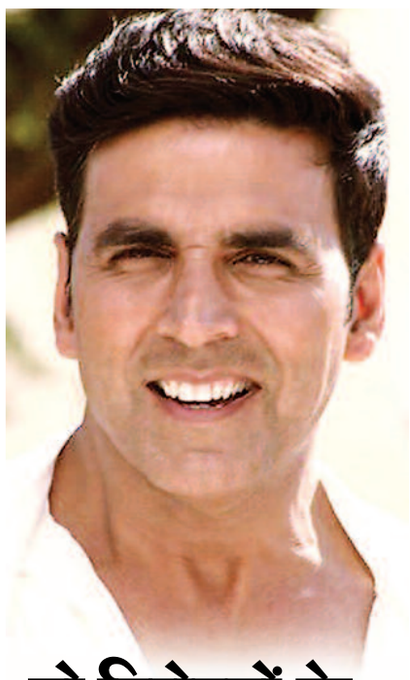

दो हिरोइनों के साथ इश्क लड़ाएंगे अक्षय कुमार?

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए अक्षय कमुार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी सोलह साल बाद लौट रही है। इसके अलाव अक्षय की पाइपलाइन में 'भागम भाग 2' भी है। इसकी कास्टिंग को लेकर भी लगातार नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब ऐसी खबरें हैं कि अक्षय 'भागम भाग 2' में दो अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते नजर आ सकते हैं।

इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करेंगे अक्षय

फिल्म की फीमेल कास्टिंग को लेकर वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि फिल्म में एक नहीं बल्कि दो अभिनेत्रियां हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय फिल्म में जिन दो अभिनेत्रियों के साथ नजर आएंगे, उनमें मीनाक्षी चौधरी और 'धुरंधर के 'शरारत' गाने से सुर्खियां बटोरने वाली आयशा खान के नाम शामिल हैं। फिल्म में तीनों के बीच रोमांटिक एंगल देखने को मिलेगा।

मनोज बाजपेयी के अपोजिट एक्ट्रेस का नहीं हुआ चयन

रिपोर्ट में आगे ये भी बताया गया है कि दोनों अभिनेत्रियां फिल्म की नई कहानी में अहम भूमिकाएं निभाने वाली हैं। 'भागम भाग 2' की कहानी गलत पहचान, कन्फ्यूजन और क्लासिक कॉमेडी-ऑफ-एरर्स से भरपूर होगी। हालांकि, अभी मनोज बाजपेयी के साथ एक्ट्रेस का चयन होना बाकी है।

प्रियदर्शन ने किया था 'भागम भाग' का निर्देशन

साल 2006 में आई 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। यह एक पॉलिटिकल सटायर फिल्म थी, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और गोविंदा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। इसके अलावा फिल्म में लारा दत्ता, राजपाल यादव, जैकी श्रॉफ, अरबाज खान, शक्ति कपूर, मनोज जोशी और असरानी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं।'

प्रतिभा रांटा ने बताया 'एक्यूज्ड' के किरदार में ढलने का पूरा प्रोसेस

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों ऐसी कहानियां ज्यादा पसंद की जा रही हैं, जो समाज के संवेदनशील मुद्दों को ईमानदारी से सामने लाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एक्यूज्ड' भी ऐसी ही एक कहानी लेकर आई है, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। इस फिल्म में अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के अभिनय को खास सराहना मिल रही है। अपने किरदार की जटिल मानसिक स्थिति को समझने और निभाने के लिए उन्होंने खास तैयारी की, जिसके बारे में उन्होंने खुलकर बात की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि उनके लिए इस किरदार की तैयारी आसान नहीं थी। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले मैंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा। बार-बार पढ़ने से मुझे किरदार की सोच और भावनाएं बेहतर ढंग से समझ में आईं। जब तक कलाकार अपने किरदार को अंदर से नहीं समझता, तब तक उसका अभिनय अधूरा रहता है, इसलिए मैंने रीडिंग सेशन को अपनी तैयारी का अहम हिस्सा बनाया।''

प्रतिभा ने कहा, ''फिल्म की डायरेक्टर अनुभूति कश्यप और को-स्टार कोंकणा सेन शर्मा के साथ कई वर्कशॉप्स की। इनमें खास-खास सीन्स पर विस्तार से बात की गई। जब हम तीनों एक साथ बैठकर किसी सीन की बारीकियों पर चर्चा करते तो उस सीन को लेकर मन में उठने वाले सवाल क्लियर हो जाते थे। इससे यह समझने में मदद मिली कि कैमरे के सामने जाते समय मुझे किस मानसिक स्थिति में रहना है और सीन को किस दिशा में ले जाना है।''

उन्होंने आगे कहा, ''शूटिंग के दौरान माहौल काफी सहज था। सेट पर पहुंचने के बाद कई बार कलाकार सीन में नए एक्सपेरिमेंट भी करते हैं। जब आप किरदार की भावनाओं में पूरी तरह डूब जाते हैं तो कई

चीजें खुद-ब-खुद सामने आने लगती हैं। कभी-कभी इम्प्रोवाइजेशन से सीन और भी ज्यादा प्रभावी बन जाता है। इस फिल्म में ऐसा कई बार हुआ, जब सीन इतने असली लगे जैसे वे किसी की वास्तविक जिंदगी का हिस्सा हों।''

फिल्म 'एक्यूज्ड' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। यह विषय काफी संवेदनशील है और समाज में कई तरह की बहस को जन्म देता है। फिल्म आरोप, सच और भावनाओं के टकराव को गंभीरता से दिखाती है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रतिभा ने कहा, ''मेरे लिए यह किरदार इसलिए खास था क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें थीं। कभी वह मजबूत दिखती है तो कभी टूटती हुई नजर आती है। इस तरह के किरदार को निभाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होता है। रीडिंग और वर्कशॉप्स ने मुझे अपने रोल की परतों को समझने में सबसे ज्यादा मदद की।''

''एक्यूज्ड' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

एक्टिंग डेब्यू के सवाल पर अमृता फडणवीस

प्लेबैक सिंगर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस इन दिनों अपने नए भक्ति गीत 'शंभू रे' को लेकर चर्चाओं में हैं। उनके इस गीत को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने संगीत सफर के बारे में बताया। साथ ही अभिनय क्षेत्र में कदम रखने के सवाल पर भी सटीक जवाब दिया। आईएएनएस ने अमृता फडणवीस से सवाल किया कि वह मनोरंजन जगत से काफी नजदीक से जुड़ी हैं, ऐसे में क्या उन्होंने कभी एक्टिंग करने के बारे में सोचा है? इस पर उन्होंने बताया, ''मुझे कई बार फिल्मों के ऑफर आते रहे हैं। लेकिन, हर बार मैंने इन ऑफर्स को विनम्रता के साथ मना किया है। मेरा मानना है कि हर इंसान का जीवन में एक रास्ता तय होता है और अभिनय मेरा रास्ता नहीं है। संगीत मेरा पहला और आखिरी प्यार है। यह वह कला है जो मुझे स्वाभाविक रूप से आती है और इसमें मैं खुद को पूरी तरह व्यक्त कर पाती हूं। मैं वही काम करना चाहती हूं, जिससे मैं पूरी ईमानदारी से जुड़ी रहूं और वह काम मेरे लिए संगीत ही है।''

अपने पैशन के बारे में बात करते हुए अमृता ने कहा, ''संगीत मेरे लिए सांस लेने जैसा है। जिस तरह इंसान बिना सांस के नहीं रह सकता, उसी तरह मैं संगीत के बिना खुद को अधूरा महसूस करती हूं। चाहे देर रात हो या सुबह का सुकून भरा वक्त, जब भी समय मिलता है, मैं शास्त्रीय संगीत का अभ्यास करती हूं। सुरों की साधना और रियाज मेरी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है।'' गौरतलब है कि 14 फरवरी को रिलीज हुआ भक्ति गीत 'शंभू रे' बेहद कम समय में दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस गीत को अब तक 9 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अमृता फडणवीस की आवाज में 'शंभू रे' का संगीत मोटी शर्मा ने तैयार किया है, जिन्होंने सुरों के जरिए शिवभक्ति को नई गहराई दी है। वहीं, गीत के बोल सृजन विनय वैष्णव ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन राजीव वालिया ने किया है और इसे भगवान शिव से जुड़े '27 पवित्र स्थलों' पर फिल्माया गया है।

नीरज पांडे डायरेक्ट करेंगे आरडी बर्मन की बायोपिक

लेजेंड्री सिंगर और कंपोजर आरडी बर्मन की बायोपिक मेगा स्कैल पर बन रही है। ये भारत की सबसे चर्चित अपकमिंग फिल्मों में से है, जिसे कमल जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, आरडी बर्मन की बायोपिक के प्रोड्यूसर इस फिल्म को मेगा-स्केल पर, भारत में पहले कभी न देखे गए सिनेमाई अनुभव के रूप में बनाने की योजना बना रहे हैं। यह बायोपिक पहले ही भारत से आने वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक के रूप में सुर्खियां बटोर रही है। और ऐसा होना स्वाभाविक भी है, एक ऐसे देश में जो संगीत को जीता है, वहां महानतम दिग्गज आरडी बर्मन के असाधारण जीवन और विरासत को बड़े पर्दे पर लाने से बड़ा विषय और कोई नहीं हो सकता। फिल्ममेकर एवं निर्देशक नीरज पांडे अपनी प्रशंसित फिल्मों जैसे ए वेंसडे, बेबी, स्पेशल और ब्लॉकबस्टर बायोपिक एम.एस.धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी के लिए जाने जाते हैं।

प्रोड्यूसर कमल जैन ने हाल ही में अत्यंत सफल पीरियड ड्रामा मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी का निर्माण किया था, जिसमें कंगना रनौत मुख्य भूमिका में थीं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बने हॉरर फिल्म तुम्बाड-2 का हिस्सा

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'तुम्बाड' के दूसरे सीज़न में नए किरदार की एंट्री हो चुकी है और फिल्म को और ज्यादा इंटरेस्टिंग बनाने के लिए फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को महत्वपूर्ण किरदार के साथ फिल्म में लाया गया है। उनका जुड़ना निर्माताओं के लिए एक साहसिक रचनात्मक कदम का संकेत है, क्योंकि अब सीक्वल पहले से और ज्यादा मजेदार होने वाला है। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'तुम्बाड' की सफलता के बाद मेकर्स ने फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने का फैसला लिया था। फिल्म के दूसरे सीजन में विनायक राव का किरदार निभाने वाले सोहम शाह को नवाजुद्दीन सिद्दीकी का हाथ मिल गया है। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर मजेदार फोटो शेयर की है जिसमें दोनों अभिनेताओं को एक रस्सी के सहारे मस्ती करते देखा जा रहा है। नए किरदार का परिचय कराते हुए सोहम ने लिखा, 'हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे समय के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी तुम्बाड-2 से जुड़ गए हैं।'

इस घोषणा के बाद भावनात्मक रूप से गहन अभिनय शैली के लिए जाने जाने वाले नवाजुद्दीन से सीक्वल की कहानी में जबरदस्त गहराई लाने की उम्मीद है। हालांकि उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि अभिनेता का किरदार मनोवैज्ञानिक तरीके से बहुत मजबूत होने वाला है। घोषणा के बाद फैंस अभिनेता के किरदार और फिल्म के रिलीज के बारे में जानने के लिए बेताब हैं। तुम्बाड-2 का हिस्सा बनकर अभिनेता भी बहुत खुश हैं। उनका कहना है, 'मैं हमेशा से ही 'तुम्बाड' की मौलिकता और माहौल बनाने वाली कहानी की खूब तारीफ करता आया हूं। जब सोहम ने सीक्वल का विजन साझा किया, तो मुझे कहानी पसंद आई और मैं उनके साथ इस सफर में जुड़ गया।

विनीत कुमार ने 'हैलो बच्चों' को बताया खास प्रोजेक्ट

विनीत कुमार सिंह स्टारर आगामी वेब सीरीज 'हेल्लो बच्चों' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह शो शिक्षक अलख पांडे और उनकी टीचिंग से प्रभावित छात्रों से प्रेरित है। यह शो अलग-अलग पृष्ठभूमियों के उन छात्रों की कहानी बताता है, जो अपने सपनों को एक ऐसे शिक्षक के समर्थन से पूरा करते हैं जो उन पर विश्वास करता है। बातचीत में विनीत ने बताया कि यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। बातचीत के दौरान उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, बदलाव की जरूरत और अपने निजी अनुभवों पर भी खुलकर बात की।

'हैलो बच्चों' आपके लिए क्या मायने रखती है?

यह मेरे लिए सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों की कहानी है जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते हैं। इसमें उनके माता-पिता भी शामिल हैं, जो बच्चों की सफलता के लिए दिन-रात संघर्ष करते हैं और शिक्षक भी, जो उन्हें सही दिशा देते हैं। यह शो इन सभी की भावनाओं, उम्मीदों और संघर्षों को सेलिब्रेट करता है। एक एक्टर के तौर पर यह जर्नी मेरे लिए इसलिए भी खास है क्योंकि मैं खुद मेडिकल बैकग्राउंड से हूं और स्टूडेंट लाइफ की मेहनत और दबाव को नजदीक से जानता हूं। यह दुनिया हमेशा कहीं न कहीं मेरी जिंदगी का हिस्सा रही है।

इस किरदार की तैयारी कैसी रही?

इस किरदार की तैयारी गहरी रिसर्च और लगातार ऑब्जर्वेशन मांगती थी, क्योंकि यह अलख पांडे से प्रेरित है, जिन्हें लाखों बच्चे फॉलो करते हैं। कोशिश यही थी कि मेरी तरफ से कोई कसर न रह जाए। असली फीडबैक दर्शक ही देंगे जब शो देखेंगे। मेरे लिए एक व्यक्तिगत फायदा यह था कि बचपन से ही मेरे घर में टीचिंग का माहौल रहा है। मेरे पिता गणितज्ञ हैं इसलिए शिक्षकों के धैर्य, समर्पण और स्टूडेंट्स की जर्नी को मैं बहुत करीब से समझता हूं।

बचपन की कोई ऐसी घटना जो आज भी दिल में बसी हो?

मेरे घर में शिक्षा और मदद का माहौल हमेशा रहा है। एक बार पापा मंदिर गए तो उन्हें एक लड़का मिला जो फीस न दे पाने की वजह से कॉलेज नहीं जा पा रहा था। पापा उसे घर लाए और हम सबको साफ निर्देश दिया कि उसकी हर जरूरत का ध्यान रखना है। पापा ने उसे हमें पढ़ाने के लिए लगा दिया और इस तरह वो खुद भी पढ़ता था और पैसे भी कमाता था। आगे जाकर उसी एक घंटे की क्लास ने उसकी पूरी हायर एजुकेशन का खर्च संभाल लिया। जिस दिन उसे अच्छी नौकरी मिली उसने पापा के पैर छूकर धन्यवाद कहा। यह घटना मेरे लिए जीवन भर की सीख रही।

क्या हमारे एजुकेशन सिस्टम में बदलाव जरूरी है?

यह एक बहुत जटिल विषय है और मैं इसमें विशेषज्ञ नहीं पर एक बात जरूर कहूंगा कि शिक्षा बुनियादी अधिकार है। किसी भी बच्चे की पढ़ाई सिर्फ पैसे की कमी की वजह से रुक जाए वो सही नहीं। हमारा सिस्टम ऐसा होना चाहिए जो बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करे, न कि उनके सपनों के रास्ते में रुकावट बने।

भारत में कोचिंग इंस्टिट्यूट्स और शिक्षा व्यवस्था को कैसे देखते हैं?

समय के साथ शिक्षा का स्वरूप लगातार बदलता रहा है। इंटरनेट आने से पहले यह सोचना मुश्किल था कि कोई छात्र घर बैठकर पढ़ सकता है। लेकिन कोविड के दौरान यह जरूरी हो गया। स्कूल बंद थे और पढ़ाई को किसी नए तरीके से आगे बढ़ना था। उस समय ऑनलाइन टीचर्स की अहमियत बहुत बढ़ी। उन्होंने ऐसे समय में भी बच्चों की पढ़ाई को जारी रखा, जब कोई और विकल्प नहीं था। मेरा मानना है कि शिक्षा व्यवस्था को समय के अनुसार खुद को अपग्रेड करते रहना चाहिए। जैसे हम फोन अपग्रेड करते हैं, वैसे ही शिक्षा का सिस्टम भी नए समय और जरूरतों के हिसाब से आगे बढ़ना चाहिए।

एक पिता के रूप में आपकी जिंदगी कैसे बदल गई है?

पिता होना बेहद खूबसूरत अहसास है। इसके साथ भावनात्मक पल भी आते हैं। हाल ही में जब मैं बाहर से लौटा तो मेरे बेटे ने मुझे पहचाना ही नहीं, क्योंकि पिछली बार मेरी दाढ़ी थी। इस बार मैंने शेव कर रखी थी तो वह मेरे पास नहीं आया। यह पल मेरे लिए बहुत गहरा था। अब काम जल्दी खत्म करके घर जाने का मन पहले से ज्यादा होता है। हम उसे स्क्रीन से दूर रखते हैं, इसलिए वीडियो कॉल भी कम करता हूं, ताकि उसे न लगे कि पापा फोन के अंदर रहते हैं।

सीकर में सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप, खाटूश्यामजी सहित कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

सीकर (एजेंसी)। (ईएमएस)। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र सीकर जिले में ही बताया गया है। झटके खाटूश्यामजी, रानोली, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित आसपास के कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। अचानक आए कंपन के कारण कई घरों में पंखे और बर्तन हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार झटके कुछ सेकंड तक ही महसूस हुए, लेकिन सुबह-सुबह भूकंप आने से लोग काफी घबरा गए और एहतियातन कुछ समय तक घरों के बाहर ही रहे। खाटूश्यामजी क्षेत्र में होटल और धर्मशालाओं में ठहरे श्रद्धालु भी झटके महसूस होने के बाद बाहर निकल आए। हालांकि प्रशासन और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं रही।

जींद की फैक्ट्री में भीषण अग्निकांड : 4 महिलाओं की जिंदा जलकर मौत, 20 मजदूर झुलसे

जींद (एजेंसी)। हरियाणा के जींद जिले के सफीदों इलाके में एक रंग-गुलाल बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। यह हादसा इतना भयानक था कि फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर बाहर से ताला लगा होने के कारण अंदर फंसे मजदूर बाहर नहीं निकल सके। परिणामस्वरूप चार महिला मजदूर जिंदा जलकर मर गईं, जबकि करीब 20 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए है। घटना भाट कॉलोनी स्थित फैक्ट्री में हुई, जहां होली के रंग और गुलाल का उत्पादन होता था। आग लगाने के दौरान फैक्ट्री में करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे। आग लगने की सूचना पाते ही लोग और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। बाहर से ताला लगा होने के कारण मजदूर अंदर फंस गए थे। लोगों ने दरवाजा तोड़कर कई मजदूरों को बाहर निकाला, लेकिन देरी होने से चार महिलाओं की मौत हो गई। दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। आग तेजी से फैल गई और पूरे परिसर में धुआं व लपटें उठने लगीं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायल मजदूरों को पहले सफीदों के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से कई गंभीर मरीजों को पानीपत के बेहतर अस्पताल रेफर किया गया। उनका इलाज जारी है। इलाके में मातम का माहौल है। मृतक महिलाओं के परिजन रो-रोकर बिलख रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि ताला लगे होने के कारण वे समय पर बाहर नहीं निकल सके, जिससे हादसा और भयानक हो गया। प्रशासन ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री मालिक से पूछताछ की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 10 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नेपाल, भारत और श्रीलंका से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने 77.60 किलोग्राम हैशिश ऑयल और 2 किलोग्राम चरस जब्त की है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एनसीबी के अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन में तस्करों द्वारा इस्तेमाल की गई दो कारें, एक मोटरसाइकिल और एक मछली पकड़ने वाली नाव भी जब्त की गई हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्कर समुद्री रास्तों और सीमावर्ती क्षेत्रों का इस्तेमाल करते हुए मादक पदार्थ भारत में लाते थे और फिर उन्हें विभिन्न राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाते थे। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक श्रीलंकाई शरणार्थी भी शामिल है, जिसे नेटवर्क की अहम कड़ी माना जा रहा है। एजेंसी उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह के अन्य सदस्य कौन-कौन हैं और यह नेटवर्क किन-किन देशों में फैला हुआ है। सूत्रों के अनुसार, गिरोह नेपाल और श्रीलंका के रास्ते मादक पदार्थ भारत में लाता था। एनसीबी को इस नेटवर्क की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की गई। एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन से अंतरराष्ट्रीय गिरोह सक्रिय हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि देश में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बादशाह के नए गाने पर विवाद, पुलिस और महिला आयोग ने उठाया कदम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणवी रैपर और सिंगर बादशाह के नए गाने 'टटीरी' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गाने में कथित अश्लील शब्दों और आपत्तिजनक दृश्यों का इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगे हैं। पंचकूला के एक व्यक्ति ने शिकायत की है कि वीडियो में 'पाठशाला' शब्द को बदलकर 'बादशाला' दिखाया गया और लड़कियों को स्कूल यूनिफॉर्म में डांस करते दिखाया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे स्कूल जैसी पवित्र जगह की छवि खराब होती है और बच्चों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने बादशाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इसमें इंडीसेंट रिप्रेजेंटेशन आफ वूमेन (प्रोहिविशन) एक्ट 1986 की धारा 3 और 4 तथा बीएनएस एक्ट की धारा 296 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई के बाद यूट्यूब ने भी विवादित गाने को अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया। हरियाणा महिला आयोग ने भी इस मामले पर गंभीर चिंता जताई और बादशाह को 13 मार्च को पानीपत डी.सी. ऑफिस में पेश होने का समन जारी किया। आयोग का कहना है कि वीडियो में हरियाणा की छात्राओं को आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है। आयोग ने फिल्म सेंसर बोर्ड से भी गाने पर रोक लगाने की मांग की है। सोशल मीडिया पर गाने को लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग इसे संस्कृति और छात्राओं की छवि के खिलाफ मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे केवल मनोरंजन का हिस्सा बता रहे हैं। विवाद लगातार बढ़ रहा है और 13 मार्च की पेशी पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग... उड़ान भरते ही अचानक धुआं निकला

-पायलट से सूझ-बूझ दिखाकर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। वे शनिवार सुबह राजधानी लखनऊ से कौशांबी जा रहे थे और सुबह ला मार्टिनियर स्कूल के ग्राउंड से उड़ान भरी। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर से अचानक धुआं निकलने लगा और 2000 फीट की ऊंचाई पर डिस्प्ले बोर्ड बंद हो गया। इसके बाद पायलट ने तकनीकी खराबी को समझते हुए तुरंत लखनऊ एटीसी से संपर्क कर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की इजाजत मांगी।

पायलट ने हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ते ही धुआं बढ़ गया और केबिन में फैल गया। सुरक्षा टीमों के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलीकॉप्टर को सुरक्षित रूप से अमौसी एयरपोर्ट पर उतारा गया। उपमुख्यमंत्री मौर्य तुरंत बाहर निकले आए और अब वे दूसरे हेलीकॉप्टर से कौशांबी के लिए रवाना होने वाले है। वहां उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य केशव बाबू सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, सयारा में दो दिवसीय सरस महोत्सव का उद्घाटन करने वाले है।

बात दें कि यह हेलीकॉप्टर यूपी सरकार का है और इसका संचालन नागरिक उड्डयन विभाग के तहत होता है। विभाग के निदेशक ईशान प्रताप सिंह हैं, जो सीएम योगी के विशेष सचिव भी हैं। केशव मौर्य के हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबियों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 28 फरवरी 2022 को चुनावी सभा के दौरान ईंधन की कमी के कारण कुशीनगर के महावीर इंटर कॉलेज मैदान में, 14 फरवरी 2019 को आजमगढ़ में और 30 मार्च 2018 को रायबरेली के फुरसतगंज में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। ला मार्टिनियर स्कूल से अमौसी एयरपोर्ट की हवाई दूरी करीब 11-12 किलोमीटर है। हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के 50 किलोमीटर दूर बछरावां तक पहुंचा था, जब तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। पायलट की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के कारण उपमुख्यमंत्री सुरक्षित रहे। इस घटना ने हवाई सुरक्षा और सरकारी उड़ानों की तकनीकी जांच की आवश्यकता को फिर से उजागर किया है।

मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं : धीरेंद्र शास्त्री

-बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर काशी पहुंचे एक माह तक रहेंगे एकांतवास में

वाराणसी (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं एक महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शात्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा कि परमिशन देना मेरा काम नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस मसले पर चुप्पी साध ली। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि काशी आना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहता है, क्योंकि यह भगवान शिव की नगरी है और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को प्रेरित करती है। उन्होंने इंडियन क्रिकेट टीम के फाइनल में पहुंचने पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इंडियन टीम निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी और देश का नाम रोशन करेगी। शास्त्री ने यह भी कहा कि भारत की सनातन की विचारधारा से पूरे विश्व में शांति आ सकती है। सनातन की संस्कृति में वह ताकत है कि वह विश्व में शांति और संतुलन बना सकती है।

भारत को ईरान युद्ध में खींचा तो नहीं जाएगा, इसका असर साफ नजर आएगा

-कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा- भारत करे युद्ध रुकवाने और शांति की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध का सीधा असर दुनिया पर पड़ रहा है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत को इस युद्ध में खींचा तो नहीं जाएगा लेकिन इसका असर साफ तौर पर नजर आएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थरूर ने कहा कि भारत की कोशिश यही होना चाहिए कि किसी भी तरह से यह युद्ध जल्द रुक जाए। उन्होंने कहा कि भारत को भी युद्ध को रोकने और शांति स्थापित करने में पीछे नहीं रहना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर ने कहा कि भारत के लाखों लोग खाड़ी देशों में रहते हैं। इसके अलावा ईरान में ही बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। वे सभी इस युद्ध से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि करीब एक करोड़ के आसपास भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं। उनका ना केवल आना जाना प्रभावित हुआ है बल्कि जीविका पर भी संकट छा गया है। बता दें अमेरिका ने भारत समेत कई देशों को रूस से तेल खरीदने की 30 दिन की छूट दी है। युद्ध की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने के बाद ट्रंप ने यह फैसला किया है। थरूर ने कहा कि अगर कंपनियां रूस से तेल खरीदती भी हैं तब भी एक महीने बाद उन्हें फिर से समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

थरूर ने शुक्रवार को कहा कि जी20 इस तरह से विकसित हो सकता है जिससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रधानता को खतरा पैदा हो सकता है क्योंकि यह आज की समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है और किसी चार्टर से बाधित नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का अस्तित्व बना रहेगा और भले ही यह वह संयुक्त राष्ट्र नहीं हो सकता है जिसकी 1945 में कल्पना की गई थी, लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का केंद्र होगा। उनका कहना था- मैं जो देख रहा हूं वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कई स्वरूप हैं। उनमें से सबसे उल्लेखनीय जी20 है जो संयुक्त राष्ट्र के विपरीत किसी चार्टर द्वारा बाधित नहीं है।

बजट सत्र का दूसरा चरण: 9 मार्च को स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना

भाजपा और कांग्रेस ने सांसदों को जारी किया तीन-लाइन व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत ही राजनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। इस मुद्दे को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस ने अपने सांसदों को निर्देश दिया है कि वे इन दिनों सदन में उपस्थित रहें, क्योंकि विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने का निर्देश देते हुए महत्वपूर्ण मतदान के लिए तैयार रहने को कहा है। दरअसल, विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसके बावजूद पार्टी सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के सांसद पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुसार प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं और मतदान के दौरान स्पीकर के खिलाफ वोट देने की संभावना है।

विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया। इसी आरोप के आधार पर उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया है।

संसदीय नियमों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। हालांकि मौजूदा लोकसभा की संख्या बल को देखते हुए इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना कम मानी जा रही है। वर्तमान में एनडीए के पास लगभग 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है, जो प्रस्ताव को पारित होने से रोकने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है।

प्रक्रिया के तहत जब इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी, तब लोकसभा अध्यक्ष स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे। हालांकि उन्हें अपनी बात रखने और प्रस्ताव पर होने वाले मतदान में हिस्सा लेने का अधिकार होगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत से पहले ही इस मुद्दे ने संसद के भीतर के राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है।

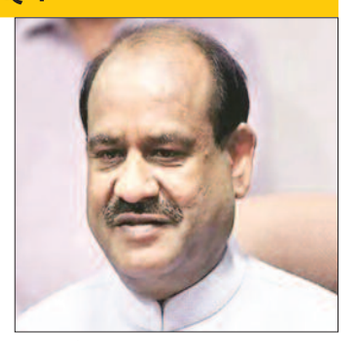

महिला कर्मचारियों के लिए आज से शुरु होगा, यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने के लिए एप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय ने महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर होने वाले सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकायत दर्ज कराने के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) एप में एक नया फीचर शुरू करने का फैसला किया है। यह फीचर 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से शुरू होगा। इसके जरिए महिला कर्मचारी अपनी शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगी, जो संबंधित आंतरिक शिकायत समिति (आईसी) तक तुरंत पहुंच जाएगी। मंत्रालय के अनुसार सेक्सुअल हैरेसमेंट इंसीडेंट नॉटिफिकेशन फॉर एम्पॉवरमेंट नाम का मॉड्यूल शिकायतों को गोपनीय तरीके से और जल्दी निपटाने में मदद करेगा। इस पोर्टल पर बाहरी महिला आगंतुकों, ठेका कर्मचारियों, मजदूरों या छात्रों की ओर से भी शिकायत दर्ज की जा सकेगी।

धूप दिखाने लगी अपना असर, दिल्ली में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से दो या तीन डिग्री ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली में भी चटक धूप पढ़ने से तापमान बढ़ गया है। शुक्रवार को राजधानी दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से सात डिग्री ज्यादा था। दिल्ली में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में भी गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। 7 मार्च तक मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है। यूपी में फिलहाल बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। राज्य के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी। कुछ जगहों पर हल्के बादल छाए रह सकते हैं। इससे गर्मी से निजात नहीं मिलने वाली।

पंजाब और हरियाणा में भी लगातार पारा बढ़ने का अनुमान है। यहां सर्दी की करीब विदाई हो चुकी है। पंजाब और हरियाणा में दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री के आसपास रह सकता है। वहीं राजस्थान में भी तापमान सामान्य से ज्यादा है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के ऐक्टिव होने की वजह से बाड़मेर और आसपास के इलाकों में 30 से 35 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते शनिवार से उत्तराखंड के मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर उत्तराखंड मे 12 मार्च तक देखने को मिल सकता है। शनिवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी चमोली पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 4000 मी व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विभाग ने राज्य के अन्य जनपदों में मौसम शुष्क होने की संभावना जताई है। इसी तरह 8 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी चमोली पिथौरागढ़ के कुछ क्षेत्रों में हेल स्काई लाइटनिंग के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

देहरादून स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक ने बताया कि 8 मार्च को पर्वतीय जिलों के 3800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर हिमपात होने के आसार हैं। इसके बाद 9 मार्च को एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग चमोली बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की बरसात के साथ आकाशीय बिजली चमकने की संभावना है, साथी पहाड़ी जिलों के 3800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी बारिश की संभावना है।

नीतीश मामले पर बोले विजय गोयल- 75 वर्ष के बाद राजनीति से स्वैच्छिक विराम की परंपरा बने

-कहा— नए नेताओं को मिलना चाहिए अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 75 वर्ष की आयु के बाद सक्रिय राजनीति से स्वेच्छा से हटने की परंपरा विकसित होनी चाहिए, ताकि नए नेताओं को आगे आने का अवसर मिल सके।

भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने के फैसले पर अनावश्यक हंगामा खड़ा किया जा रहा है, जबकि असली बहस इस बात पर होनी चाहिए कि वरिष्ठ नेताओं को एक निश्चित आयु के बाद सक्रिय राजनीति से स्वयं पीछे हटने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोकतंत्र में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और वरिष्ठ नेता अपने लंबे सार्वजनिक जीवन का शांतिपूर्वक मूल्यांकन भी कर सकेंगे। दरअसल भाजपा नेता विजय गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा कि सभी जानते हैं कि नीतीश कुमार का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा है। ऐसे में वे राज्यसभा जाएं या न जाएं, इससे न उन्हें कोई विशेष फर्क पड़ता है और न ही देश या राज्य की राजनीति पर बड़ा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इस विषय को लेकर अनावश्यक रूप से हाय-तौबा मचाई जा रही है।

गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उनके इस फैसले के बाद जनता दल (यू) के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनसे निर्णय पर पुनर्विचार करने की अपील की है। हालांकि 6 मार्च को हुई पार्टी बैठक में नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया कि वे राज्यसभा जाएंगे, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे बिहार की राजनीति और पार्टी से जुड़े रहेंगे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों और पार्टी नेताओं से कहा कि वे चिंता न करें और संगठन को मजबूत करने के लिए काम जारी रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे राजनीति से संन्यास नहीं ले रहे हैं।

अमेरिका के साथ संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने हमें मजबूर नहीं कर सकती: भारत

-ईरानी युद्धपोत को डुबाने को लेकर अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी ने किया झूठा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के दक्षिणी समुद्री तट के पास हिंद महासागर में अमेरिका ने ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को परमाणु पनडुब्बी से टॉरपीडो हमला करके डुबोया है, उसके बाद भारत और अमेरिका के बीच हुई एक दशक पुरानी संधि लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट की अहमियत बढ़ गई है। दरअसल, बिना संधि का जिक्र किए अमेरिकी सेना के एक पूर्व अधिकारी ने इसकी ओर इशारा करते हुए एक झूठा दावा किया है, जिसके बाद इसे समझना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने के लिए हमें मजबूर नहीं कर सकती।

भारत और अमेरिका ने 29 अगस्त, 2016 को लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे। यह एक तरह से बुनियादी सैन्य समझौता है, जिसके तहत एक-दूसरे को ईंधन भरने, सप्लाई और मरम्मत के लिए मिलिट्री सुविधाओं के आपसी इस्तेमाल की सुविधा मिलती है।

अमेरिका की कई देशों के साथ ऐसी संधि है। यह संबंधित देशों और अमेरिका के बीच आपसी सैन्य सहयोग के लिए की गई है। यह संधि मूल रूप से दोनों देशों को सैन्य गतिविधियों के लिए ईंधन और मरम्मत जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। भारत-अमेरिका लंबे समय से साझा युद्धाभ्यास करते हैं, जिसमें इस तरह की प्रैक्टिस हमेशा से रही है। इस संधि के जरिए सिर्फ इस प्रक्रिया को स्ट्रीमलाइन किया गया है और दोनों ओर से भुगतान और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं के उपयोग के लिए नोडल प्वाइंट तय किए गए हैं।

आपस में लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के अलावा यह संधि मुख्य तौर पर चार क्षेत्रों को कवर करती है। इसमें पोर्ट कॉल, संयुक्त युद्धाभ्यास, साझा मिलिट्री ट्रेनिंग और मानवीय सहायता के साथ-साथ आपात स्थिति में मदद करना शामिल है। हालांकि, किसी भी स्थिति में इस संधि पर अमल दोनों तरफ से आपसी सहमति से ही हो सकता है, जो मामले पर निर्भर करता है। इस समझौते में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है। भारत की धरती पर अमेरिकी सैनिक या संपत्ति का कोई अड्डा नहीं हो सकता है। यह पूरी तरह से एक लॉजिस्टिक समझौता है। भारत जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैन्य सुविधाओं का जरुरत के मुताबिक लॉजिस्टिक इस्तेमाल कर सकता है और यही अमेरिका भी भारत में कर सकता है।

यह समझौता भारत को किसी भी संघर्ष में शामिल होने का दबाव नहीं डाल सकता और न ही इसकी वजह से भारत स्वत- किसी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष में शामिल होने को मजबूर है। दरअसल, अमेरिकी सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी ने एक अमेरिकी मीडिया चैनल पर झूठा दावा किया कि अमेरिका ईरान पर हमले के लिए भारतीय नौ सैनिक अड्डे का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो हमले में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के बाहर हिंद महासागर में डुबोया है।

भारत का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन भारतीय समुद्र तट से करीब 370 किलोमीटर या 200 नॉटिकल मील तक फैला है। मतलब, श्रीलंका के दक्षिणी तट से दूर जिस जगह पर अमेरिकी हमला हुआ, वह भारतीय समुद्री सीमा से बहुत दूर है। आईआरआईएस डेना में 130 ईरानी नाविक सवार थे, जिनमें अमेरिकी हमले में 87 लोगों की मौत हो गई और 32 को श्रीलंकाई नेवी ने रेस्क्यू किया। आईआरआईएस डेना से आपात संदेश मिलने के बाद भारतीय नौ सेना भी सर्च ऑर रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)